

रजिस्ट्री सं. ए.जी. (जी) - 78 7/10/80
Division. IOD - 2/11/2
Date of
Coll No.
Processed
Date of Transfer

REGISTERED NO. D-(D)-78



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 40] नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 7, 1978 (आश्विन 15, 1900)
No. 40] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 7, 1978 (ASVIN 15, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 24 अगस्त 1978

सं० ए० 12026/1/78-प्रशा०-II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा स्थाई स्वागत तथा स्थानापन्न स्वागत पर्यवेक्षक श्री एस० एल० चोपड़ा को स्वागत अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिये 4-8-1978 से 3-11-1978 तक की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 30 अगस्त 1978

सं० ए० 12019/2/78-प्रशा०-II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा इस कार्यालय के स्थाई अनुसंधान सहायक (हिन्दी) श्रीमती सुधा भार्गव तथा श्री चन्द किरण को कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (हिन्दी) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर 2-8-1978 से 30-10-1978 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

प्र० ना० मुखर्जी, अवसर सचिव,
कृते सचिव

नई दिल्ली-110011, दिनांक 31 अगस्त 1978

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा०-I—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 20 जुलाई, 1978 में आंशिक संशोधन करते हुए संघ लोक सेवा आयोग में स्थाई वैयक्तिक सहायक (के० सं० स्टे० से० का ग्रेड ग) तथा स्टेनोग्राफर ग्रेड ग के चयन ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्यरत श्री एस० पी० मेहरा को जिन्हें 31-8-1978 तक वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की गई थी, 9-8-78 (अपराह्न) से निचले पद पर अर्थात् स्टेनोग्राफर ग्रेड ग के चयन ग्रेड में प्रस्थापित कर दिया गया है।

दिनांक 6 सितम्बर 1978

सं० ए० 32013/1/78-प्रशासन-I—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थाई अवसर सचिव (के० सं० से० का ग्रेड I) श्री एम० आर० भागवत को 8 मई, 1978 के पूर्वाह्न से 30 जून, 1978 तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में तदर्थ आधार पर विशेष कार्य अधिकारी (परीक्षा) नियुक्त किया गया है।

प्र० ना० मुखर्जी, अवसर सचिव

गृह मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 14 सितम्बर 1978

सं० ए० 19021/12/78-प्रशा०-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री अब्राहम कुरिया, भारतीय पुलिस सेवा (1969 उत्तर प्रदेश) की दिनांक 31-8-78 के अपराह्न से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति पर पुलिस अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

के० के० पुरी, उप-निदेशक (प्रशा०),

नई दिल्ली, दिनांक 14 सितम्बर 1978

सं० ए०-35018/19/78-प्रशा०-I—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, श्री जोजफ थोमस, निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, बम्बई की दिनांक 1-8-78 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग की बम्बई शाखा में प्रतिनियुक्ति पर अस्थायी रूप से पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

जरनैल सिंह, प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 14 सितम्बर 1978

सं० ओ० दी० 201/77-स्थापना—मेजर एस० के० सिक्का (आई० सी० 8473) मिगनलस, एक स्थल सेना अधिकारी, जो कि केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में सहायक कमाण्डेंट के पद पर प्रतिनियुक्त हैं, को निम्नलिखित अवकाश प्रदान की जाती है:—

(अ) 7 दिन की अर्जित अवकाश दिनांक 31-8-78 से 6-9-78 तक, तथा

(ब) 60 दिन की स्पेशल छुट्टी (सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी) दिनांक 7-9-78 से 5-11-78 तक सेना छुट्टी नियम के अन्तर्गत स्वीकार्य है।

2. उपरोक्त छुट्टी की समाप्ति पर, मेजर सिक्का स्थल सेना की सेवा से दिनांक 6-11-78 पूर्वाह्न से निवृत्त हो जायगे।

ए० के० बंधोपाध्याय, सहायक निदेशक
(प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 13 सितम्बर 1978

सं० ई०-38013(3)/1/78-कार्मिक:—रांची से स्थानान्तरण होने पर श्री एम० एल० अबरोल ने 11 अगस्त, 1978 के अपराह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट आई० पी० सी० एल० बड़ौदा के सहायक कमांडेंट के पद का कार्य भार संभाल लिया।

बोकारो में स्थानान्तरण होने पर श्री एच० सी० पंवार ने 11 अगस्त, 1978 के अपराह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट आई० पी० सी० एल० बड़ौदा के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

नरेन्द्र प्रसाद, सहायक महानिरीक्षक (कार्मिक)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 13 सितम्बर 1978

सं० पी०/एम०(19)-प्रशा०-I—संयुक्त राष्ट्र विकास प्रोग्राम के अधीन, मालवी सरकार की विदेश सेवा पर श्री बी० के० मराठा की प्रतिनियुक्ति की अवधि की समाप्ति के परिणामस्वरूप, उन्होंने तारीख 7 अगस्त, 1978 के पूर्वाह्न से नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रोग्राम) के पद का कार्यभार संभाला। श्री मराठा का मुख्यालय नई दिल्ली में रहेगा।

सं० 10/12/78-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में कन्सोल ऑपरेटर, श्री आर० एल० पुरी को तारीख 1 जुलाई, 1978 से 8 महीने की अवधि के लिये या अगले आवेशों तक, जो भी इसमें पहले हो, पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर उसी कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री पुरी का मुख्यालय नई दिल्ली में रहेगा।

दिनांक 18 सितम्बर 1978

सं० 5/3/76-म० पं० (प्रशा-I)—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 15 मार्च, 1978 की समसंख्याक अधिसूचना के अनुक्रम में, नई दिल्ली में, भारत के महापंजीकार के कार्यालय में निम्नलिखित अधिकारियों की उनमें से प्रत्येक के समक्ष वर्णित पदों पर तदर्थ नियुक्ति की अवधि को तारीख 31 दिसम्बर, 1978 तक या अगले आदेशों तक, जो भी समय पहले हो, सहर्ष बताते हैं:—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	पदनाम
1	2	3
1.	डा० बी० के० राँध	सहायक महापंजीकार (मानचित्र)
2.	डा० आर० आर० त्रिपाठी	मानचित्र अधिकारी
3.	श्री एस० डी० त्यागी	अनुसंधान अधिकारी (मानचित्र)

दिनांक 19 सितम्बर 1978

सं० 2/1/75-म० पं० (प्रशा-1)—राष्ट्रपति, भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक निदेशक, जनगणना (तकनीकी) और इस समय ईरान सरकार में स्वास्थ्य और कल्याण मंत्रालय में के रूप में विदेश सेवा पर श्री सन्त राम गुप्ता तारीख 27 जून, 1978 से, अर्थात् वह तारीख जिससे सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के ग्रेड में उनसे कनिष्ठ श्री के० सी० सूरी को उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर पदोन्नत किया गया, मौलिक नियमावली के नियम 30(1) (तनिम्ननियम) के दूसरे परन्तुक के अधीन उप निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष प्रोफार्मा पदोन्नति प्राधिकृत करते हैं।

सं० 2/1/75-म० पं० (प्रशा-1)—राष्ट्रपति, भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक निदेशक जनगणना (तकनीकी) और इस समय अफगानिस्तान सरकार काबुल में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के अधीन सिविल पंजीकरण और जन्म-मृत्यु सांख्यिकी के यू० एन० विभाग के रूप में विदेश सेवा पर श्री बी० एल० भान को, तारीख 28 जून, 1978 से अर्थात् वह तारीख जिससे सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के ग्रेड में उनसे कनिष्ठ श्री पी० सी० शर्मा को, उप निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर पदोन्नत किया गया, मौलिक नियमावली के नियम 30(1) (तनिम्ननियम) के दूसरे परन्तुक के अधीन उप निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष प्रोफार्मा पदोन्नति प्राधिकृत करते हैं।

सं० 2/1/75-म० पं० (प्रशा-1)—राष्ट्रपति, भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) और इस समय अगदाद में ईराक सरकार, में, यू० एन० डी० पी० के अधीन सेम्पलिंग में यू० एन०

परामर्शदाता के रूप में विदेश सेवा पर श्री लाल कृष्ण को तारीख 27 जून, 1978 से अर्थात् वह तारीख जिससे सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के ग्रेड में उनसे कनिष्ठ श्री एस० एस० एस० जायसवाल को, उप निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर पदोन्नत किया गया, मौलिक नियमावली के नियम 30(1) (तनिम्ननियम) के दूसरे परन्तुक के अधीन उप निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष प्रोफार्मा पदोन्नति प्राधिकृत करते हैं।

सं० 11/5/77-प्रशा-1—इस कार्यालय की तारीख 9-6-1978 की समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्रपति केरल में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में अन्वेषक श्री एस० जयशंकर की उसी कार्यालय में सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर पूर्णतः अस्थाई और तबर्ष नियुक्ति की अवधि की तारीख 1 जुलाई, 1978 से तारीख 30 सितम्बर, 1978 तक तीन महीने के लिए या अगले आदेशों तक, जो भी पहले हो, सहर्ष बढ़ाते हैं। उनका मुख्यालय त्रिवेन्द्रम में ही रहेगा।

पी० परानाथ, महापंजीकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 10 सितम्बर 1978

सं० डी० एन० पी०/पी०/57/75—श्री आर० के० महरोत्रा, सहायक शाप अधीक्षक, पश्चिम रेलवे, जमालपुर, जो कि बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में सहायक अभियन्ता (विद्युत) के पद पर पतिनियुक्त थे, को दिनांक 10-9-1978 (अपराह्न) से कार्यभार मुक्त किया जाता है।

पी० एस० शिवराम, महाप्रबंधक

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग
भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 14 सितम्बर 1978

सं० 1201-सी० ए०-1/76-78—अपर उपनियंत्रक महालेखापरीक्षक (वाणिज्यिक) ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों (वाणिज्यिक) को सहर्ष पदोन्नति किया है और उनकी नियुक्ति लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) के रूप में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिये की है और नीचे कालम 5 में उल्लिखित तिथियों से प्रत्येक नाम के सामने कालम 4 में लिखे गये कार्यालयों में अन्य आदेश होने तक इसी रूप में तैनात किया है :—

क्रम सं०	अनुभाग अधिकारी (वा०) का नाम	पदोन्नति से पहले जिस कार्यालय में कार्यरत थे	पदोन्नति के पश्चात् जिस कार्यालय में लेखापरीक्षा अधिकारी (वा०) के रूप में नियुक्ति हुई	स्थानापन्न लेखा- परीक्षा अधिकारी (वा०) के रूप में तैनाती की तिथि
1	2	3	4	5
	सर्वश्री			
1.	एस० सुब्रमन्या अय्यर	महालेखाकार केरल	सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, बम्बई	15-5-78 (पूर्वाह्न)

1	2	3	4	5
	सर्वश्री			
2.	के० श्रीनिवासा देशीकन	महालेखाकार, कर्नाटक	सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा (कोयला) कलकत्ता	11-5-78 (पूर्वाह्न)
3.	एन० भासकरन	महालेखाकार II तमिलनाडु	सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा रांची	15-5-78 (पूर्वाह्न)
4.	एन० बी० दत्त	महालेखाकार II पं० बंगाल	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक, लेखापरीक्षा, कलकत्ता ।	18-4-78 (पूर्वाह्न)
5.	एस० एस० ब्रैद्यनाथन	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा रांची	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा रांची	7-4-78 (अपराह्न)
6.	एस० के० सरकार	"	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा कलकत्ता	11-4-78 (पूर्वाह्न)
7.	एन० के० बोस	महालेखाकार II पं० बंगाल	"	10-4-78 (पूर्वाह्न)
8.	एन० के० चावला	महालेखाकार पंजाब	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा रांची	29-4-78 (पूर्वाह्न)
9.	एस० पी० वक्शी	"	महालेखाकार, हिमाचल प्रदेश एवं चंडीगढ़	15-5-78 (पूर्वाह्न)
10.	पी० एस० सक्सेना	महालेखाकार II म० प्र०, ग्वालियर	महालेखाकार II म० प्र० ग्वालियर	7-8-78 (पूर्वाह्न)
11.	ए० एस० शर्मा	भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय, नई दिल्ली	महालेखाकार II उत्तर प्रदेश लखनऊ	29-4-78 (पूर्वाह्न)
12.	एस० एम० महाजन	"	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, रांची	29-5-78 (पूर्वाह्न)
13.	एस०के० जैन	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा रांची	"	14-4-78 (पूर्वाह्न)
14.	पी० के० मिश्र	भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक का कार्यालय, नई दिल्ली	महालेखाकार II बिहार पटना	31-5-78 (पूर्वाह्न)
15.	आर० एस० चौहान	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा रांची	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा रांची	14-4-78 (पूर्वाह्न)
16.	के० ए० शर्मा	भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय, नई दिल्ली	महालेखाकार II, हरियाणा, चंडीगढ़	31-5-78 (पूर्वाह्न)
17.	आर० सी० तोमर	"	महालेखाकार, जम्मू एवं कश्मीर, श्रीनगर	31-5-78 (पूर्वाह्न)

1	2	3	4	5
	सर्वश्री			
18.	पी० के० कर	महालेखाकार II पं० बंगाल	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा कलकत्ता	10-4-78 (पूर्वाह्न)
19.	एस० के० दत्त	"	महालेखाकार II पं० बंगाल	10-4-78 (पूर्वाह्न)

सुशील देव भट्टाचार्य, संयुक्त निदेशक (वा०)

मुख्य लेखा परीक्षक का कार्यालय

अम्बई 400020, दिनांक 18 सितम्बर 1978

केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियम, 1965 के नियम 5 के उप-नियम (1) के परस्तुत के अधीन जारी किये गये सेवा समाप्ति के आदेश।

सं० एस० ए०/एच० क्यू०/प्रशासन/पी० सी०/3964.—केन्द्रीय सिविल सेवायें (अस्थायी सेवा) नियम, 1975 के नियम 5 के उप-नियम (1) के परस्तुत के अनुसरण में, श्री के० बी० सेमुअल, अस्थायी लेखा परीक्षक को नोटिस दिया जाता है कि उनकी सेवायें, इस नोटिस के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से एक महीने की अवधि के बाद की तिथि से समाप्त हो जायेंगी।

गोपाल सिंह, उप मुख्य लेखा परीक्षक

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 12 सितम्बर 1978

सं० 18149/प्रशा० II—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री एफ० सी० सूब (आई० डी० ए० एस० (कार्यालय, सिविल विमानन, महानिदेशक नई दिल्ली में विस्तृत एवं लेखा निदेशक के रूप में प्रतिनियुक्ति पर) दिनांक 31 अगस्त, 1978 अपराह्न से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया गये और तदनुसार उनका नाम रक्षा लेखा विभाग की नफरी पर नहीं रहा।

आर० एल० बहशी, रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक,

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा

महानिदेशालय, आर्डनेन्स फैक्टरियां

कलकत्ता, दिनांक 12 सितम्बर, 1978

सं० 38/78/2—वार्षिक निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त होने पर श्री एस० राम चन्द्रन, स्थानापन्न सहायक

प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई स्टोर होल्डर) 30 अप्रैल, 1978 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 39/78/2—वार्षिक निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री टी० के० कुमार, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई फोरमैन) दिनांक 31-5-1978 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

दिनांक 15 सितम्बर, 1978

सं० 40/78/जी०—राष्ट्रपति जी, निम्नलिखित अधिकाधिकारी को सहायक प्रबन्धक (परखावधि) के पद पर, उनके सामने दर्शाई गई तारीखों से नियुक्त करते हैं—

श्री कामाक्षी प्रसाद पंडा	30 जनवरी, 1976
श्री राजेश कुमार जैन,	27 फरवरी, 1976
श्री सुधेन्दु दास	13 अप्रैल, 1976
श्री सुब्रमण्यम कुप्पू	27 अक्टूबर, 1975
श्री सैयद मोहम्मद उक्ता	10 सितम्बर, 1976
श्री डी० राजारमन्	29 अक्टूबर, 1975
श्री ओम प्रकाश मिश्रा	30 अक्टूबर, 1975
श्री एन० बोथान्दापाणी	15 अप्रैल, 1976
श्री आशीष कुमार दासगुप्ता	27 अक्टूबर, 1975
श्री विजय कुमार चन्द्रभान संधी	1 अप्रैल, 1976
श्री राजेन्द्र कुमार जैन	30 जनवरी, 1976
श्री राज कृष्ण शिखित	1 जुलाई, 1976
श्री नल्लू गौडाः कृष्णामूर्ति	21 जनवरी, 1976
श्री बन्दासुपल्ली येसू	31 अक्टूबर, 1975
श्री श्रीरेन्द्र कुमार तिवारी	14 मई, 1976
श्री मदन गोपाल अवस्थी	31 मई, 1976
श्री कृष्ण कुमार रस्तोगी	13 मई, 1976
श्री हर मोहिन्दर सिंह	1 जून, 1976
श्री सुनिल कुमार दत्ता	14 मई, 1976
श्री प्रशान्त कुमार दास	31 मई, 1976
श्री राम स्वरूप पुरी	29 मई, 1976

श्री वज्र किशोर बसल	10 जून, 1976	श्री सुधाकर अस्थाना	22 जनवरी, 1978
श्री महेश कुमार	4 जून, 1976	श्री पी० वी० वेंकटेश्वरन	7 नवम्बर, 1977
श्री महाराज किशन काल	7 जून, 1976	श्री गोविन्द प्रसाद चौकरी	3 मार्च, 1978
श्री अश्विनाथ बन्धोपाध्याय	21 मई, 1976	श्री कृष्ण मोहन गुप्ता	15 अक्टूबर, 1977
श्री राकेश कुमार सक्सेना	11 नवम्बर, 1976	श्री उपेन्द्र कुमार मिश्रा	24 अक्टूबर, 1977
श्री रमेश कुमार	11 अक्टूबर, 1976	श्री अश्वनी कुमार प्रभाकर	20 अप्रैल, 1978
श्री नवल किशोर सिंह	9 दिसम्बर, 1976	श्री नन्द मोहन कालानी	19 सितम्बर, 1977
श्री सिखर मुस्ताफी	7 जनवरी, 1977	श्री अशोक कुमार	31 अक्टूबर, 1977
श्री हिमांशु शेखर चौधरी	6 अक्टूबर, 1976	श्री मनी कुमार जैन	26 सितम्बर, 1977
श्री हरजीत सिंह चाव	5 अक्टूबर, 1976	श्री आशीष कुमार देवराय	17 सितम्बर, 1977
श्री मृगाङ्क मोहन चन्दा	24 सितम्बर, 1976	श्री माणिक घोष	31 अगस्त, 1977
श्री उमेश चन्द्र सिंह	21 सितम्बर, 1976	श्री जनपल सीताराम	15 दिसम्बर, 1977
श्री कनक नारायणन नारायणन		श्री रामानन्द जी पन्दगाँकर	26 अक्टूबर, 1977
कर्धी	22 नवम्बर, 1976	श्री के० टी० मोहनन	27 अक्टूबर, 1977
श्री सरताज सिंह	12 अक्टूबर, 1976	श्री बिम्लेन्दु साहा	19 अप्रैल, 1978
श्री हृदय मोहन श्रीवास्तव	6 अक्टूबर, 1976	श्री रविन्दर कुमार शान्दिल	10 अक्टूबर, 1977
श्री अरुन खानवलकर	28 अक्टूबर, 1976	श्री टिपिरनेनी पाण्डुरंग वेंकट	
श्री महेश चन्द्र बंसल	28 मार्च, 1977	सत्यनारायण सीमशेखर राव	20 दिसम्बर, 1977
श्री नयन मुखोपाध्याय	4 अक्टूबर, 1976	श्री माधव वी० श्रीनिवासन	30 नवम्बर, 1977
श्री जसबीर सिंह सन्धू	24 दिसम्बर, 1976	श्री आविश्य मिश्रा	13 सितम्बर, 1977
श्री एडगर शतेन्द्र मार्कस	8 अक्टूबर, 1976	श्री सन्त कुमार दास	30 दिसम्बर, 1977
श्री सुधीर कुमार गुप्ता	29 नवम्बर, 1976	श्री बीरेन्द्र गांधी	10 अक्टूबर, 1977
श्री जयन्त राय	7 सितम्बर, 1976	श्री रवीन्द्र शंकर पाटिल	8 फरवरी, 1978
श्री राम प्रसाद दे	17 सितम्बर, 1976	श्री पुरुषोत्तम मंगी लाल मेशराम	11 नवम्बर, 1977
श्री किरण प्रकाश	11 अक्टूबर, 1976	सं० 41/78/जी०—राष्ट्रपति जी, निम्नलिखित अधिकारियों को सहायक प्रबन्धक (परखावधि) के पद पर उनके सामने दर्शाई गई तारीखों से नियुक्त करते हैं:—	
श्री रवदेव सिंह सोंधी	6 जनवरी, 1977	श्री बृजभूषण त्यागी	15 नवम्बर, 1976
श्री अशोक कुमार सिन्हा	5 नवम्बर, 1976	श्री पी० प्रभाकरन	19 नवम्बर, 1976
श्री राजेश कुमार	11 अक्टूबर, 1976	श्री विभाकर नारायण अवस्थी	14 जुलाई, 1977
श्री मुथुरा मलिङ्गम् रवि	21 फरवरी, 1977	श्री सतीश कुमार दुबे	26 दिसम्बर, 1977
श्री दिलीप रंजन घोष	1ली नवम्बर, 1976	कुमारी शोभा रामानन्द	31 दिसम्बर, 1977
श्री भूपेन्द्र नाथ सिंह	6 अक्टूबर, 1976	श्री एन० सुन्दर पाण्डियन	30 दिसम्बर, 1977
श्री अवधेश कुमार राय	18 अप्रैल, 1977	श्री वी० पुगासेन्धी	31 जनवरी, 1978
श्री पेकिआराज रोजिआ सुधाकर	1ली नवम्बर, 1977	श्री पवित्र मोहन रानावेंशा	9 फरवरी, 1978
श्री राम तिवारी	14 नवम्बर, 1977	श्री प्रेम नारायण	2 मई, 1978
श्री नरेन्द्र कुमार	31 अक्टूबर, 1977	सं० 42/78/जी०—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारियों को सहायक प्रबन्धक (परखावधि) के पद पर, उनके सामने दर्शाई गई तारीखों से नियुक्त करते हैं:—	
श्री ए० रामासुब्रमनियन	19 सितम्बर, 1977	श्री गोपाल कृष्णन नायर	30 जुलाई, 1975
श्री सुनिल कुमार	18 अक्टूबर, 1977	श्री सुधा सिंह	1ली, सितम्बर, 1975
श्री कमल कुमार पटकर	14 दिसम्बर, 1977	श्री शेखरी पुरम कृष्णन रामानाथन	17 अक्टूबर, 1975
श्री अनिल कुमार शर्मा	19 दिसम्बर, 1977	श्री मिहिर कुमार चक्रवर्ती	31 जुलाई, 1976
श्री सुरेश प्रसाद यादव	6 दिसम्बर, 1977	श्री चित्तव कुमार दे	9 अगस्त, 1976
श्री जवाहरलाल मिश्रा	19 दिसम्बर, 1977	श्री अरुन कुमार गांगुली	25 जून, 1976
श्री प्रिय रंजन	31 दिसम्बर, 1977		

श्री रवि प्रकाश ग्रहजा 17 जून, 1976
श्री यालन्दुर राघवेन्द्र राव जयसिन्हा 25 सितम्बर, 1976

सं० 43/78/जी—राष्ट्रपति जी, निम्नलिखित अधिका-
कारियों की सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर)/(परखावधि)
के रूप में प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीखों से नियुक्त
करते हैं:—

श्री हरभजन सिंह	5 मार्च, 1973
श्री जादव चन्द्र साहा	30 मार्च, 1973
श्री विधु भूषण सिंह	1लीं फरवरी, 1973
श्री आशीष कुमार सरकार	10 मई, 1974
श्री प्रताप चन्द्र मित्रा	25 जुलाई, 1974
श्री विमल प्रसन्न महापात्र	21 जनवरी, 1975
श्री सुरेश कुमार सितारामपन्त खोट	30 नवम्बर, 1974
श्री सन्तोष कुमार पांडे	29 अप्रैल, 1975
श्री विजय कुमार पंडित	30 मई, 1975
श्री उमेश चन्द्र	9 जुलाई, 1975
श्री राजा राम यादव	23 मई, 1975
श्री राज कुमार शर्मा	14 अप्रैल, 1975
श्री अशोक कुमार	31 जुलाई, 1975
श्री कालकुन्टे सुन्दराचार मुकुन्द	6 जून, 1975
श्री धरम वीर सिंह	12 अगस्त, 1975
श्री सुधांशु कुमार सारखेल	25 जून, 1975
श्री अमल कुमार चट्टोपाध्याय	23 फरवरी, 1976
श्री प्रिय रंजन सरकार	4 अगस्त, 1975
श्री दोनेपुडी प्रभाकर शर्मा	30 दिसम्बर, 1976
श्री अतलूरी रंगा राव	1लीं जून, 1977
श्री वलाई चन्द्र दास	1लीं मार्च, 1977
श्री अमरजीत सिंह बालगीर	24 फरवरी, 1977
श्री मुटनूरी सत्यनारायण राव	22 जनवरी, 1977
श्री रिपु रमन कौशल	14 मार्च, 1977
श्री सुप्रिय कुमार दास	10 दिसम्बर, 1976
श्री सुब्रत कुमार घोष	9 दिसम्बर, 1976
श्री ओम प्रकाश	27 अक्टूबर, 1977
श्री विनय नारायण अग्रवाल	14 जनवरी, 1977
श्री सुरेश चन्द्र मजुमदार	7 फरवरी, 1977
श्री सुबोध कुमार दत्ता	21 फरवरी, 1977
श्री प्रदीप प्रमाणिक	28 दिसम्बर, 1976

वी० के० मेहता, सहायक महानिदेशक
आर्डर्नैस फैक्टरियाँ

बाणिज्य, नागरिक, आपूर्ति, एवं सहकारिता मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1978

आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 6/670/62-प्रशासन (राज०)/6724—राष्ट्रपति,
इस कार्यालय के श्री ए० टी० मुखर्जी उप-मुख्य नियंत्रक,

आयात-निर्यात को 7 जून, 1978 के पूर्वाह्न से अगला आदेश
होने तक, बंगलौर में संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात
के रूप में नियुक्त करते हैं।

का० वें० शेषाद्रि, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 अगस्त 1978

सं० 12/80/61-प्रशासन(राजपत्रित)—केन्द्रीय औजार
कक्ष एवं प्रशिक्षण केन्द्र, कलकत्ता में प्रतिनियुक्त से
प्रत्यावर्तित होने पर श्री आर० पूर्णम्, निदेशक, ग्रेड-I
(यांत्रिक) को राष्ट्रपति, दिनांक 15 जुलाई, 1978 (पूर्वाह्न)
से छः मास की अवधि के लिए लघु उद्योग विकास संगठन
में औद्योगिक परामर्शदाता (एन्सिलरी) के रूप में तदर्थ
आधार पर नियुक्त करते हैं।

2. उनकी इस नियुक्ति के परिणामस्वरूप, श्री पूर्णम् ने
दिनांक 15 जुलाई, 1978 (पूर्वाह्न) से विकास आयुक्त
(लघु उद्योग) नई दिल्ली के कार्यालय में निदेशक ग्रेड-I
(यांत्रिक) पद का कार्यभार छोड़ दिया और दिनांक
15 जुलाई, 1978 (पूर्वाह्न) से विकास आयुक्त (लघु उद्योग)
नई दिल्ली के कार्यालय में औद्योगिक परामर्शदाता (एन्सि-
लरी) पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 24 अगस्त 1978

सं० 12(87)/61-प्रशासन(राजपत्रित)—भारतीय आर्थिक
सेवा के ग्रेड-II अधिकारी तथा औद्योगिक लागत और मूल्य
ब्यूरो के सचिव डा० जे० डी० वर्मा को राष्ट्रपति दिनांक
15 जुलाई, 1978 (पूर्वाह्न) से एक वर्ष की अवधि के
लिए लघु उद्योग विकास संगठन में प्रतिनियुक्ति पर निदेशक
(ग्रेड-I) (जी० ए० डी०) के रूप में नियुक्त करते हैं।

2. उनकी इस नियुक्ति के परिणामस्वरूप, डा० वर्मा
ने दिनांक 15 जुलाई, 1978 (पूर्वाह्न) से विकास आयुक्त
(लघु उद्योग) नई दिल्ली के कार्यालय में निदेशक, ग्रेड-I
(जी० ए० डी०) के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

सं० 12/323/62-प्रशासन (राजपत्रित)—विकास आयुक्त
(लघु उद्योग) के कार्यालय के श्री एच० एम० सोम, उप-
निदेशक (यांत्रिक) को राष्ट्रपति, दिनांक 1 जुलाई, 1978
(पूर्वाह्न) से छः माह की अवधि के लिए लघु उद्योग विकास
संगठन में निदेशक ग्रेड-II (यांत्रिक) के पद पर स्थानापन्न
रूप में कार्य करने के लिए तदर्थ आधार पर नियुक्त करते
हैं।

2. उनकी इस नियुक्ति के परिणामस्वरूप, श्री एच०
एम० सोम ने दिनांक 1 जुलाई, 1978 (पूर्वाह्न) से विकास
आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय में उप निदेशक (यांत्रिक)

पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा 1 जुलाई, 1978 (पूर्वाह्न) से इसी कार्यालय में निदेशक, ग्रेड-II (यांत्रिक) पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ए०-19018(343)/78-प्रशासन (राजपत्रित):—लघु उद्योग सेवा संस्थान, इन्दौर के अधीक्षक, श्री एस० पी० शर्मा को, विकास आयुक्त (लघु उद्योग), दिनांक 9 मई, 1978 (अपराह्न) से, आगे और आवेदन दिए जाने तक, लघु उद्योग विकास संगठन में सहायक निदेशक, ग्रेड-II, (जी० ए० डी०) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

2. उनकी इस नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री एस० पी० शर्मा ने दिनांक 9 मई, 1978 (अपराह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, श्रीनगर, में सहायक निदेशक ग्रेड-II (जी० ए० डी०) पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

सं० ए-19018(353)/78-प्रशा० (राजपत्रित)—श्री पी० थामु नायर, अधीक्षक, उत्पादन केन्द्र, दत्तमनुर को, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) दिनांक 6 जुलाई, 1978 (पूर्वाह्न) से तथा आगे और आवेदन दिए जाने तक, लघु उद्योग विकास संगठन में सहायक निदेशक, ग्रेड-II (जी० ए० डी०) के पद पर स्थानापन्न रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

2. उनकी इस नियुक्ति के परिणामस्वरूप, श्री थामु नायर ने दिनांक 6 जुलाई, 1978 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, कटक में सहायक निदेशक, ग्रेड-II (जी० ए० डी०) पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

दिनांक 29 अगस्त 1978

सं० 12(607)/69-प्रशासन (राजपत्रित)—सेन्ट्रल फुटबियर ट्रेनिंग सेन्टर, आगरा के श्री जी० डी० मेहता, सहायक निदेशक, ग्रेड-II (चर्म/फुटबियर) को राष्ट्रपति, दिनांक 10 जुलाई, 1978 (पूर्वाह्न) से आगे और आवेदन दिये जाने तक, लघु उद्योग विकास संगठन में सहायक निदेशक, ग्रेड-I (चर्म/फुटबियर) के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. उनकी इस नियुक्ति के परिणामस्वरूप, श्री जी० डी० मेहता ने दिनांक 10 जुलाई, 1978 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, कटक में सहायक निदेशक, ग्रेड-I (चर्म/फुटबियर) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 31 अगस्त 1978

सं० ए-19018/328/77-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपति श्री डी० एन० केशवमूर्ति को दिनांक 27 मई, 1978 (पूर्वाह्न) से, अगले आवेदन जारी होने तक, लघु उद्योग विकास संगठन में सहायक निदेशक, ग्रेड-I (जी०/सी०) के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. उनकी इस नियुक्ति के परिणामस्वरूप, श्री डी० एन०, केशवमूर्ति ने लघु उद्योग सेवा संस्थान, कटक, में दिनांक 27 मई 1978 (पूर्वाह्न) से सहायक निदेशक, ग्रेड-I (जी०/सी०) पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

महेन्द्र गुप्त,
उपनिदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 11 सितम्बर 1978

सं० 7148/डी/2181 (एस० आर० एम० आर०)/19बी—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महा निदेशक ने सहायक रसायनज्ञ श्री एस० आर० एम० राव का भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की सेवाओं से त्याग पत्र, उनके भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र की सुरक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला, कल्पाकम में भर्ती होने पर, 18 अप्रैल, 1978 के अपराह्न से स्वीकार किया है।

सं० 7173/डी/7/77(एम० के० पी०)/19ए—श्री मुकुल कृष्ण को सहायक लागत लेखा अधिकारी के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 860 रु० के आरंभिक वेतन पर 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 रु० के वेतनमान में, अस्थायी क्षमता में, आगामी आवेदन होने तक 10 अगस्त, 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

दिनांक 12 सितम्बर 1978

सं० 7205/डी/11/68/19सी—निम्नलिखित अधिकारियों को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक लागत लेखा अधिकारी के ग्रेड (ग्रुप 'बी' 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 रु० के वेतनमान) में प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तिथि से पुष्टि की जा रही है :—

क्र० सं०	अधिकारियों का नाम	पुष्टिकरण तिथि
1.	श्री आर० के० बापट	14-2-1975
2.	श्री पी० के० घोष	14-2-1975

सं० 7220/डी/13/74/19सी—निम्नलिखित अधिकारियों की भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में शिफ्ट बास के ग्रेड (ग्रुप 'बी' 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान) में प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तिथि से पुष्टि की जा रही है :—

क्र० सं०	अधिकारी का नाम	पुष्टिकरण तिथि
1.	श्री सी० एस० जैसवाल	16-8-1975
2.	श्री पी० आर० चौधुरी	16-8-1975
3.	श्री के० एस० सुब्बा राव	16-8-1975
4.	श्री ए० के० चक्रवर्ती	16-8-1975
5.	श्री ए० एस० राव	16-8-1975

दिनांक 13 सितम्बर 1978

सं० 7268/डी/40/59/सी/19ए—श्री एस० आर० भट्टाचार्य की सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर तदर्थ नियुक्ति

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 1-1-1978 के पूर्वाह्न से नियमित की गई है।

श्री भट्टाचार्य को सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर तदर्थ नियुक्ति 3-5-1975 से की गई थी।

वी० एस० कृष्णास्वामी,
महानिदेशक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग
महासर्वेक्षक का कार्यालय
देहरादून, दिनांक 15 जून 1978
अधिसूचना सं० स्था/4758/881-अधिकारी

दिनांक 17-11-73 का शुद्धि पत्र

सं० स्था 50468/881-अधिकारी—भारत के असाधारण, राजपत्र के भाग II खण्ड 3 उपखण्ड 1 सं० 247 में दिनांक 7-10-74 को प्रकाशित, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग) की अधिसूचना सं० जी० एस० आर० 413(ई) दिनांक 7-10-74 के, तथा साथ ही भारत सरकार वित्त मंत्रालय के मेमो (ज्ञापन) सं० 67/11/4/73 इम्प० दिनांक 15 फरवरी 1974 के अनुसार डा० (श्रीमती) एस० जी० सेठी का वेतन 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के संशोधित वेतनमान में 650 रु० प्रति माह निश्चित किया जाता है। डा० (श्रीमती) एस० जी० सेठी को दिनांक 2 जनवरी 1973 से दिनांक 31 जनवरी 1973 तक लीव बेकेन्सी पर सामान्य केन्द्रीय सेवा क्लास II में तदर्थ आधार पर भारतीय सर्वेक्षण औषधालय में कनिष्ठ महिला चिकित्सक के पद पर नियुक्त किया गया था।

के० एल० खोसला,
मेजर जनरल
भारत के महासर्वेक्षक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 सितम्बर 1978

सं० 4(36)/77-एस-I—डा० आदर्श सक्सेना, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, बीकानेर का त्यागपत्र दिनांक 16-8-78 से स्वीकार कर लिया गया है।

अधिर कुमार बसु
प्रशासन उपनिदेशक,
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 सितम्बर 1978

सं० ए० 19012/2/76-(एस० जे० एच०)—प्रशासन—I सेवा निवृत्ति की आयु हो जाने पर सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में स्थानापन्न रूप से भण्डार अधिकारी के पद पर कार्य कर 2-276GI/78

रहे श्री खूब चन्द 31 अगस्त, 1978 के अपराह्न से सरकारी नौकरी से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

सं० ए-19019/5/76-(एच० ओ०) प्रशासन-1—राष्ट्रपति ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के डा० एन० विजयकृष्णन नायर, सलाहकार (पोषण) का सरकारी सेवा से 18 अगस्त, 1978 अपराह्न से त्याग पत्र स्वीकार कर लिया है।

दिनांक 14 सितम्बर 1978

सं० ए-12026/15/77-प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री शिव गोविन्द त्रिपाठी को 31 अगस्त, 1978 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक डा० राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली में हिन्दी अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

शाम लाल कुठियाला,
उप निदेशक प्रशासन (स० एवं प०)

कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय

ग्रामीण विकास विभाग

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, (एन० एच० IV) दिनांक 12 सितम्बर 1978

सं० फा० 4-6(7)/74-प्र० III—इस निदेशालय के सहायक विपणन अधिकारी श्री आर० पी० सचदेवा की विदेश सेवा अवधि, सचिव के रूप में दिल्ली कृषि विपणन परिषद के अधीन कृषि उपज मंडी समिति, आजादपुर में दिनांक 1-8-1978 (पूर्वाह्न) से एक वर्ष के लिए बढ़ाई गई है।

2. श्री सचदेवा की सेवाएं आरम्भ में दिल्ली कृषि विपणन परिषद के अधीन एक वर्ष के लिए दिनांक 1-8-1977 (पूर्वाह्न) से सौंपी गयी थी।

दिनांक 15 सितम्बर 1978

सं० ए० 19023/4/78-प्र० III—विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के पद पर निम्नलिखित अधिकारियों की अल्पकालीन नियुक्ति की दिनांक 31 अक्टूबर, 1978 या जब तक कोई नियमित प्रबंध किए जाते हैं, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया गया है।

1. श्री के० सूर्यनारायणन
2. श्री एस० पी० भसीन
3. श्री ए० सी० गुडन
4. श्री आर० नरसिम्हन
5. श्री एम० चक्रवर्ती

2. विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के पद पर श्री जे० एन० राव की अल्पकालीन नियुक्ति को, जिनका 10-8-78 को निधन हो गया है, 10-8-78 तक बढ़ाया गया है।

बी० एल० मनहार,
निदेशक प्रशासन,
कृते कृषि विपणन सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक

संदर्भ आर/1825/चिकित्सा/स्थापना 1/3390—निदेशक भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र ने, इसी केन्द्र के एक अस्थाई स्थानिक चिकित्सा अधिकारी डा० (श्रीमती) डाली रे की सेवाएं 15 दिसम्बर 1976 के अपराह्न से समाप्त कर दी।

पी० एस० वेंकटसुब्रमण्यम,
उपस्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 15 सितम्बर 1978

सं० क्र० भ० नि०/23(4)/77-संस्थापन/22808—निदेशक क्रय और भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, निम्नलिखित क्रय सहायकों को प्रभारी रूप में, सहायक क्रम अधिकारी पद पर, रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन क्रम में, उनके सामने प्रदर्शित समय तक, इसी निदेशालय में तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं :—

1. श्री बी० जी० जोबनपुरा 25-7-78 से 24-8-78 तक
2. श्री एन० प्रभाकरन 27-7-78 से 2-9-78 तक।

बी० जी० कुलकर्णी,
सहायक कार्मिक अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन

शार केन्द्र

श्रीहरिकोटा-524154, दिनांक 22 अगस्त 1978

सं० हरि क०सा०सु० : का० और सा० प्र० : स्था० 1.72—निदेशक निम्नलिखित अधिकारियों की शार केन्द्र श्रीहरिकोटा में इंजीनियर एस० बी० के पद पर स्थानापन्न रूप में प्रत्येक के सामने दी गई तारीखों से आगामी आदेश तक पदोन्नति पर नियुक्ति करते हैं :

क्रम सं०	नाम	पदनाम	नियुक्ति की तारीख
1	2	3	4
सर्वश्री			
1.	सी० पी० कृष्णा राव	इंजीनियर एम० बी०	1-4-1978

1	2	3	4
2.	जी० बी० सुब्रह्मण्यम	इंजीनियर- एस० बी०	1-4-1978

दिनांक 24 अगस्त 1978

सं० श्री हरि क०सा०सु० : का० और सा० प्र० : स्था०-1.72—निदेशक निम्नलिखित अधिकारियों की शार केन्द्र श्रीहरिकोटा में इंजीनियर एस० बी० के पद पर स्थानापन्न रूप में प्रत्येक के सामने दी गई तारीखों से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	नाम	पदनाम	नियुक्ति की तारीख
सर्वश्री			
1.	जी० राम देव	इंजीनियर 'एस०बी०'	10-4-1978
2.	एस० लक्ष्मीनरसिम्हन	इंजीनियर 'एस०बी०'	3-5-1978
3.	एम० बी० एल० प्रसाद	इंजीनियर 'एस०बी०'	31-7-1978
4.	निहार रंजन मिश्रा	इंजीनियर 'एस०बी०'	16-8-1978

आर० गोपालारत्नम,
प्रधान, कार्मिक तथा सामान्य प्रशासन
इस निदेशक

इसरो उपग्रह केन्द्र

ए 1-6, पीण्या औद्योगिक क्षेत्र

पीण्या बंगलोर 562140, दिनांक 18 अगस्त, 1978

सं० 020/3(061)/78—इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक श्री एस० एन० राजेन्द्रन को अन्तरिक्षविभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र बंगलोर में इंजीनियर 'एस०बी०' के पद पर अस्थायी रूप में दिनांक 19-5-1978 के पूर्वार्द्ध से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

(हस्ता०)

प्रशासन अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1978

सं० ए० 32013/2/77-ई-डब्ल्यू—इस कार्यालय की दिनांक 17 अप्रैल, 1978 की अधिसूचना सं० ए० 32013/2/77 ई डब्ल्यू के क्रम में राष्ट्रपति ने श्री एच० सी० राय चौधरी की उप-निदेशक (अग्निशमन) के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति की अवधि दिनांक 29-6-78 से छः माह के लिए अथवा पद नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो, बढ़ा दी है और उन्हें मुख्यालय में तैनात किया गया है।

सं० ए० 32013/13/77-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित दो संचार अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से नियमित आधार पर वरिष्ठ संचार अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें उनके नाम के सामने दिये गये स्टेशन पर तैनात किया है:—

क्र० सं०	नाम	तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
सर्वश्री				
1.	अरुण तलवार	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता।	नियंत्रक, केन्द्रीय रेडियो भंडार डिपो, नई दिल्ली।	12-6-78 (पूर्वाह्न)
2.	एम० दीनदयालम	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास।	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास।	12-6-78 (पूर्वाह्न)

दिनांक 16 सितम्बर 1978

सं० 32013/10/77-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्रीमती वी० रत्नावती, सहायक तकनीकी अधिकारी, निदेशक, रेडियो निर्माण तथा विकास एकक का कार्यालय, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली में कार्यरत को दिनांक 13 जुलाई, 1978 से और अन्य आदेश होने तक उसी कार्यालय में तकनीकी अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है।

सत्य देव शर्मा
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 13 सितम्बर 1978

सं० ए० 32012/3/78-ई० एस०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री शेर सिंह को दिनांक 24 अगस्त, 1978 से और अन्य आदेश होने तक विमानक्षेत्र अधिकारी के कार्यालय, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली में नियमित आधार पर प्रशासनिक अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

सुरजीत लाल खण्डपुर,
सहायक निदेशक प्रशासन

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 12 सितम्बर 1978

सं० 16/231/74-स्था०-1—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री शशि भूषण शर्मा, सहायक कुल सचिव, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून को 31-8-78 के अपराह्न से सेवा निवृत्त की आयु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त होने की सहर्ष अनुमति देते हैं।

गुरुदयाल मोहन
कुल सचिव
वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहर्तलिय,

इलाहाबाद, दिनांक 12 सितम्बर 1978

सं० 30/1978—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क मुख्यालय कानपुर में तैनात और इस कार्यालय के पृष्ठांकन पत्र संख्या 11(39)28-स्था०/78/भाग/13352 दिनांक 27 जून, 1978 के अन्तर्गत जारी किये गये स्थापना आदेश सं० 118-/1978 दिनांक 26-6-78 द्वारा रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में स्थापना अधीक्षक वर्ग 'ख' के रूप में नियुक्त श्री लल्लू सिंह, स्थाई निरीक्षक (चयन ग्रेड) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क ने दिनांक 7-7-78 (पूर्वाह्न) को दोपहर के पहले समेकित मण्डल कार्यालय, इलाहाबाद में अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग 'ख' का कार्यभार संभाल लिया।

धर्मपाल आर्य
समाहर्ता

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-110022, दिनांक 12 सितम्बर 1978

सं० ए० 19012/737/78-प्रशा०-पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री टी० एस० गोघवानी, अनुसंधान सहायक को पदोन्नति पर केन्द्रीय जल आयोग में सहायक अनुसंधान अधिकारी (रसायन) को श्रेणी में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पूर्णतया अस्थाई एवं तदर्थ आधार पर दिनांक 24 अगस्त, 1978 के पूर्वाह्न से फरवरी, 1979 के अन्त तक अथवा जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 14 सितम्बर 1978

सं० ए० 19012/736/78-प्रशा०-पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री एच० एस० एन० स्वामी, अनु-

संधान सहायक, को पदोन्नति पर केन्द्रीय जल और विद्युत् अनुसंधान शाला, पुणे में सहायक अनुसंधान अधिकारी (भौतिकी) के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० री०-35-880-40-1000-द० री०-40-1200 के वेतनमान में पूर्णतया अस्थाई एवं तदर्थ आधार पर 18 अगस्त, 1978 की पूर्वाह्न से 30 सितम्बर, 1978 तक अथवा पद नियमति आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

जे० के० साहा
अवर सचिव
केन्द्रीय जल आयोग

उत्तर पूर्वी परिषद्

शिलांग, दिनांक 5 अगस्त 1978

सं० एन० ई० सी०-123/76—भारत सरकार गृह मंत्रालय की अधिसूचना सं० 111-14029/8/74-एन० ई०, दिनांक 7 जून, 1977 के अंतर्गत अधिसूचित, उत्तरपूर्वी परिषद् सचिवालय, शिलांग (वर्ग 'क' तथा 'ख' पद) भर्ती नियम, 1977 के उपबन्धों के अनुसरण में, प्रकाशन प्रभाग, सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय, नई दिल्ली में सम्पादक के रूप में कार्य कर रहे केन्द्रीय सूचना सेवा के ग्रेड-3 में स्थाई और ग्रेड-1 में स्थानापन्न (तदर्थ) अधिकारी श्री सैयद आफताब अहमद को एतद्वारा 1500-60-1800 रु० के वेतनमान में, अन्य भर्तों सहित जैसे कि केन्द्रीय सरकार के नियमों के अधीन ग्राह्य हों, उत्तर पूर्वी परिषद् सचिवालय, शिलांग में लोक संपर्क अधिकारी के पद पर 7-6-1977 से 12-7-1977 (अपराह्न) तक की अवधि के लिये प्रतिनियुक्ति पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

2. इससे परिषद् सचिवालय की अधिसूचना सं० 123/76, दिनांक 23-7-1976 में आंशिक संशोधन हो जाता है, और परिषद् सचिवालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 13-2-1978 रद्द हो जाती है।

के० एम० मिरानी
सचिव

दक्षिण पूर्व रेलवे

कार्यालय महाप्रबन्धक

कलकत्ता-43, दिनांक 11 सितम्बर 1978

सं० पी०/जी०/14/300-ई०—इस रेलवे के कामिक शाखा के निम्नांकित स्थानापन्न द्वितीय श्रेणी के अधिकारियों का पुष्टीकरण उसी नियुक्त पद पर प्रत्येक के सामने उल्लि-

खित तिथि से किया जा रहा है। प्रत्येक अधिकारी जिस विभाग में नियत है, उसे भी प्रदर्शित किया जा रहा है:—

क्र० सं०	नाम	पुष्टीकरण की तिथि	जिस विभाग में नियत है
1.	श्री एन० श्रीनिवासन	1 मई, 1977	
2.	श्री एस० जी० चारी	1 सितम्बर, 1977	एम० ई० एण्ड टी० (पी०)
3.	श्री ए० पी० राय	1 अक्टूबर, 1977	एम० ई० एण्ड टी० (पी०)

मोहिन्दर सिंह गुजराल
महाप्रबन्धक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में

और

अपोलो फिलमेंट्स प्राइवेट लि० के मामले में

हैदराबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1978

सं० 1493/लिविडेशन/78—सिविल अर्जी सं० 5 में 1976 में स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 28-1-1977 के आदेश द्वारा अपोलो फिलमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन करने का आदेश दिया गया है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में

और

अपोलो टेप्स प्राइवेट लिमिटेड के मामले में

हैदराबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1978

सं० 1494/लिविडेशन/78—सिविल अर्जी सं० 4 में 1976 में स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 28-1-1977 के आदेश द्वारा अपोलो टेप्स प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन करने का आदेश दिया गया है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में

और

अपोलो टेक्नोक्राफ्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के मामले में

हैदराबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1978

सं० 1496/लिविडेशन/78—सिविल अर्जी सं० 7 में 1976 में स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 28-1-1977 के आदेश द्वारा अपोलो टेक्नोक्राफ्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन करने का आदेश दिया गया है।

वि० एस० राजू
कम्पनियों का रजिस्टार
आंध्र प्रदेश

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—धारवाड़ का कार्यालय

धारवाड़-580004, दिनांक 22 सितम्बर 1978

शुद्धि पत्र

निर्देश सं० 2052/77-78/एवि०—वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति का नाम नीचे पद में है। इस को ऐसे पढ़ना चाहिए।

मे० जे० एम० नागथान और क०

काटन, अनाज, तेल के बीज व्यापारी और कमीशन एजेंट, आठत बाजार, बिजापुर।

डी० सी० राजागोपालन
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज—धारवाड़-8।

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 18 सितम्बर, 1978

निदेश सं० 77/78-79/आई० ए० सी० (ए/आर०)/भुवनेश्वर

—यतः मुझे, बि० मिश्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सश्रम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० खुंटी नं० 164 है, जो झारसुगुड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, झारसुगुड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-1-1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती अनिता देवी ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बिमला देवी साकुनिया ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आरोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही प्रयुक्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

वो मंजला मकान 164 नम्बर खुंटी पर झारसुगुड़ा मौजा में स्थित है । वह मकान झारसुगुड़ा सब रजिस्ट्रार आफिस में 30-1-78 तारीख में रजिस्ट्रार हुआ ; जिसके डाकुमेंट नं० 164 है ।

बी० मिश्र,
सश्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रंज, भुवनेश्वर,

तारीख : 18-9-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 अगस्त, 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/78-79/
1119:— अतः, मुस, दि० च० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट (भाग) है, तथा जो भोपाल में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 2-1-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य प्राप्ति को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री विजय वत्सातरय भाले पुत्र श्री दत्तातरय भाले निवासी
ईद गाह हिल्स, भोपाल ।

(अन्तरक)

2. (1) श्री नरसिंग दास गोवर पुत्र स्व० श्री चंदीराम
गोवर ठेकेदार, (2) श्रीमति ऊषा देवी परनी श्री
नरसिंगदास गोवर, 19, रिज रोड, ईदगाह हिल्स,
भोपाल ।

(अन्तरिती)

इस सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए आवश्यकियाँ करता हूँ ।

उक्त अन्तरण के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रख
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3 का पूर्वी भाग, खसरा नं० 105, बार्ड नं० 2,
ईदगाह हिल्स, भोपाल ।

दि० च० गोयल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 8-9-1978.
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 अगस्त, 1978

निर्देश सं० ए० सी० 28/एफुरे० IV/कल/78-79:—

अतः मुझे, एस० के० दासगुप्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० — है तथा जो बार्नपुर रोड, आसन-सोल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आसनसोल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, तारीख 20-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्राप्त नहीं किया गया या या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) निम्नलिखित व्यक्तियों, के अधीन अर्थात्:—

1. श्रीमती जयन्ति सिकदार ।

(अन्तरक)

2. श्री अनिल कुमार दत्त ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और उर्ध्वों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन प्रधाय में दिया गया है:

अनुसूची

करीब 5 कट्टा 2 छटाक जमीन साथ उस पर बनाया मकान जो बार्नपुर रोड, आसनसोल, थाना, हिरापुर जिला बर्द्धमान पर अवस्थित और जो दलिल सं० 275 ता० 20-1-1978 का अनुसार है ।

एस० के० दासगुप्त,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज IV

रफी अहमद क़िदवई रोड

कलकत्ता-16

तारीख : 26 अगस्त, 1978 ।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 30 अगस्त, 1978

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन:—यतः मुझे, एम० पी० वाशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० — है तथा जो लाडनू में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लाडनू में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री पुनराज पुत्र लूनकरण गंगवाल मुख्तार ग्राम सुखदेव चेरिटी अस्टेट (ट्रस्ट), लाडनू जिला नागौर।

(अन्तरक)

(2) श्री हुलास चन्द्र आर्य पुत्र श्री नथमल मासी द्वारा श्रीमती हुलासीदेवी भुटोरिया महिला मंडल, छठी पट्टी, लाडनू जिला नागौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लॉट जमीन का जिसका क्षेत्रफल 750 वर्गगज है और जो अस्पताल रोड, बसस्टेण्ड के पास लाडनू में स्थित है और उप पंजियक, लाडनू द्वारा क्रम संख्या 72 दिनांक 25-1-78 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० पी० वाशिष्ठ,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 30-8-78.

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 30 अगस्त, 1978

निदेश संख्या राज०/सहा०/आ० अर्जन:—यतः मुझे, एम० पी० वाशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० — है तथा जो लाडनू में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लाडनू में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25 जनवरी, 1978।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री पुष्पराज पुत्र श्री लूनकरण गंगवाल मुख्तार भ्राम श्री सुख देव चेरिटी अस्टेट (ट्रस्ट) लाडनू जिला नागौर।

(अन्तरक)

(2) श्री रामकुमार जांगिठ पुत्र श्री रूपराम नियर रघूगेट स्टेशन रोड लाडनू जिला नागौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ओपन प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 772 वर्गगज है और जो अस्पताल रोड, बस स्टैंड के पास, लाडनू में स्थित है और उप पंजियक, लाडनू द्वारा क्रम संख्या 73 दिनांक 25-1-78 पर पंजियक विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० पी० वाशिष्ठ,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 30-8-78.

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 सितम्बर, 1978

निदेश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/443:—यतः मुझे, एम० पी० वाशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० — है तथा जो शोमापुरा में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से, वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ब्यावर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-1-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री यूनुस वल्द धन मसीह, रिचल देवी विधवा धनमसिह, विक्टोरिया विधवा यूसफ, बेन्जामिन पुत्र यूसुफ, भारतीय इसाई मिशन कम्पाउण्ड, ब्यावर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती केला देवी पत्ति श्री रामगोपाल माली सांखला मालीयांन सूरजपोल ब्यावर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शोमापुरा तहसील ब्यावर में स्थित कृषि भूमि में कुए सहित भाग में चौथा हिस्सा जो उपपंजियक ब्यावर द्वारा क्रम संख्या 250 दिनांक 21-1-78 परपंजि बद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० पी० वाशिष्ठ,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 11-9-78,

मोहर :

प्रकृष ग्रार्ई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 सितम्बर, 1978

निदेश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन:—यतः भेजे, एम०
पी० वाशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है और

और जिसकी सं० — है तथा जो नेहरू नगर, ब्यावर में
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ब्यावर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 27-1-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रम्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चांदकरण एवं श्री राधाकिशन पुत्र श्री प्रलाधदास
एवं श्री प्रलाधदास पुत्र मथुरालाल राठी, नसीराबाद
जिला अजमेर।

(अन्तरक)

(2) श्री जंगलाराम पुत्र श्री जेठाराम, नेहरूनगर, ब्यावर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करती हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राधेनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रयाय 20 में यथा-परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रयाय में
दिया गया है।

अनुसूची

एक खाली प्लॉट, जिसका क्षेत्रफल 2538 वर्गगज जो नेहरू-
नगर ब्यावर में स्थित है और उप पंजियक, ब्यावर द्वारा
क्रमांक 196 दिनांक 27-1-78 पर पंजिबद्ध विप्रेय पत्र में
और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० पी० वाशिष्ठ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 11-9-78 .
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 सितम्बर, 1978

निदेश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/442:—यतः मुझे, एम० पी० वाशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है, और जिसकी सं० एफ०-41 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उत्पन्न अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 मार्च, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन:—

(1) श्रीमती सरला टांक पत्नि श्री नन्द लाल टांक द्वारा इंग्लिश वाईन एण्ड प्रोविजन स्टोर, स्टेशन रोड, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पार्वती देवी पत्नि श्री वासदेव सजनानी एवं श्री पेंसूराम पुत्र श्री हेमराज सिंधी प्लॉट नं० 248, सिंधी कालोमी, बनीपार्क, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० एफ० 42, बनीपार्क, जयपुर जो उप पंजिक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 548 दिनांक 16-3-78 पर पंजिवद्ध विप्रेषण पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० पी० वाशिष्ठ,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 7 सितम्बर, 1978।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़-580004, दिनांक 16 अगस्त, 1978

निदेश सं० 223/78-79:—यतः मुझे, डी० सी० राजा-

गोपालन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० सी० नं० 85/1, 29 और 30/2, है जो जगरा होबली, चिकमगलूर जिला (तालुका) में स्थित है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिकमगलूर अंडर डाकुमेंट नं० 1772 दि० 19-1-78 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख, 19 को

पूरोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जहाँ—

1. श्री एस० मचाडो पिता जे० मचाडो काफी हाउस, जेल रोड, चिकमगलूर।

(अन्तरक)

2. मैसर्स कोमलस काट्टी हिल्स हलसे एस्टेट, मडिगेरे तालुक चिकमगलूर तालुक और जिनका पार्टनर्स (1) एच० बि० जयाप्रसाद (2) एच० बि० राजागोपाल और (3) एच० बि० शिवन्ना सब का पिता एच० बि० बैरगेडा हलसे एस्टेट, मुडिगेरे तालुक, चिकमगलूर-जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काफी एस्टेट का नं० एस० 85/1, 29 और 30/2, जोगरा होबली, चिकमगलूर-तालुका के यहाँ है। खुला स्थान 51 एकड़ 30 गटाय।

डी० सी० राजागोपालन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख : 16 अगस्त, 1978।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़-580004, दिनांक 25 अगस्त 1978

निदेश सं० 226/78-79/अर्जन:—यतः, मुझे, डी० सी० राजगोपालन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 52, 52/1 और 53 है तथा जो हरिहरा टाऊन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हरिहरा अंर डाकुमेंट नं० 1330/77-78, दिनांक 8-2-1978 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8-2-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती तारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 169-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

1. श्री सा० अ० बुनिलालजी जैन, व्यापारी, हरिहरा टाऊन।
(अन्तरक)

2. श्री चम्पकलाल पिता पूजमचन्द व्यापारी, नरसाराया पट्टे, डावनगरे सिटी।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आर० सी० सी० दो मंजला का मकान एक डिविजन हरिहरा टाऊन के यहां है। मुनिसिपल नं० 52, 52/1 और 53 और अबका दरवाजा का नं० 55, 56 और 57 है। एकत्र एरिया नं० 960, स्क्वेयर फीट है।

डी० सी० राजगोपालन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, धारवाड़।

तारीख : 25-8-78.

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़-1580004, दिनांक 12 सितम्बर 1978

निदेश सं० 228/78ब79/अर्जन:—यतः, मझे, डी० सी० राजा गोपालन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 24/पि० है, जो याड़गोड़ गांव कलसा होबली मुडिगेरे-तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुडिगेरे अंडर डाकुमेंट नं० 536/77-78 दि० 6-1-78 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

1. श्रीमती ब्रियनम्मा हाजिहिसम सेराब्बा का पातनी (2) श्रीमती हालिमम्मा पति एस० मोहम्मद पोडली मंगलूर के वासी, (3) श्रीमती मैमुना पति ए० एच० खादेर मागुंडी, एन० आर० पुरा तालुक, (4) श्रीमती मरियम्मा पति मोहम्मद हाजि पाने मंगलूर बटेवाल तालुक, (5) श्रीमती नफीरसा पति मोहम्मद कुनही एप्पिनंगडी पुन्नूर तालुक, (6) श्रीमती अ्रेसम्मा पति इस्माल बगेरे मंगलूर तालुक, (7) श्रीमती रहमनुनिस्सा पति अब्दुल रजाख पाने मंगलूर, (8) श्री मोहम्मद बाबा, (9) श्री खासिम, (10) श्री अब्दुल रसीद, (11) मास्टर आयुब मानार श्री अहमद बाबा के जरिये पेश किया जाता है। सी० 1 और 8 से 11 तक तुम्बे बेखाल तालुक एस० के० के० यहां रहते हैं।

(अन्तरक)

2. मैसर्स संगम फलोरासनस और पटनर्स श्री एस० आर इब्राहिम पिता रसूलखान, (2) आडिटर ओबकीर नेहरु रोड़, सुमोगा, (2) श्री टि० अब्दुल रहमान पिता दिमोहीदून कांफी प्लटर्स, (3) श्री एम० आर० एस० संबानम पिता सेक्कालिंगम कांफी प्लॉटर्स मागुंडी, एन० आर० पुरा तालुक के यहां रहा ने है। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कांफी एस्टेट साथ मिलाके नेल्लिकोप्पा एस्टेट के नाम से जाना जाता है। थाड़ गोड़ गांव, कलसा होबलि मुडिगेरे तालुक के यहां है। सर्वे नं० 24/पि० वि० आर० टि० नं० ए० 86 एकड़ स्थान 78 एकर्स 20 गुंटास है।

डी० सी० राजागोपालन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, धारवाड़।

तारीख : 12 सितम्बर, 1978।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंबई

बंबई, दिनांक 14 अगस्त 1978

निर्देश सं० ए० बी०-1/3017-2/फरवरी 78:—यस: मुझे,
एफ० जे० फर्नान्डिस
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 2 सी०/(699) (भाग) मति और
मालावर और कुम्भांहिल डिवीजन है तथा जो दादर रोड में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दादर रोड में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18
सितम्बर, 78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
4-276 GI/78

1. श्री बेनी प्रसाद कनोरिया और अन्य ।

(अन्तरक)

2. श्री गिरधर गोपाल शर्मा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 2597/72/बंबई उप रजिस्ट्रार
अधिकारी द्वारा दिनांक 18-2-1978 को रजिस्टर्ड किया गया
है ।

एफ० जे० फर्नान्डिस,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, बम्बई ।

तारीख : 14 अगस्त, 1978 ।

मोहर :

प्रत्येक आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 अगस्त 1978

निदेश सं० अ० ई० 2/2535/2/फा०/78:—अतः मुझे,
 ए० सी० चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 53 और सी० टी० है तथा जो
 एस० व्ही० रोड, मालाड में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची
 में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
 बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
 के अधीन, तारीख 15 फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
 मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. पंकज बिल्डर्स प्राईवेट लिमिटेड। (अन्तरक)
2. विवेक मन्दिर को० आ० प० हाउ० सो० लि०
3. संलग्न परिशिष्ट 'अ' के अनुसार। (अन्तरिती)

वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है।

—मयोपरि—

परिशिष्ट 'अ'

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

1. श्री जसवन्तलाल एम० मेहता, 2. श्री पी० एल० पथियर,

3. मैसर्स, परगान प्लास्टीकस्, 4. श्री जे० बी० मेहता, 5. श्रीमती
 असरी खुन्नीलाल भाटिया, 6. श्रीमती सविताबेन एस०
 संगानी, 7. श्रीमती मथुकान्त एच० शाह, 8. श्रीमती लक्ष्मी
 बी० बासवानी, 9. श्री मुकुंद सिंह गुडवार, 10. श्री प्रधान
 जेठा भाई, 11. श्रीमती डी० एम० भाटिया, 12. श्रीमती रेखाबेन
 पी० मयानी, 13. श्री महेश एम० कबुर 14. श्री भगवान दास
 चतुरभुज शाह, 15. श्री कोसारे बी० रूपरेल, 16. श्री नातुभाई
 एन० देसाई, 17. श्रीमती कांताबेन कांतिलाल विरमगाम
 18. श्री रमेश एच० बजाज।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
 अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो
 भाप से 1200 वर्गगज या ने 1003 वर्ग मीटर के लगभग बराबर
 है, उस पर खड़ी छः फ्लेटों की तल और दो ऊपरी मंजिलों वाली
 इमारत सहित बंबई महानगर में विवेकानंद रोड, मलाड में मौजूद
 है और मलाड गांव के सर्वे नं० 53 का भाग और मलाड
 दक्षिण के सिटी सर्वे नं० 444 का भाग है, और बांद्रा रजिस्ट्री
 उप-जिले तथा बंबई उपनगर जिले के अंतर्गत है, तथा जिसकी
 सीमा इस प्रकार है, कि पूर्व में उस सब-डिवीजन का प्लॉट नं०
 3, पश्चिम में प्लॉट नं० 4 और उससे आगे मनोरंजन के मैदान
 के लिए खाली छोड़ी गई बिना बनी जमीन का 15% क्षेत्रफल,
 उत्तर में 30 फीट का आम रास्ता और उससे आगे उस सब
 डिवीजन का प्लॉट नं० 2, जो मजिठिया नगर को० आ० प०
 हाउ० सो० लि० का है, और दक्षिण में मलाड के सर्वे नं० 53
 वाली जमीन यह संपत्ति उस बड़ी संपत्ति का अंग है, जो बंबई
 नगर निगम द्वारा 'आर' वार्ड 219, 225 आर०-221 व 220,
 स्ट्रीट नं० 26, 27, 27-ए०, 26 सी०, डी० व एफ० तथा 26
 ए० स्वामी विवेकानंद रोड के अधीन निर्धारित (असेस) होता है।

ए० सी० चन्द्रा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, 2, बम्बई कानपुर

तारीख : 31 अगस्त, 1978

मोहर :

प्रकाश आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 1 सितम्बर 1978

निर्देश सं० ए० पी० 356/कपूरथला/78-79:—यतः मुझे,
पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जहांगीर
पुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कपूरथला
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जनवरी, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल
के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी भाग या किसी वन या अन्य आस्तियों
की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रस्तावित:—

1. श्री बेला सिंह पुत्र शोभा सिंह, वासी जहांगीर पुर।

(अन्तरक)

2. श्री बहादुर सिंह, महिन्द्र सिंह और चर्ण सिंह पुत्रान
जगत सिंह पुत्र खड़क सिंह, गांव भंडल बेट, जिला कपूर-
थला।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धारणा:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जहांगीर पुर गांव में 81 कनाल 2 मरले जमीन जैसा कि
विलेख नं० 2583 जनवरी, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
कपूरथला में लिखा है।

पी० एन० मलिक,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भटिंडा।

तारीख : 1 सितम्बर, 1978।

मोहर :]

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 1 सितम्बर 1978

निदेश सं० ए० पी० 357/फरीदकोट/78-79:—यतः

मुख्य, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कोटकपुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 18) के अधीन, तारीख जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राम नरैन पुत्र भाभी मल पुत्र घुना मल, वासी कोटकपुरा।

(अन्तरक)

2. श्री महन्त सोहन दास खेला बाबा तवासी पूर्ण दास चेला बाबा पंजाब दास गांव धीगडा तहसील फुल।

(अन्तरिती)

2. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोटकपुरा में 63 कनाल 12 सरखे जमीन जैसा कि विलेख नं० 3027 जनवरी, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

पी० एन० मलिक,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भटिंडा।

तारीख: 1 सितम्बर, 1978।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 1 सितम्बर 1978

निदेश सं० ए० पी० 358/फरीदकोट/78-79:- यतः मुझे, पी० एन० मलिक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कोटकपुरा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमती धन कौर पुत्री संत राम, हरबंस लाल, राम प्रकाश पुत्रान तुलसी राम वासी कोटकपुरा।
(अन्तरक)

2. श्री जगीर सिंह पुत्र सुचा सिंह, और गुरमेल सिंह पुत्र जगीर सिंह वासी कोटकपुरा।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोटकपुरा में 40 कनाल कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 3185 जनवरी 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भटिंडा।

तारीख : 1 सितम्बर, 1978।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 1 सितम्बर 1978

निदेश सं० ए० पी० 359/फरीदकोट/78-79:—यतः मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कोटकपुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती राम रक्खी पत्नी राम नरैन पुत्र माकी मल बासी कोटकपुरा

(अन्तरक)

2. महन्त सोहन दास चेला बालिया तबसी पुर्ण दास चेला बाबा पंजाब दास कोटकपुरा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि अनुसूची में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोटकपुर में 33 कनाल 6 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 3035 जनवरी, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

पी० एन० मलिक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 1 सितम्बर, 1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 1 सितम्बर, 1978

निर्देश सं० ए० पी० 360/भटिंडा/78-79:—यतः सुष्टे,
पी० एन० मलिक,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो हर
राएपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिंडा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उपके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती
(अस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री नगिन्द्र सिंह पुत्र दोधा सिंह पुत्र बुटा सिंह वासी
हरराएपुर तहसील भटिंडा।

(अन्तरक)

2. श्रीमति बलबीर कौर पत्नी हरनेक सिंह पुत्र जुगराज
सिंह वासी हरराएपुर तहसील भटिंडा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

राष्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

हरराएपुर गांव में 79 कनाल 15 मरले कृषि भूमि
जैसा कि विलेख नं० 4937 जनवरी, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी भटिंडा में लिखा है।

पी० एन० मलिक,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक प्रायकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भटिंडा।

तारीख : 1 सितम्बर, 1978

मोहर :

प्राकृतिक आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 2 सितम्बर, 1978

निदेश सं० ए० पी० 361/फरीदकोट/78-79:—यतः मुझे, पी० एन० मलिक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फरीदकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री भगत सिंह पुत्र मेहर सिंह पुत्र हमीर सिंह गांव पिपली जिला फरीदकोट ।

(अन्तरक)

2. श्री पाला सिंह, महिन्द्र सिंह बसाखा सिंह बगैरा पुत्रान मेहर सिंह गांव पिपली जिला फरीदकोट ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फरीदकोट में 56 कनाल 19 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 3079 जनवरी, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा है ।

पी० एन० मलिक,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भटिंडा

तारीख : 2 सितम्बर, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 2 सितम्बर 1978

निदेश सं० ए० पी० 362/फरीदकोट/78-79:—यतः मुझे,
पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अबुल
खुराना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, मलोट
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
5-276 GI/78

1. श्रीमती जयकौर विधवा भगवान सिंह पुत्र गनी सिंह
वासी अबुल खुराना।

(अन्तरक)

2. श्री बलदेव सिंह, बलविन्द्र सिंह पुत्रान सुरजीत सिंह
पुत्र किशन सिंह वासी अबुल खुराना तहसील मुक्तसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-
क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अबुल खुराना गांव में 120 कनाल 8 मरले जमीन जैसा
कि विलेख नं० 2318 जनवरी, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी मलोट में लिखा है।

पी० एन० मलिक,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भटिंडा।

तारीख : 2 सितम्बर, 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 12 सितम्बर 1978

सं० ए० पी० 363/फगवाड़ा/78-79—अतः मुझे पी० एन०

मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है (रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1878

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री (1) प्रीतम सिंह पुत्र अमर सिंह, (2) रणजीत सिंह द्वारा रूप राय मैकेनिकल वर्क्स खेड़ा, रोड फगवाड़ा।

(अन्तरक)

2. श्री (1) सोहन सिंह पुत्र गुरुदेव सिंह, (2) गुरमीत कौर पत्नी सोहन सिंह वासी चहल कलां, जिला जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेड़ा रोड फगवाड़ा पर एक मकान का 1/2 हिस्सा जैसा कि विलेख नं० 1743 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिंडा।

तारीख: 14-9-1978.

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 12 सितम्बर 1978

सं० ए० पी० 364/फगवाड़ा/78-79--अतः मुझे पी० एन०
मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री प्रीतम सिंह पुत्र अमर सिंह और रणजीत सिंह
पुत्र अमर सिंह द्वारा रूप राय मैकेनिकल वर्क्स
खेड़ा रोड, फगवाड़ा।

(अन्तरक)

2. (1) श्री सोहन सिंह पुत्र गुरुदेव सिंह, (2) गुर-
मीत कौर पत्नी सोहन सिंह वासी चहल कलां
जिला जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अप्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खेड़ा रोड फगवाड़ा पर एक मकान का 1/2 हिस्सा
जैसा कि विलेख नं० 1743 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
फगवाड़ा में लिखा है।

पी० एन० मलिक,

सक्षम प्राधिकारी,

तारीख : 12-9-1978. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
मोहर : अर्जन रेंज, भटिंडा।

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 13 सितम्बर 1978

सं० एफ० डी० के० 365/ए० पी०/78-79—अतः मुझे,
पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कोटकपुरा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री शिबु राम पुत्र घमन्डी लाल पुत्र गोवरधन दास, वासी कोटकपुरा।

(अन्तरक)

2. श्री दीवान चन्द पुत्र गुरदित्त मल पुत्र सेठ सुन्दर दास, वासी कोटकपुरा।

(अन्तरितों)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दाना मन्डी कोटकपुरा में एक दो मंजिला दुकान नं० बी-VIII/703 जैसा कि विलेख नं० 2983 जनवरी 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भटिंडा।

तारीख : 13-9-1978.

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पूना-411005

पूना-411005, दिनांक 19 अगस्त 1978

निर्देश सं० सी० ए० 5/नासिक/मार्च 78/367/78-79—
यतः मुझे श्रीमति पी० ललवानी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 37 पर 649ए-1, नासिक है तथा जो
नासिक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नासिक में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 17-3-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति इंदुमली गजानन गुप्ते, परमसुख कोऑपरेटिव
हौसिंग सोसायटी, गावड रोड, नौपाडा ठाणा। (अन्तरक)

2. श्री डा० सुधाकर एकनाथ कोतवाल एम जी० रोड,
मुंदडा मार्केट, नासिक। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन प्लॉट नं० 37, 649ए/1/1-1 नासिक (जैसे कि
रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 384 दिनांक 17-3-78 सब रजिस्ट्रार
नासिक के दफतर में लिखा है)।

श्रीमति पी० ललवानी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, पूना।

दिनांक : 19-8-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना-411004

पूना-411004 दिनांक 19 अगस्त, 1978

निर्देश सं०/करवीर/मार्च 78/366/78-79—अतः मुझे,
श्रीमति पी० ललबानी :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 70 ई० वार्ड प्रतिभानगर कोआपरेटिव हौसिंग सोसायटी लि० कोलहापुर है तथा जो कोलहापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करवीर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-3-78 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एम० सी० जोशी 1383, सैकंड खंड, राजामपुरी कोलहापुर, (अन्तरक)

2. श्री व्ही० बी० हवालदार ई०-1292 बागल चौक कोलहापुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्षः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान प्लॉट नं० 70, ई० वार्ड प्रतिभानगर कोआपरेटिव हौसिंग सोसायटी लि० सागरमाल कोलहापुर

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 441, दिनांक 13-3-78 की सब रजिस्ट्रार करवीर के दफ्तर में लिखा है)।

श्रीमति पी० ललबानी
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक 19 अगस्त, 1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 19 अगस्त 1978

निर्देश सं० सीए 5/नासिक/मार्च 78/368/78-79—

अतः मुझे श्रीमति पी० ललबानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से अधिक है

और जिसकी सं० क्र० 76/1 B+2ए+2 बी, है तथा जो मनमाड ता० नांदगांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 2-3-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री दिगंबर चुनीलाल गुजराथी मनमाड ता० नांदगांव, डिस्ट्रिक्ट नासिक (अन्तरक)

2. श्री शांतिलाल उत्तमचंद मुथा, मनमाड ता० नांदगांव जि० नासिक (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन एस०नं० 76/1 बी+2ए/2बी/76-2ए मनमाड ता० नंदगांव जिला नासिक

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 27 दिनांक 2-3-78 सब रजिस्ट्रार नांदगांव में दफ्तर में लिखा है)।

श्रीमति पी० ललबानी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना,

दिनांक 19 अगस्त, 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पूना

अर्जन रेंज-411004, दिनांक 28 अगस्त 1978

निर्देश सं० सी ए 5/हवेली I/प्रेजु 78/369—प्रतः मुझे श्रीमति पी० ललवानी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या सिरिसर्ह क्र 251 है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उप बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय हवेली I में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18-2-78 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री वाय० एस० साने, 135/5, एरंडवण, पुणे 4
(2) एम० आर० खांडेकर, 528, नारायण पेठ, पुणे।
(3) डी०डी० सूर्यवंशी, 12, स्टानहले रोड, पुणे (अन्तरक)

2. श्री ए० जे० जाधवराव 1202/3/14, आपटे रोड, पुणे-4 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और उसके साथ मकान जो सी० टी० एस० नं० 251, नारायण पेठ पूना में स्थित है और जिसका क्षेत्रफल : 60वां वर्ग फीट (जमीनका) 2998 (मकान) वर्ग फीट

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत बिलेख क्र० 335 दिनांक 18-2-78 को को सब रजिस्ट्रार हवेली I पूना के दफ्तर लिखा है)

श्रीमति पी० ललवानी,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना,

दिनांक 28-8-78
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद,

अहमदाबाद, दिनांक 14 जून 1978

निर्देश सं० ए० सी० ब्यू०-23-I-1483(670)/1-1/77-78—अतः मुझे एस० सी० पारि,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 262, 263, टी० पी० एस०-26 है। तथा जो वासणा, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-1-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

6-276GI/78

1. श्री केशवलाल छबाभाई करता आफ एच० यू० एफ०, मैसर्स गिरजा सूत कारपोरेशन, वासना, अहमदाबाद (अन्तरक)

2. चंद्र प्रभा को० ओप० हाउसिंग सोसायटी प्रमुख : श्री हरीभाई शंकरभाई पटेल, विरलाम पारक सोसायटी के पास, वासना, अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक 5625 वर्ग गज खुली जमीन वाला प्लॉट जिस पर चार ब्लॉक का फाउंडेशन का काम किया हुआ है तथा जिसका फायनल प्लॉट नं० 262, 263, है टी० पी० एस० नं० 26 है तथा जो वासणा, अहमदाबाद में स्थित है। तथा जिसका पूर्ण वर्णन 19-1-78 वाले बिक्री दस्तावेज नं० 723/78 में दिया गया है।

एस० सी० पारिख
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

दिनांक 14-6-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 जुलाई 1978

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-1540/(686)/
1-1/77-78—अतः मुझे एस० सी० पारिख,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 335 पैकी सब प्लॉट नं० 1-ए, है तथा जो घाट-
लोडीया गांव, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
(1908 का 16) के अधीन 17-1-1978

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या
किया जाना चाहिए था, ज़िदाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री देवमुरारी प्रभुदास कल्याणदास गांधी, नवरंपुरा गांव,
अहमदाबाद (अन्तरक)

2. श्री बी० ठक्कर, चेयरमेन आफ :—अभीनंदन को० ओप०
हाउसिंग सो० लि०, मारफत अभीनंदन एन्ड कं० जेन देरासर के
सामन, उसमानपुरा, अहमदाबाद (अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित अधिनियम के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 2984-2/3
वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 335 पैकी, सब प्लॉट नं० 1-ए है
तथा जो घाटलोडीया गांव अहमदाबा में स्थित है। तथा जिसका पूर्ण
वर्णन 17-1-78 वाले विक्री दस्तावेज नं० 607 में दिया गया है।

एस० सी० पारिख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अहमदाबाद

दिनांक 25-7-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 जुलाई 1978

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-1540 (687)/1-1/77-78—अतः मुझे एस० सी० पारिख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जसकी सं० 335 पैकी, सब प्लॉट नं० 1-सी, है तथा जो घाटलोडीया गांव, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-1-78

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री गीरीष कुमार प्रभूदास गांधी, नवरंगपुरा गांव, अहमदाबाद (अन्तरक)

2. श्री बी० ठक्कर, चेयरमैन आफ : अमीनंदन को० ओप० हाउसिंग गसो० लि० मारफत अमीनंदन तथा कं० जेन देरासर के सामने, उसमानपुरा, अहमदाबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक खूली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 2984-2/3 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 335 पैकी सब प्लॉट नं० 1-सी है तथा जो घाटलोडीया गांव में अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 17-1-178 वाले बिक्री दस्तावेज नं० 608 में दिया है ।

एस० सी० पारिख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

दिनांक 25-7-78
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 जुलाई 1978

निवेश सं० ए० सी० ब्यू० 23-1-1540 (688)/1-1/77-78—अतः मुझे एस० सी० पारिख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से अधिक है

और जिसकी सं० 335 पैकी सब प्लॉट नं० 1-बी, है तथा जो घाटलोडीयागांव, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिडव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमति रामकुंवरबेन धर्मपति श्री प्रभुवास कल्याणदास गांधी, नवरंगपुरा, गांव, अहमदाबाद-9 (अन्तरक)

2. श्री बी० ठक्कर, चेयरमैन आफ़ः अभीनंदन को० ग्रोप० हाउसिंग सो० लि० मारफ़त अभीनंदन एंज्ड क, जेन देरासर के सामने, उसमानपुरा, अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी धरवि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 2984-2/3 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे० नं० 335 पैकी सब प्लॉट नं० 1-बी है तथा जो घाटलोडीया गांव में, अहमदाबाद में स्थित है। तथा जिसका पूर्ण वर्णन जनवरी, 1978 वाले बिक्री दस्तावेज नं० 609 में दिया गया है।

एस० सी० पारिख,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज I, अहमदाबाद,

दिनांक 25-7-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 जुलाई 1978

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-1647(689)/16-6/
77-78—अतः मुझे एस० सी० पारिख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० दो मंजिला मकान है। तथा जो लक्ष्मी फरनीचर
के सामने, डेबर रोड, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 4-1-78

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. लबीताबेन धनजीभाई चनीयादा, डेबर रोड, मेहता पेट्रोल
पम्प के सामने, राजकोट (अन्तरक)

2. शोभनाबेन जनकराए मेहता, कलावाड रोड, कीरीत नगर,
राजकोट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

टिप्पणीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और रवों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

एक वी मंजिला मकान जो 143-258 वर्ग गज भूमि पर
स्थित है तथा जो लक्ष्मी फरनीचर के सामने डेबर रोड, पर राजकोट
में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 4-1-78 वाले बिक्री दस्तावेज
में दिया गया है।

एस० सी० पारिख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक: 26-7-78
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 अगस्त 1978

निवेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I/1650/(691)/16-6/
77-78—अतः मुझे एस० सी० पारिख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० पंच नाथ प्लॉट नं०-11, है। तथा जो धोल हाउस
11 पंचनाथ प्लॉट—राजकोट, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 20-1-78

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में;
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यात्:—

1. श्री हरीशंकर बोरा (प्रोपर्टीज) प्रा० लि० पावर आफ
एटारनी होल्डर: श्री जीव राम शंकरजी दवे, 5 केवडा वाडी,
राजकोट (अन्तरक)

2. श्री सोनी भगवानजी परशोत्तम पब्लिक चेरीटेबल ट्रस्ट,
1, मेडूल नगर, नीलकंठ टाकीज के पास, राजकोट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अवल सम्पत्ति जो 877.50 वर्ग गज भूमि पर स्थित है
है तथा जो 11, पंचनाथ प्लॉट पर "धोल हाउस" राजकोट में
स्थित है। तथा जिसका पूर्ण विवरण 20-1-78 वाले बिक्री वस्ता-
वेज नं० 236 में दिया गया है।

एस० सी० पारिख,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक: 1-8-1978
मोहर:

प्राकृतिक भाई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 अगस्त 1978

निदेश सं० ए० सी० क्यू०-23-I-1695/(692)/16-6/77-78—अतः मुझे एस० सी० पारिख,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० अचल सम्पत्ति जो "मोदी हाउस" के नाम से प्रख्यात
है। तथा जो जवाहर रोड, अल्फ्रेड हाई स्कूल के सामने, राजकोट
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-1-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिणी)
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को,
जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

1. श्री हस्मुखलाल सोभाग्यचंद मोदी, पावर आफ एटारनी
होल्डर : श्री सौभाग्यचंदमोती चंद मोदी, दीवान परा, 6-प्रभाविला,
राजकोट (अन्तरक)

2. ट्रस्टीज ओफ दीपकभाई फैमिली ट्रस्ट,
(i) श्री जवाहर लाल प्रभाशंकर दफतरी,
(ii) श्री दीपकभाई जे० दफतरी, चौथो माड़-419-ए,
पंचरत्न, भामा प्रभानंद मार्ग, बम्बई-4 (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त मंपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दो मंजिला मकान जो "मोदी हाउस" के नाम से प्रख्यात है
तथा जो 682 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जो जवाहर रोड पर-
एल्फ्रेड हाई स्कूल के सामने, राजकोट में स्थित है। तथा जिसका
पूर्ण विवरण 11-1-78 वाले बिक्री दस्तावेज नं० 105 में दिया गया
है।

एस० सी० पारिख,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक 1-8-878

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 अगस्त 1978

निदेश सं० ए० सी० न्यू० 23-I-1726(693)/16-6/77-78—अतः मुझे, एस० सी० परीख,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और

जिसकी सं० सर्वे नं० 389 है। तथा जो प्रदूमननगर, पन्चनाथ प्लॉट, शेरी नं० 17, राजकोट में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उप पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती मंगलागौरी नाराणदास भाई, पन्चनाथ प्लॉट नं० 17, राजकोट, (अन्तरक)

2. श्री रमेशचन्द्र धीरजलाल शाह, पन्चनाथ प्लॉट नं० 9, राजकोट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वि-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल संपत्ति (जिसका सर्वे नं० 389) जो 175 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जो प्रदूमननगर, पन्चनाथ प्लॉट, शेरी नं० 17, राजकोट में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन जनवरी, 1978 वाले बिक्री दस्तावेज नं० 1289 में दिया गया है।

एस० सी० परीख,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 8-8-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कार्यालय अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 अगस्त 1978

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-1727(694)/
16-6/77-78—अतः मुझे, एस० सी० पारिख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० अचल संपत्ति, है। तथा जो सौराष्ट्र हाई स्कूल के पास राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-1-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

7 -276GI/78

1. श्री जसवंत कुंवरवा गदारसिंहजी जाला काशी विश्वनाथ प्लाट, राजकोट (अन्तरक)

2. श्री योगेश चन्द्र बल्लभदास शाह, मारफत महाराणीदास, बल्लभदास शाह, लखेरराज रोड, राजकोट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 660.69 वर्ग मीटर पर स्थित है तथा जो सौराष्ट्र हाई स्कूल के पास, राजकोट में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 16-1-78 वाले बिक्री दस्तावेज नं० 170 में दिया गया है।

एस० सी० पारिख,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 8-8-78

मोहर :

प्रकृष माई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 अगस्त 1978

निर्देश सं० पी० आर० 601/ए० सी० क्यू० 23-1075/
19-7/7-8-79—अतः मुझे, एस० सी० परीख,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० वार्ड नं० 15 (फाइनल प्लॉट नं० 69) सिटी
सर्वे नं० 1560 से नं० 97 पैकी है। तथा जो उमरवाडा, सूरत
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-1-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय को बावत. उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों,
को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित 3 वित्तियों अधीन :-

(1) श्री विनोद कुमार धनसुखलाल गले मंडी, मोरी
शेरी, सूरत, (अन्तरक)

(2) 1. श्री अब्दूल रजाक मियां अहमद गजीवाला
2. श्री मोहमद शरीफ मिया अहमद गजीवाला
3. श्री सहेरा बीबी मिया अहमद गजीवाला अंबावाडी,
इन्द्रपुरा, सूरत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाप लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन व मकान जो वार्ड नं० 15 (फाइनल प्लॉट नं० 69)
सिटी सर्वे नं० 1560 सर्वे नं० 97 पैकी उमरवाडा सूरत में स्थित
है जिसका कुल माप 613 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी सूरत के जनवरी 1978 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 182
में प्रदर्शित है।

एस० सी० पारिख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 9-8-1978

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 अगस्त 1978

निदेश सं० पी० आर० 602/ए० सी० क्यू०-23-1075/19-7/78-79—अतः, मुझे, एस० सी० परीख, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० वार्ड नं० 9 नोंध नं० 2496 है। तथा जो भुखन दास शेरी, बालाजी रोड, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) मधुकर मंजीलाल स्वयं तथा (i) सर्जु मधुकर, (ii) सोनिया मधुकर के कुल मुखतार 11-12 हरीश बिल्डिंग, विक्षित रोड, विले पार्ले, बम्बई-57

(2) जितेंद्र हीरालाल पटेल स्वयं तथा (i) सपाली जितेंद्र पटेल (ii) साहिल जितेंद्र पटेल, (iii) हेतल जितेंद्र पटेल के कुल मुखतार बालाजी रोड, सूरत

(3) चन्द्रहास मनीलाल पटेल स्वयं तथा (i) पासल चन्द्रहास, (ii) अपूर्व चन्द्रहास पटेल के कुल मुखतार बालाजी रोड सूरत।

(4) समीर कुमार मनीलाल पटेल स्वयं तथा नीरज समीर कुमार पटेल के कुल मुखतार, बालाजी रोड, सूरत (अन्तरक)

(2) (i) बाबूभाई काशीराम तमाकूवाला चौरा बाजार, सूरत,

(2) उमिला बेन, बाबूभाई काशीराम की पत्नि, (3) रमेश चन्द्र बाबू भाई तमाकूवाला (4) दिलीप कुमार बाबूभाई तमाकूवाला (5) अलोक कुमार बाबूभाई तमाकूवाला (6) नवनीत लाल बाबूभाई तमाकूवाला (7) नरेश कुमार बाबूभाई तमाकूवाला (8) सगीर राजेंद्र कुमार बाबूभाई तमाकूवाला, (9) सगीर परेशकुमार बाबूभाई तमाकूवाला 9 और 10 के कुल मुखतार : बाबूभाई काशीराम तमाकूवाला चौरा बाजार, सूरत। (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो वार्ड नं० 9, नोंध नं० 1496, भुखन दास शेरी, बालाजी रोड, सूरत में स्थित है जिसका कुल माप 169 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के जनवरी, 1978 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 137 में प्रदर्शित है।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 9-8-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 10 अगस्त 1978

निदेश सं० ए० सी० क्यू-23-I-1465 (695)/I/77-78—

अतः मुझे, एस० सी० परीख,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 76 पैकी सब प्लॉट नं० 2, है तथा
जो थलतेज, ता० दस्क्रोई, जि० अहमदाबाद, में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 4-1-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ब के अन्-
तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रमेशचन्द्र कांतीलाल पटेल तथा अन्य, "नीलधरा"
एलिसब्रीज, अहमदाबाद
(अन्तरक)

(2) निरंजित पार्क हाऊस ओनर्स एसोसिएशन (सूचित)
की ओर से
(1) श्री विनोद चन्द्र जेठालाल पटेल तथा अन्य,
नवरंगपुरा, स्वाती सोसायटी, अहमदाबाद
(2) श्री रसीकलाल आर० सूरती, 19, साबरकुंज
सोसायटी, अहमदाबाद-9
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल
10466.50 वर्ग गज है, तथा जिसका सर्वे नं० 76 पैकी सब
प्लॉट नं० 2, है तथा जो थलतेज, ता० दस्क्रोई डिस्ट्रिक्ट
अहमदाबाद में स्थित है। तथा जिसका पूर्ण वर्णन 4-1-78
वाले बिक्री दस्तावेज नं० 104 में दिया गया है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

दिनांक : 10 अगस्त 1978

मोहर :

प्रारूप धारा 10 टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 अगस्त 1978

निदेश नं० ए० सी० क्यू०-23-I-1465(696)/1-1/77-
78—अतः मुझे, एस० सी० परीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 79/1 तथा 79/2 पैकी सब प्लॉट
नं०-ए, है तथा जो थलतेज ता० दस्क्रोई, डिस्ट्रीक्ट अहमदाबाद में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पुर्ण रूप से
वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 4-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायिक में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

(1) मणीबेन कांतीलाल पटेल तथा अन्य, "नीलधारा"
एलिसिबीज, अहमदाबाद
(अन्तरक)

(2) नीरंत पार्क हाऊस ओनर्स एसोसियेशन; (सूचित)
की ओर से :—
(1) श्री विनोद चन्द्र जेठा लाल पटेल, तथा अन्य,
नवरंगपुरा—स्वाति सोसायटी, अहमदाबाद
(2) श्री रसीकलाल आर० सूरती, 19, साबर कुंज
सोसायटी, अहमदाबाद-9
(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल
17182 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 79/1, तथा 79/2 है
(पैकी) सब प्लॉट नं० ए है तथा जो थलतेज, ता० दस्क्रोई, डिस्ट्रीक्ट
अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पुर्ण वर्णन 4-1-78 वाले
बिक्री दस्तावेज नं०-103 में दिया गया है।

एस० सी० परीख,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 10-8-1978.

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 अगस्त 1978

निदेश नं० ए० सी० ब्यू०-23-I-1465(697)/1-1/77-

78—अतः, मुझे, एस० सी० परीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 79/1 तथा 79/2, पैकी सब प्लॉट नं० बी, है तथा जो थलतेज, ता० दस्क्रोई, डिस्ट्रीक्ट अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-1-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री कांतीलाल खुशालदास पटेल तथा अन्य, "नीलधारा" एलिसब्रिज, अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) नीरंजित पार्क हाऊस ओनर्स एसोसिएशन (सूचित) की ओर से:—

(1) श्री विनोद चन्द्र जेठालाल पटेल तथा अन्य, नवरंगपुरा, सुवाति सोसायटी, अहमदाबाद,

(2) श्री रसीक लाल आर सूरती, 19 साबरकुंज सोसायटी, अहमदाबाद-4 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितश्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुलीजमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 17004.23 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 79/1 तथा 79/2 पैकी है तथा सब प्लॉट नं० बी है तथा जो थलतेज ता० दस्क्रोई, डिस्ट्रीक्ट अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 4-1-78 वाले विक्री दस्तावेज नं० 102 में दिया गया है।

एस० सी० परीख,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 10 अगस्त 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 अगस्त 1978

निदेश नं० ए० सी० क्यू० 23-I-1465/(698)/1-1/
77-78—अतः० मुझे एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिस की सं० सर्वे नं० 76 पैकी, सब प्लॉट नं० 1, है तथा जो थलतेज, ता० दस्क्रोई डिस्ट्रीक्ट अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-1-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हेमन्द्रकुमार कांतीलाल पटेल, "नीलधारा" एलिसबीज, अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) नीरांत पार्क हाऊस ओनर्स एसोसिएशन (सूचित) की ओर से:—

(1) श्री विनोद चन्द्र जेठालाल पटेल नवरंगपुरा स्वाती सोसायटी, अहमदाबाद ।

(2) श्री रसीक लाल श्राट सूरती 19, साबरकुंज, सोसायटी, अहमदाबाद-4

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 10466.50 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 76 पैकी, सब प्लॉट नं० 1 है, तथा जो थलतेज, ता० दस्क्रोई डिस्ट्रीक्ट अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 4-1-78 वाले बिन्नी दस्तावेज नं० 101 में दिया गया है ।

एस० सी० परीख,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

दिनांक : 10-8-1978

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 अगस्त 1978

निदेश सं० ए० सी० न्यू० 23-I-1465(699)/1-1/77-78—अतः मुझे एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 77, पैकी सब प्लॉट नं० 2, है तथा जो थलतेज, ता० दस्कोई डिस्ट्रीट, अहमदाबाद, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-1-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री रमेशचन्द्र कोतीलाल तथा अन्य, "नीलधारा" एलिसिप्रीज, अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) वीरान्त पार्क हाऊस ओनर्स एसोसिएशन (सूचित) की ओर से:—

(1) श्री रमेश भाई नन्द लाल कोठारी तथा अन्य, नवरंगपुरा, मिनीता एपार्टमेन्ट अहमदाबाद

(2) श्री नरेन्द्र के पटेल, 10, टेकस्टाईल टेकनी-शियन सोसायटी, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 11858 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 77 पैकी, सब प्लॉट नं० 2 है तथा जो थलतेज, ता० दस्कोई डिस्ट्रीट अहमदाबाद में स्थित है। तथा जिसका पूर्ण वर्णन 21-1-78 वाले बिक्री वस्तावेज नं० 873 में दिया गया है।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

दिनांक : 10 अगस्त 1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 अगस्त 1978

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-1465(700)/1-1/77-
78—अतः मुझे एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 75, पैकी सब प्लॉट नं० 1 है, तथा जो
थलतेज ता० दस्क्रोई डिस्ट्रीक्ट अहमदाबाद में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21-1-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

8-276GI/78

(1) श्री कोती लाल खुशालबास पटेल "नीलधारा"
एलिसब्रीज, अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) नीरान्त पार्क हाउस ओनर्स एसोसिएशन (सूचित)
की ओर से :—

(1) श्री रमेश भाई नन्दलाल कोठारी तथा अन्य,
मिनीता एपार्टमेन्ट, अहमदाबाद

(2) श्री नरेन्द्र के पटेल, 10, टेक्सटाईल टेक्नी-
शियन सोसाईटी, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल
18876 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 75, पैकी सब
प्लॉट नं० 1, है तथा जो थलतेज, ता० दस्क्रोई डिस्ट्रीक्ट अहमदा-
बाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 21-1-78 वाले
बिक्री दस्तावेज नं० 871 में दिया गया है ।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

दिनांक : 11 अगस्त 1978

मोहर :

प्रकृष भाई० टी० एन० एस०-----

(1) मणीबेन कोतीलाल पटेल, "नीलधारा" एलिसब्रीज, अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) नीरांत पार्क हाऊस ओनर्स एसोसिएशन (सूचित) की ओर से:—

(1) श्री रमेशभाई नन्द लाल कोठारी तथा अन्य, मिनीता पार्क, नवरंगपुरा, अहमदाबाद

(2) श्री नरेन्द्र के पटेल, 10, टेक्सटाइल टेक्नीशियन सोसायटी, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 अगस्त 1978

निवेश नं० ए० सी० क्यू० 23-I-1465 (701)/1-1/77-

78—अतः मुझे एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 75, पैकी सब प्लॉट नं० 2, है तथा जो थलतेज, ता० दस्क्रोई, डि० अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-1-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के प्रसूचरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें संयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 18876 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 75 पैकी सब प्लॉट नं० 2 है तथा जो थलतेज, ता० दस्क्रोई डिस्ट्रिक्ट अहमदाबाद में स्थित है। तथा जिसका पूर्ण वर्णन 21-1-78 वाले बिक्री दस्तावेज नं० 869 में दिया गया है।

एस० सी० परीख
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 11 अगस्त 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 26-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 अगस्त 1978

निदेश नं० ए० सी० ब्यू० 23-I-1465(702)/1-1/77-

78— अतः मुझे एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 77 पैकी, सब प्लॉट नं० 1, है तथा जो थलतेज, ता० दस्क्रोई, डिस्ट्रीक्ट अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 7-1-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—

(1) हेमेश कुमार कोतीलाल पटेल, "नीलधारा" एलिसिबीज, अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) निरांत पार्क हाऊस ओनर्स एसोसिएशन (सूचित) की ओर से :—

(1) श्री रमेशभाई नन्वलाल कोठारी तथा अन्य, मिनीता एपार्टमेंट, नवरंगपुरा, अहमदाबाद

(2) श्री नरेन्द्र के० पटेल, 10 टेक्सटाईल टेक्नी-शियन सोसायटी, अहमदाबाद-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 11858 वर्ग गज है, तथा जिसका सर्वे नं० 77 पैकी सब प्लॉट नं० 1 है तथा जो थलतेज, ता० दस्क्रोई, डिस्ट्रीक्ट अहमदाबाद में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन 7-1-78 वाले बिक्री दस्तावेज नं० 211 में दिया गया है।

ए० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण,)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 11 अगस्त 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 अगस्त 1978

निदेश नं० ए० सी० क्यू-23-I-1488(703)1/1-1/77-78—अतः मझे एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 195, सब प्लॉट नं० 1 तथा 2, टी० पी० एस० 14, है तथा जो शाहीबाग, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-1-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तर्गत्, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्री गौतम साराभाई } "रिट्रीट"
2. गीरा साराभाई } शाहीबाग, अहमदाबाद
3. श्रीमती लीना एम० मंगलदास, मंगलबाग, अहमदाबाद (एलिसबीज) "अम्बालाल साराभाई की एस्टेट के जीवित निष्पादक तथा ट्रस्टीओं" (अन्तरक)

(2) साराभाई मैनेजमेंट कारपोरेशन लि०, शांति सदन, मिरजापुर रोड़, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 4738-37 वर्ग मीटर पर स्थित है तथा जिसका सर्वे नं० 169, 172, 173 है तथा जिसका एफ० पी० नं० 195 है, सब प्लॉट नं० 1 तथा 2, टी० पी० एस० नं० 14, है तथा जो शाहीबाग अहमदाबाद में स्थित है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

दिनांक : 11 अगस्त 1878
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कार्यालय अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 अगस्त 1978

निदेश नं० ए० सी० क्यू०-23-I-598(704)/1-1/77-78—अतः मुझे एस० सी० पारीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० आर० एस० नं० 211, 212, 213, 214, तथा 215-I1, है तथा जो एम० पी० शाह म्यूनिसिपल इन्डस्ट्रीयल एस्टेट, जामनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-1-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) जामनगर मिनी फरटीलाइजर प्रोजेक्ट प्रि० लि० मैनेजिंग डायरेक्टर : श्री दलीबंद माणिकचन्द भाखड़ा, न्यू सुपुर मार्केट, जामनगर

(अन्तरक)

(2) जनक आईल इन्डस्ट्रीज की ओर से भागीदार:—

1. श्री महेन्द्र कुमार नरोत्तमदास,
2. श्री नितीनकुमार नरोत्तमदास
4. श्री प्रवीणकुमार नरोत्तम दास,
5. श्री मणीलाल रामाजी (पिता तथा अवयस्कों के अभिभावक की हैसियत से) (i) रजनीकांत मणीलाल (ii) विपिन कुमार मणीलाल (iii) संजयकुमार मणीलाल, कन्याशाला रोड, भानवाड़
6. श्री नरोत्तम दास रामाजी स्वयं तथा दीपक कुमार नरोत्तम दास के अभिभावक की हैसियत से, भानवाड़

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वर्कशाप बिल्डिंग, ऑफिस, स्टोर ब्लॉक, फाऊडरी शेड आदि जो 16420.2 वर्ग फुट जमीन पर स्थित है तथा जिसका आर० एस० नं० 211, 212, 213, 214, 215-1 है प्लॉट नं० बी-31, है तथा जो एम० पी० शाह म्यूनिसिपल इन्डस्ट्रीयल एस्टेट, जामनगर में स्थित है। तथा जिसका पूर्ण वर्णन 16-1-78 वाले बिक्री वस्तावेज नं० 182 में दिया गया है।

एस० सी० पारीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण,

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 11 अगस्त 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 अगस्त 1978

निर्देश सं० ए० सी० ब्यू० 23-I-1728(705)/1-1/77-78—अतः मझे एस० सी० परीख,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 211-1, 212-ए-2, तथा 412 हिस्सा नं० 4, टी० पी० एस० 14, सब प्लॉट 2, है तथा जो दरीयापुर काजीपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-1-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह से प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात्:—

(1) श्री हरीप्रसाद डी० लशकरी, पावर ओफ एटार्नी होल्डर : श्री अनील कुमार एच० लशकरी, दुरंगेश बंगलो, शाहीबाग, अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) कनूभाई पूंजीलाल गजजर, 1185-1 न्यू असाखा, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी पाक्षप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 493 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका सर्वे नं० 211-1, 212-ए-2, तथा 412, हिस्सा नं० 4, टी० पी० एस० नं० 14, एफ० पी० नं० 275, सब प्लॉट नं० 2, है तथा जो दरीयापुर काजीपुर अहमदाबाद में स्थित है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

दिनांक : 11 अगस्त 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 18 अगस्त 1978

निदेश सं० ए० सी० न्यू० 23-I-1631(706)/10-1/77-78—अतः मझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सिटी सर्वे नं० 1-जी-4, प्लान नं० 11, सब प्लॉट नं० 32, 33, 34 तथा 78 है तथा जो बेडी बंदर रोड, जामपुरी एस्टेट, जामनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 13-1-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री अम्बा विजय प्रो० लि० ससेक्स लोज, जामनगर
- (2) श्री देवूभा पंचनजी सदोदार

(अन्तरक)

(2) मैसर्स डी० ग्रिधरलाल एन० कं०, की ओर से भागीदारः—

- (i) श्री दोलारराए पी० प्रेमाणी,
- (ii) श्री दिलीपभाई पी० प्रेमाणी,
- (iii) श्री अनील भाई पी० प्रेमाणी
- (iv) श्री जयेशकुमार पी० प्रेमणि
- (v) श्री ग्रिधरलाल वृज लाल पोबारे,
- (vi) श्री मनहर वृजलाल पोबारे,

ग्रैन मार्केट, जामनगर

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 19165 वर्ग फुट है तथा जिसका सिटी सर्वे सं० नं० 1-जी-4, प्लॉट 11, सब प्लॉट नं० 32, 33, 34 तथा 78 है तथा जो बेडी बंदर रोड पर, जामपुरी एस्टेट, जामनगर स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 13-1-78 वाले बिक्री दस्तावेज नं० 106 में दिया गया है

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 18-अगस्त 1978
मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II कार्यालय अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 अगस्त 1978

निदेश नं० पी० आर-611/ए० सी० क्यू०-23-1069/
19-8/78-79—अतः मुझे एस० सी० परीख
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है
और जिसकी सं० वार्ड नं० 13/4/4 पैकी है तथा जो अठवा लाईन्स
दिवाली बाग के पास, सुरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन जनवरी 1978
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री राजन प्रकाशचन्द्र शाह पी० ए० होल्डर :
श्री प्रकाशचन्द्र अमीचन्द शाह रामपुरा, टुंकी, सुरत
(अन्तरक)
- (2) वैभव एपार्टमेन्ट्स को० ओ० रा० सो० लि० के
प्रसीडेंट की हैसियत में
श्री प्रमोदकुमार छगनलाल चोकसी, सेक्रेटरी की हैसियत
में श्री जशवन्तलाल मोहनलाल मांडलवाला अठवा
लाईन्स, दिवाली बाग के पास सुरत ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जोकि अठवा लाईन्स, दिवाली बाग के पास, सुरत
में स्थित है, जिसका नं० वार्ड नं० 13/4/4 पैकी है और क्षेत्रफल
773.6 वर्ग गज है जिसका वर्णन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सुरत
के सामने जनवरी 1978 में किए गए रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
596 में है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

दिनांक : 11 अगस्त 1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 6 जून 1978

निर्देश सं० ए-182/के आर जे/78-79/1961-62—अतः मुझे, एगवर्ट सिंग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० तालुका 15025/338 तालुक काजिल है तथा जो भाग सं० 18 होलिडिंग सं० 176 करिमगंज वार्ड सं० 18 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करीमगंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 31-1-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी घाब को बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्थितियों, पंक्ति :--

9-276 GI/78

(1) श्री हाजी महमद अब्दुल हमिद चौधरी, वनामाली करीमगंज, कछाड़ (आसाम)

(अन्तरक)

(2) श्री समपत लाल जैन, मोहन लाल जैन का पुत्र, स्टेशन रोड़, करीमगंज कछाड़ (आसाम)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तिओं पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

संश्लेषण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के परिमाण 2 1/2 जति (प्रायः 2 काता) जो कि ओल्ड स्टेशन रोड़, करिमगंज में स्थित है और इसमें एक घर खड़ी है जो कि तालुक सं० 15025/338 कछाड़ जिला आसाम आधा भाग पड़ा है।

एगवर्ट सिंग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, शिलांग

दिनांक : 6 जून 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 9 जून 1978

निर्देश सं० ए०-184/के० आर० जे० 1983-87/78-79—

अतः मुझे, एगवर्ट सिंग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की तालुक सं० 14780/901, 14800/114, 14965/176, 14885/156, 11610 है तथा जो परगना कुसियार कुल, खालापेरा मौजा, करीमगंज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करीमगंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 31-1-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) 1. श्रीमती मनोरमा, बास, स्वर्गीय सरदा चन्द्र दास की पत्नी ।
2. श्री सरज कुमार दास,
3. श्री प्रभात चन्द्र दास
4. श्री सिटोंगसू चन्द्र दास स्वर्गीय सरदा चन्द्र दास का पुत्र (2 से 8) बोर्ड सं० 5, करीमगंज, कछाड़ (अन्तरक)
(2) श्री समरेश रोय चौधुरी श्री सुबोध रंजन रोय चौधुरी का पुत्र निलमनि रोड़, करीमगंज (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पश्चात् में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अ.सू.अ.

जमीन के परिमाण 15 काता (बंगाली) उसके साथ में एक मकान खड़ा है, और मकान का परिमाण 700 वर्ग फुट है । यह निलमनी रोड़, करीमगंज, कछाड़ जिला, आसाम में स्थित है ।

एगवर्ट सिंग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

दिनांक : 8 जून 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 7 सितम्बर 1978

निर्देश सं० ए-190/ गेव /78-79/2334-36—अतः मुझे, एगबर्ट सिंग,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० दाग नं० 380 है तथा जो के० पी० पट्टा नं० 252 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मौजा उलूबारी एन० ती० उलूबारी गौहाटी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9-1-78 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकटित :—

(1) श्री मुख राम कुमार, उलूबारी, गौहाटी

(अन्तरक)

(2) 1. श्री लादु गोपाल अग्रवाला, फैंसी बाजार गौहाटी
2. श्री श्रीपालाल अग्रवाला बरपेटा रोड़, जिला कामरूप ।

(अन्तरिती)

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भयं होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन की माप 1 बीघा दाग नम्बर 380 का, के० पी० पट्टा नम्बर 252 मौजा उलूबारी का, न्यू टाउन उलूबारी, गौहाटी जो कामरूप जिला उलूबारी जी० एस० रोड़, गौहाटी असम में स्थित है ।

एगबर्ट सिंग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, शिलांग

दिनांक : 7 सितम्बर 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 सितम्बर 1978

निर्देश सं० आर 126/अर्जन अतः मुझे अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिस की सं० एक मकान पुखतामय जमीन व तमाम इमारत है, तथा जो उदयपुर खां बरेली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-1-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती गंगा देवी पत्नी श्री शिव प्रसाद व (अन्य)
(अन्तरक)

(2) राजकुमार पुत्र स्व० घनश्याम दास
(अन्तरिती)

(3) गंगा देवी
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुल मकान पुखतामय जमीन व तमामी इमारत बाकें उदयपुर खास बरेली मय आराजी 43½ वर्गगज यानी 364.17 वर्ग मीटर तथा सम्पत्ति का वह सब विवरण जो फार्म 37-जी संख्या 735/78 तथा सेल डीड में वर्णित है, जोकि रजिस्ट्रार बरेली के कार्यालय में दिनांक 27-1-78 को दर्ज हैं।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 6 सितम्बर 1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 सितम्बर 1978

निदेश सं० 83-के/एक्यू —अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 9-ए है तथा जो कृष्णनगर लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के) अधीन दिनांक 2 जनवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री देव भण्डारी

(अन्तरक)

(2) डा० कृष्णकान्त पाण्डेय

(अन्तरिती)

(3) डा० कृष्णकान्त पांडे (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तन्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि (जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 9-ए जो कि कृष्णनगर लखनऊ में स्थित है तथा सम्पत्ति का वह सब विवरण जो फार्म नं० 37-जी संख्या 1/78 तथा सेल डीड में वर्णित है तथा चीफ सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 2-1-78 को दर्ज है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज लखनऊ

दिनांक : 6-9-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 सितम्बर 1978

निदेश नं० रम् 102/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० बी-1 ब्लाक 3बी-सिविल लाइन बरेली 35/1-बी, बी-ब्लाक है तथा जो 38 सिविल लाइन बरेली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18-1-1978,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 299-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 299-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) दो प्राइडियल कोआपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि० बरेली

(अन्तरक)

(2) श्री महेश चन्द्र गुप्ता सुपुत्र स्व० बेन राम

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितचक्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठा नं० बी-1, (ब्लाक 35/1 बी, बी ब्लाक रामपुर गार्डन) 38 सिविल लाइन बरेली व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो फार्म 37 जी संख्या 356 तथा सेल डीड में वर्णित है जो कि सब रजिस्ट्रार बरेली के कार्यालय में दर्ज है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 6 सितम्बर 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 20 सितम्बर 1978

निर्देश ० पी-66/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० 24 है तथा जो विशेश्वर नाथ रोड लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25-1-78 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत, से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती रामेश्वरी गर्ग

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रीतम कुमारी शरोरा

(अन्तरिती)

(3) विक्रेता

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 24 जिसका क्षेत्रफल 4088 वर्गफिट है जो विशेश्वर नाथ रोड लखनऊ में स्थित है तथा सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेलडीड तथा फार्म 37 जी नं० में वर्णित है और जो कि सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 25/1/78 को पंजीकृत हुआ है ।

अमर सिंह बिसेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 20 सितम्बर 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 21 सितम्बर 1978

निर्देश नं० एस०-170/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुप से अधिक है

और जिस की सं० 532, 532/1 व भूमि आदि है तथा जो भरोली बाजार देवरिया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देवरिया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-1-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के घायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 259 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री सिया राम पुत्र लक्ष्मी राम गोपाल कृष्ण रबीन्द्र नाथ पुत्र सियाराम
(अन्तरक)
- (2) श्री सिव मोहन प्रसाद 2. शक्ति कुमार 3. पवन कुमार पुत्र सत्यनारायण प्रसाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान सम्पत्ति संख्या 532 व 532/1 व भूमि आदि स्थित भरोली बाजार देवरिया तथा सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेल डीड तथा फार्म 37-जी नं० 154 में वर्णित है और जो कि सब रजिस्ट्रार देवरिया के यहां दिनांक 10-1-78 को रजिस्टर्ड है।

अमर सिंह बिसेन
 सक्षम अधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 21 सितम्बर 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 1 दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 16 सितम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/1/एस आर-III/263/
जनवरी-8/77-78/2947—अतः मझे, जे० एस० गिल
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०
से अधिक है
और जिस की सं० डी-89 है तथा जो कालकाजी, नई दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
6-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तब पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य प्राप्ति को,
जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10-276GI/78

(1) श्रीमती एल० एस० साहनी, पत्नी स्वर्गीय श्री सीरूमल
जाहनी, द्वारा जी० पी० जाहनी, निवासी आर-115,
ग्रेटर कलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० एल० मुखी, सुपुत्र स्वर्गीय श्री मुखी महेश
चन्द्र तथा श्रीमती निर्मल कुमारी, पत्नी श्री एम० एल०
मुखी, निवासी ई-593, ग्रेटर कलाश-II, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 89, ब्लॉक नं० 'डी' और क्षेत्रफल 453 वर्ग गज
है, कालकाजी, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : रोड़ तथा प्लॉट नं० डी-88

पश्चिम : प्लॉट नं० डी-90

उत्तर : सर्विस लेन

दक्षिण : रोड़

जोगिन्दर सिंह गिल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 16 सितम्बर 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली।

दिनांक 16 सितम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 1/एस आर-III/264/
जनवरी-9/77-78/2947— अतः मुझे, जे० एस० गिल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सी-244 है तथा जो डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 6-1-1978 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बाल किशन कपूर (एच० यू० एफ०) श्री बाल
किशन कपूर एच० यू० एफ० के द्वारा, (2) दिवान
रतजीत राय कपूर, सुपुत्र श्री दिवान दीलत राय कपूर,
निवासी सी-96, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती आशा नाथ, पत्नी श्री अचल नाथ, निवासी
डी-885, न्यू फ्रेंड्स कालोनी, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ढाई मंजिला बिल्डिंग जोकि 325 वर्ग गज क्षेत्रफल
के प्लॉट के ऊपर बनी हुई है, जिसका नं० सी-244 है, डिफेंस
कालोनी, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : जायदाद नं० 245

पश्चिम : जायदाद नं० 243

उत्तर : सर्विस लेन

दक्षिण : रोड

जे० एस० गिल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 16 सितम्बर 1978

सोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली।

दिनांक 16 सितम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस आर-III/376/मार्च/78-79/2947 अतः मुझे, जे० एस० गगिल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० 54 है तथा जो गोलफ लिक्स, नई दिल्ली में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21-3-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रतीति :—

(1) मैं० यूनाइटेड होटल प्रा० लि०, होटल एमबैस्डर, सुजान सिंह पार्क, इनके मैनेजिंग डायरेक्टर श्री राम प्रसाद के द्वारा, सपुत्र स्वर्ण श्री बेनी प्रसाद, निवासी जे-14, हाउज खास, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) स्त्रीशुभल रीजनरेशन मूवमेंट फाउण्डेशन, शंकराच चार्ज नगर, श्रृषीकेश (यू० पी०) इनके सन्टरी (1) श्री प्रोफला श्रीवास्तवा, सपुत्र एल० श्री आई० बी० एल० श्रीवास्तवा तथा श्री एस० पी० गुप्ता, सपुत्र श्री रामपाल गुप्ता के द्वारा,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ठाई मंजिला बंगला जिसमें दो गैरेज तथा एक सरवैन्ट कमरा भी है, 1:524:37 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बना हुआ है, जिसका नं० 54, ब्लॉक नं० 10 है, निवासी कालौनी गोलफ लिक्स, नई दिल्ली में है।

जे० एस० गिल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I दिल्ली, नई दिल्ली।

दिनांक 16 सितम्बर 1978

मोहर :

प्ररूप आई० बी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I दिल्ली-1

4/14 क, आसफगली मार्ग, नई दिल्ली

दिल्ली-1, दिनांक 16 सितम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 1/एसआर-III/377/मार्च
78-79/2947— अतः मुझे, जे० एस० गिल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० 55 है, तथा जो गोलफ लिंकस, नई दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 19-3-1978 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कर्मा करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

[अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
सपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती बिमला देवी, पत्नी श्री राम प्रसाद, निवासी
जे-14, हाउज खास, नई दिल्ली श्री राजीन्द्र कुमार,
सुपुत्र श्री राम प्रसाद, श्री पवन प्रसाद, सुपुत्र श्री राम
प्रसाद निवास जे-14 हाउज खास, नई दिल्ली तथा
श्रीमती बीना खन्ना, पत्नी श्री अनील कुमार खन्ना,
निवासी 873, स्वामी नगर, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) दी महिला हयान विद्या पीठ, डी 124 डिफेंस कालोनी,
नई दिल्ली इनके वाईस प्रेसीडेंट कुमारी कीर्ती श्रीवास्तव
सुपुत्री आई० बी० एन० श्रीवास्तव तथा जनरल
सेक्रेटरी कुमारी अंजली नारुन्दकर, सुपुत्री श्री आर०
पी० नारुन्दकर के द्वारा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में न किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

एक ठाई मंजिला बंगला जिसमें दो गैरेज तथा एक सरबैन्ट
कमरा भी है, 1514 वर्गगज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बना हुआ है,
जिसका नं० 55, ब्लॉक नं० 10 है, निवासी कालौनी गोलफ लिंकस
नई दिल्ली में है।

जे० एस० गिल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I दिल्ली, नई दिल्ली।

दिनांक : 16 सितम्बर 1978

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 सितम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/जनवरी-55/3551/78-79/2934—अतः मुझे, कंवरजीत सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० डब्लू जेड-8 है तथा जो कीर्ती नगर, इन्डस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16-1-1978 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राजीन्द्र सिंह तथा सुरीन्द्र सिंह, सुपुत्र एस० सोहन सिंह, निवासी डब्लू जेड-8/6 तथा 7, अकाल बिल्डिंग, कीर्ती नगर, नई दिल्ली-1

(अन्तरक)

(2) श्री एस० हरबंस सिंह जुनेजा, सुपुत्र एस० तीर्थ सिंह जुनेजा, निवासी द्वारा के 111 कीर्ती नगर, नई दिल्ली (अन्तरिती)

(3) मैं० आर० के० संस लेबल कं०

(वह व्यक्ति जिस के अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वीकृति :—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जायदाद जितका नं० डब्लू जेड-8, जोकि व्यावसायिक भी है, इसका क्षेत्रफल 65 वर्ग गज है, जिसमें एक शौड भी बना हुआ है, इन्डस्ट्रियल एरिया, कीर्ती नगर, अकाल बिल्डिंग, बसाए दारापुर गांव के क्षेत्र, दिल्ली राज्य, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : 15' सड़क

पश्चिम : 3' गलरी

उत्तर : श्री कालरा की जायदाद

दक्षिण : 6' सड़क

कंवरजीत सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 14 सितम्बर 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

दिनांक 23 सितम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ०/11/3514-ए/78-79/
7979—अतः मुझे कंवरजीत सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० 43/22 है तथा जो ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-1-1978 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृथमान प्रतिकल से, ऐसे वृथमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती पुष्पा बती, पत्नी श्री मेला राम, निवासी 43/22, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शोभा मारवाह, पत्नी श्री डी० पी० मारवाह निवासी 33/21, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताखरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सरकारी बना हुआ मकान जिसका नं० 43/22 है और क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : सरकारी बना मकान नं० 43/22

पश्चिम : रोड़

उत्तर : रोड़

दक्षिण : लेन

कंवरजीत सिंह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 23 सितम्बर 1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 22 सितम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/II/3522/78-79/—

अतः मुझे, कंवरजीत सिंह

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जी-9 है तथा जो मानसरोवर गार्डन, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता, अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-11-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, धोर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाये में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री सोम नाथ (2) श्री प्राण नाथ (3) श्री कृष्ण लाल तथा (4) श्री मदन लाल, सुपुत्र एल० कृपा राम, सभी निवासी बी-165, सुभद्रा कालोनी, फोल्ड रोहतक रोड, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) बलवीन्द्र सिंह, सुपुत्र एम० गोपाल सिंह तथा श्रीमती जमश्री कौर, पत्नी एस० गोपाल सिंह, निवासी जे-62, कीर्ती नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० जी-9 जिसका क्षेत्रफल 403 वर्ग गज है, मानसरोवर गार्डन, बसाएधारापुर गांव, दिल्ली नगर निगम की सीमा के अन्तर्गत, दिल्ली राज्य, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लॉट नं० जी-10

पश्चिम : प्लॉट नं० जी-8

उत्तर : लेन

दक्षिण : रोड

कंवरजीत सिंह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 22 सितम्बर 1978

मोहर :

प्रकाश आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/14 क, आसफगली मार्ग, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 23 सितम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/3526/78/79—

अतः मुझे, कंवरजीत सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 7-ए है तथा जो आजाद मार्किट, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-11-1977 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती प्रेमश्वरी, विधवा श्री दौलत राम जोरि के स्वयं के लिए तथा अपनी पुत्री कुमारी दया (नाबालिग) निवासी 3/50, ओल्ड डबल स्टोरी, राजपत नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सुदेश कुमार तथा विनोद कुमार, सपुत्र श्री जगदीश राज, निवासी 11/42, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान जिसका नं० ए-7 है और क्षेत्रफल 23.1 वर्ग गज है, आजाद मार्किट, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : रोड़

पश्चिम : दुकान नं० 7

उत्तर : लाईबरेरी रोड़

दक्षिण : रोड़

कंवरजीत सिंह,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 23 सितम्बर 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 19 सितम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एनयू०/II डी-I/जनवरी-80/
3569/78-79/— अतः मुझे, कंवरजीत सिंहआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक हैऔर जिसकी सं० 26 70 है तथा जो मैन बाजार, शादीपुर, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 24-1-1978 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये
और/या;(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या
किया जाना चाहे था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त:—

11-276 GI/78

(1) श्री भीम सिंह, पुत्र श्री कुरिया, निवासी 2668,
शादीपुर, नई दिल्ली-1

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मला बन्ती सुपुत्री श्री नन्द लाल तथा पत्नी
श्री मुकन्द लाल, निवासी 2620, शादीपुर, नई दिल्ली

(अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान जिसमें निम्न स्तर पर जीना है, पहली मंजिल पर दो
कमरे, तीन दुकानें, दो कमरे तथा जीना निम्न स्तर पर तथा तीन
कमरे पहली मंजिल पर है। दुकान का नं० 2668 तथा क्षेत्रफल
150 वर्ग है, शादीपुर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है।

पूर्व : जायदाद नं० 2672-73-74

पश्चिम : मैन बाजार, शादीपुर, नई दिल्ली।

उत्तर : बिजेता की जायदाद नं० 2670 का ग्रंथ हिस्सा

दक्षिण : जायदाद नं० 2669

कंवरजीत सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 19 सितम्बर 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/14 क, आस फअली मार्ग, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 सितम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/डी-I जनवरी-81/
 78/79—अतः मुझे, कंवरजीत सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 299-ख
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपए से अधिक है और

जिसकी सं० 2668 है तथा जो शादीपुर, नई दिल्ली में स्थित
 है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
 कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
 24-1-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या

धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भीम सिंह, सुपुत्र श्री कुरिया, निवासी 2668,
 शादीपुर, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मला बन्ती, सुपुत्री श्री नन्द लाल तथा पत्नी
 श्री मुकन्द लाल, निवासी 2620, शादीपुर नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
 हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है ।

अनुसूची

पांच धुकानें जिस के साथ धारदाह है का नं० 2668 है और
 क्षेत्रफल 140 वर्ग गज है, शादीपुर, नई दिल्ली-8 में निम्न प्रकार से
 स्थित है :—

पूर्व : विक्रेता की जायदाद नं० 2668 का हिस्सा

पश्चिम : मैन बाजार

उत्तर : विक्रेता की जायदाद का हिस्सा

दक्षिण : 2667/18, शादीपुर, नई दिल्ली

कंवरजीत सिंह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, II दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक: 20 सितम्बर 1978

मोहर :

प्ररूप आई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/14 क, आसफखली मार्ग, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 22 सितम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० II/3545/78-79—

अतः मुझे, कंवरजीत सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 41 तथा 42 है तथा जो चांदनी चौक, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 13-1-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधिर्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अंशानुसार अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री नरीन्द्र कुमार जैन, सुपुत्र श्री राजादा इन्द्र सैन जैन, श्री महीपाल जैन, श्री विजय पाल जैन, सुपुत्र श्री नरीन्द्र कुमार जैन, निवासी 291, तोपखाना बाजार, मेरठ कैन्ट, यू० पी० ।

(अन्तरक)

(2) मै० फोटो डिल्स, 877, लाजपत राय मार्केट दिल्ली। इनके पार्टनर श्री अमृत लाल के द्वारा, सुपुत्र श्री अमिन चन्द, निवासी ए-51, एन० डी० एस० ई० पार्ट-II, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक चार मंजिला बिल्डिंग जिसका मुन्यसिपल नं० 4/41-42 है, क्षेत्रफल 35. 1/2 है, चांदनी चौक, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :

पूर्व : दुकान नं० 40

पश्चिम : दुकान नं० 42 का निम्न स्तर

उत्तर : चांदनी चौक बाजार

दक्षिण : श्रीमती रुकमणि देवी की जायदाद

कंवरजीत सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 22 सितम्बर 1978

मोहर :

प्रकृष्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/13 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 सितम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू० 11/3549/78-79/—

अतः मुझे, कंवरजीत सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० बी-175-176 है तथा जो सुभद्रा कालोनी, सराय रोहिला, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16-1-1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मोहन लाल, सुपुत्र पं० मेहर चन्व, निवासी बी-175-176, सुभद्रा कालोनी, सराय रोहिला, दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्री जुगल किशोर छाबड़ा, सुपुत्र श्री दिवान चन्द निवासी बी/175 176, सुभद्रा कालोनी, सराय रोहिला, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लीज-होल्ड जायदाद नं० जिसका नं० बी/175-176 है और क्षेत्रफल 125 वर्ग गज है, सुभद्रा कालोनी, सराय रोहिला, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : जी० पी० बी० (सरकारी बनी हुई जायदाद)

पश्चिम : सरकारी बनी हुई जायदाद

उत्तर : रोड़

दक्षिण : रोड़ तथा पार्क

कंवरजीत सिंह,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक: 23 सितम्बर 1978

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का

धारा 269 ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 सितम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यु० 11/3574/78-79—

अतः मुझे, कंवरजीत सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिस की संख्या 1-ए है तथा जो फ्लैग स्टाफ रोड, सिविल लाइन्स दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रणीत :—

(1) श्रीमती रुच्य प्रावर आबवाला, पत्नी श्री सी० एच० आबवाला, निवासी 1ए फ्लैग स्टाफ रोड, सिविल लाइन्स, दिल्ली। इनके जनरल अटारनी श्री सी० एस० बी० आबवाला के द्वारा।

(अन्तरक)

(2) डा० सतीश के० रस्तोगी, सुपुत्र श्री मोती राम, डा० रतन रस्तोगी, पत्नी डा० सतीश के० रस्तोगी, इनके जनरल अटारनी श्री जे० बी० कश्यप के द्वारा श्री सी० एम० रस्तोगी, सुपुत्र श्री० मोती राम, इनके जनरल अटारनी श्री० मोती राम के द्वारा, श्री दीनेश कुमार रस्तोगी, सुपुत्र श्री जे० बी० रस्तोगी, सभी निवासी 39, राजपुर रोड, फ्लैट नं० 2, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जिसका म्युनिसिपल नं० 1-ए है, और क्षेत्रफल 1423.60 वर्ग मीटर है, फ्लैग स्टाफ रोड, सिविल लाइन्स, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : श्री भोला शंकर की जायदाद नं० 1-बी, फ्लैग स्टाफ रोड

पश्चिम : जायदाद नं० 1, फ्लैग स्टाफ रोड,

उत्तर : अन्य की जायदाद

दक्षिण : फ्लैग स्टाफ रोड

कंवर जीत सिंह,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक: 23 सितम्बर 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269B(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 सितम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/669/78-79/—

अतः, मुझे, कंवरजीत सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० ए-4/7 है तथा जो कृष्ण नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-1-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित न किया हो गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री रमेश कुमार गुप्ता, सुपुत्र श्री भगत राम निवासी ए-4/7, कृष्ण नगर, दिल्ली-51

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्ण कुमार गुप्ता, सुपुत्र श्री गया प्रसाद गुप्ता (2) श्रीमती सरोज गुप्ता, पत्नी श्री कृष्ण कुमार गुप्ता, निवासी मकान नं० 305, ओल्ड पोस्ट आफिस स्ट्रीट, शाहदरा, दिल्ली-110032 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट की भूमि जिसका नं० ए-4 है और क्षेत्रफल 133.33 वर्ग गज है (जोकि 111.48 वर्ग मीटर के बराबर) निवासी कालौनी कृष्ण नगर, गोडली गांव, शाहदरा, दिल्ली नगर निगम की सीमा के अन्तर्गत, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लॉट नं० ए-4/8 पर मकान

पश्चिम : प्लॉट नं० ए-4/7 का शेष हिस्सा

उत्तर : प्लॉट नं० ए-3/7 पर मकान

दक्षिण : रोड़

कंवरजीत सिंह,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 22 सितम्बर 1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, 4/14 क, आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली

दिल्ली-1, दिनांक 22 सितम्बर, 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/670/78-79/
अतः मुझे, कंवरजीत सिंह
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० ए-4/7 है तथा जो कृष्ण नगर, शाहदरा,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 9-1-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करो या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रमेश कुमार सुपुत्र श्री भगत राम, निवासी
ए-4/7, कृष्ण नगर, दिल्ली-51 (अन्तरक)

2. श्री किशन कुमार गुप्ता (2) श्री राजेन्द्र प्रसाद
गुप्ता तथा (3) श्री सुरेश कुमार गुप्ता, सभी सुपुत्र श्री
गया प्रसाद गुप्ता, निवासी मकान नं० 305 (पुराना नं०
287), ओल्ड पोस्ट आफिस ट्रीट, शाहदरा, दिल्ली-110032
(अन्तरिती)

3. श्रीमती सुहागवती विद्या (वह व्यक्ति जिसके अधि-
भोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 100 वर्ग गज (कुल क्षेत्रफल
233.33 वर्ग गज) है, इसका नं० एक4/7 है, और खसरा
नं० 578/528 है, निवासी कालोनी, कृष्ण नगर, शाहदरा
के इलाके, दिल्ली-51 में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लॉट नं० ए-4/7 का शेष हिस्सा।
पश्चिम : प्लॉट नं० ए-4/6 पर मकान
उत्तर : प्लॉट नं० ए-3/7 पर मकान
दक्षिण : रोड।

कंवरजीत सिंह
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 22-9-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, 4/14 क,

आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली-I

दिल्ली-1, दिनांक 22 सितम्बर, 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/672/78-79---

अतः मुझे, कवरजीत सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 414, 417 तथा 418 है तथा जो शील कुरंजा, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्तःसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय को बाइन, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री राम नारायण खन्ना, सुपुत्र श्री नारायण दास, निवासी 820, नई सड़क, दिल्ली-6 (अन्तरक)

2. श्री जितेन्द्र नाथ, सुपुत्र श्री बक्सी सेन दास, निवासी 418, चिरागाह जम्बी, शील कुरंजा, दिल्ली (अन्तरिती)

3. श्री सत पाल चोपड़ा, आनन्द प्रकाश, बोध राज, मै० मन मोहन बूल शाप, रोशन लाल बोहरा, मै० अशोक बांड क०, विश्व मोहन, गुप्ताजी (टी शाप), मै० आटी पार्टी शाप, मै० कार मैटिंग शाप। (वह व्यक्ति जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तःसूची

एक बना हुआ मकान जोकि 555 वर्ग गज क्षेत्रफल के लीज-होल्ड प्लॉट के ऊपर बना हुआ है, जिसका नं० 414, 417 तथा 418 है, जो कि डी० डी० ए० की भूमि है, शील कुरंजा, शाहदरा के इलाके, दिल्ली 51 में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : रोड़

पश्चिम : अन्य की जायदाद

उत्तर : 10 फुट चौड़ी सड़क

दक्षि : मेन रोड़।

कवरजीत सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 22 सितम्बर, 1978

मोहर :

प्रत्येक आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, 3/14 क, आसफ़गढ़ी मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली 1, दिनांक 23 सितम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/676/7979—

अतः मुझे, कंवरजीत सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी-9/18 है तथा जो कृष्ण नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12—276GI/78

1. श्री हकवान सिंह, सुपुत्र एस० बलवन्त सिंह तथा एस० बलवन्त सिंह सुपुत्र एस० ठाकुर सिंह, निवासी 167, क्विन्टर डेयरी फार्म, झील कुरंजा, दिल्ली-51। (अन्तरक)

2. श्री जान चन्द अरोड़ा, सुपुत्र श्री लाक्षा राम निवासी बी-5/26, कृष्ण नगर, दिल्ली-51। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक निवासी प्लॉट जिसका नं० सी-9/18 है और क्षेत्रफल 466 वर्ग गज है, कृष्ण नगर की आबादी, गोंडली गांव, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व: प्लॉट नं० सी-10/13

पश्चिम: रोड़

उत्तर: प्लॉट नं० सी-9/19

दक्षिण: प्लॉट नं० सी-9/19 का शेष भाग।

कंवरजीत सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 23-9-1978

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, 4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली-1

दिल्ली-1, दिनांक 22 सितम्बर, 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/3635/78-79-

अतः मुझे, कंवरजीत सिंह
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० दूकान नं० 284, 285 तथा 287, फतेहपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-2-1978 पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किता जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री लै० जनरल जे० एस० डिलौन, सुपुत्र श्री एस० बी० इन्द्र सिंह, निवासी डब्ल्यू-146, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली जोकि श्री पतवन्त सिंह, सुपुत्र श्री मनोहर सिंह, निवासी 11, रेवेन्डन रोड, नई दिल्ली तथा श्रीमती गुरदीप कौर, पत्नी श्री नौनिहाल सिंह के लिये जनरल अटारनी हैं, निवासी 57, काका नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री मनोहर लाल, सुपुत्र श्री दिवान चन्द, निवासी 208, कटरा बरियन, फतेहपुरी, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्रीहोल्ड जायदाद जिसकी पहली तथा दूसरी मंजिल का नं० 288/1/2 है तथा जोकि दूकान नं० 284, 285 तथा 286 पर 190 वर्गज क्षेत्रफल पर बनी हुई है, इसका वार्ड नं० 6 है, फतेहपुरी, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है।

पूर्व: मरकेंटाइल बैंक आफ इण्डिया तथा श्रीमती गंगा देवी तथा हर ब्याल की जायदाद का रास्ता
पश्चिम: फतेहपुर रोड़।

उत्तर: दूकान नं० 287 तथा महबूब इलाही की जायदाद का उत्तराधिकारी

दक्षिण: रास्ता।

कंवरजीत सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-

तारीख: 22-9-1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 नवम्बर, 1978

निदेश सं० जे० डी० आर०/40/77-78:—अतः मुझे,
ई० के० कोशी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग फैक्टरी जोकि मिलाप सिलीकेट फैक्टरी
ई०-33, इण्डस्ट्रियल एरिया, है तथा जो यमुनानगर तहसील
जगाधरी, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री प्रेम नाथ, पुत्र श्री ज्योति प्रसाद निवासी
राठौर, तहसील जगाधरी, (2) श्री जनार्दन दस
पुत्र श्री राम प्रसाद निवासी कुंजपुरा, तहसील करनाल,
(3) श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री राम गोपाल निवासी,
लाडवा, तहसील थानेसर।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती शान्ती रानी पत्नी श्री चूनी लाल,
(2) श्री चूनी लाल पुत्र श्री गुरदित्त मल, (3)
श्री रोहताश कुमार पुत्र श्री बिहारी लाल मार्फत मिलाप
सिलीकेट फैक्टरी ई०-33, इण्डस्ट्रियल एरिया, यमुना-
नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग फैक्टरी जोकि मिलाप सिलीकेट फैक्टरी के
नाम से कहलाती है जो तथा ई-33, इण्डस्ट्रियल एरिया,
यमुनानगर में स्थित है।

(संपत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता यमुनानगर के कार्यालय में
रजिस्ट्री क्रमांक 3752 मास जनवरी, 1978 पर दर्ज है)।

ई० के० कोशी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 8 नवम्बर, 1978।
मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 24th August 1978

No. A.12026/1/78-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri S. L. Chopra, a permanent Receptionist and officiating Reception Supervisor to officiate on an *ad hoc* basis as Reception Officer in the office of Union Public Service Commission for a period of three months from 4-8-1978 to 3-11-1978 or until further orders, whichever is earlier.

The 30th August 1978

No. A.12019/2/78-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Smt. Sudha Bhargava and Shri Chand Kiran permanent Research Assistants (Hindi) of this office to officiate on an *ad hoc* basis as Junior Research Officer (Hindi) for the period from 2-8-1978 to 31-10-1978, or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE, Under Secy.
for Secy.
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 31st August 1978

No. A.32014/1/78-Admn.I.—In partial modification of this office Notification of even number dated 20th July, 1978 Shri S. P. Mehra, a permanent Personal Assistant (Grade C of CSSS) of the Cadre of Union Public Service Commission and officiating in the selection Grade for Grade C Stenographer who was allowed to continue to officiate as Senior Personal Assistant upto 31-8-1978 has been reverted to the lower post *i.e.* in the Selection Grade for Grade C Stenographer, w.e.f. 9-8-1978 (AN).

The 6th September 1978

No. A.32013/1/78-Admn.I.—Shri M. R. Bhagwat, a permanent Under Secretary (Grade I of CSS) in the office of the Union Public Service Commission, has been appointed as Officer on Special Duty (Examinations) on *ad hoc* basis in the office of the Union Public Service Commission w.e.f. the forenoon of 8th May, 1978 to 30th June, 1978.

P. N. MUKHERJEE
Under Secy.
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
(DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.)
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 14th September 1978

No. A-19021/12/78-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri Abraham Kurian, I.P.S. (1969-U.P.) as Supdt. of Police on deputation in the C.B.I./S.P.E. with effect from the afternoon of 31-8-1978 and until further orders.

K. K. PURI
Deputy Director (Admn.)
C.B.I.

New Delhi, the 14th September 1978

No. A-35018/19/78-Ad.I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri Joseph Thomas an Inspector of Central Excise, Bombay on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment, Division of the Central Bureau of Investigation, Bombay Br. in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 1-8-1978 until further orders.

JARNAIL SINGH
Administrative Officer (E)
C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 14th September 1978

No. O.II-201/77-Estt.—Major S. K. Sikka (IC-8473) Signals, an Army Officer on deputation to CRPF as Assistant Commandant, is granted leave as under :—

(a) Earned Leave for 7 days w.e.f. 31-8-78 to 6-9-78; and

(b) Special Leave (LPR) for 60 days w.e.f. 7-9-78 to 5-11-78 as admissible under the Army Leave Rules.

2. On expiry of leave, Major S. K. Sikka will stand retired from Army service w.e.f. the forenoon of 6th November 1978.

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm.)

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE
OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL

New Delhi-110019, the 13th September 1978

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from Ranchi Shri M. L. Abrol assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit IPCL Baroda with effect from the afternoon of 11th August 1978.

On transfer to Bokaro Shri H. C. Panwar relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit IPCL Baroda with effect from the afternoon of 11th August 1978.

NARENDRA PRASAD
Asstt. Inspector-General (PERS)
CISF Hqrs.

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 13th September 1978

No. P/M(19)-Ad.I.—Consequent of the expiry of his terms of deputation on foreign service to the Government of Malawi under the United Nations Development Programme, Shri B. K. Maratha assumed charge of the office of the Assistant Director (Programme) in the office of the Registrar General, India at New Delhi, on the forenoon of 7 August, 1978.

The headquarters of Shri Maratha will be at New Delhi.

No. 10/12/78-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri R. L. Puri, Console Operator in the office of the Registrar General, India at New Delhi as Assistant Director (Programme) in the same office on purely temporary and *ad-hoc* basis for a period of eight months w.e.f. 1 July, 1978, or until further orders, whichever is earlier. The headquarters of Shri Puri will be at New Delhi.

The 18th September, 1978

No. 5/3/76-RG(Ad. I)—In continuation of this office notification of even number dated 15-3-1978, the President is pleased to extend the *ad-hoc* appointments of the under-mentioned officers in the posts mentioned against each of them in the office of the Registrar General, India at New Delhi upto 31-12-1978, or until further orders, whichever is earlier :

S. No.	Name of the officer	Name of the post
1	2	3
1.	Dr. B. K. Roy	Assistant Registrar General (Map)
2.	Dr. R. R. Tripathi	Map Officer
3.	Shri S. D. Tyagi	Research Officer (Map)

The 19th September 1978

No. 2/1/75 RG (Ad.I).—The President is pleased to authorise *proforma* Promotion under the Second proviso to F.R. 30(1) (Next Below Rule) to Shri Sant Ram Gupta, Assistant

Director of Census Operations (Technical), in the office of the Registrar General, India and at present on foreign service as Demographer in the Ministry of Health & Welfare under the Govt. of Iran, to the grade of Deputy Director of Census Operations, with effect from 27 June, 1978, the date on which Shri K. C. Suri, his next junior in the grade of Assistant Director of Census Operations (Technical), was promoted to the grade of Deputy Director of Census Operations.

No. 2/1/75 RG (Ad.I).—The President is pleased to authorise *proforma* promotion under the Second Proviso to F.R. 30(1) (Next Below Rule) to Shri B. L. Bhan, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Registrar General, India and at present on foreign service as U.N. Expert in Civil Registration and Vital Statistics under United Nations Development Programme to the Govt. of Afghanistan, Kabul, to the grade of the Deputy Director of Census Operations with effect from 28 June, 1978, the date on which Shri P. C. Sharma, his next junior in the grade of Assistant Director of Census Operations (Technical), was promoted to the grade of Deputy Director of Census Operations.

No. 2/1/75 RG (Ad.I).—The President is pleased to authorise *proforma* promotion under the second Proviso to F.R. 30(1) (Next Below Rule) to Shri Lal Krishan, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Registrar General, India, and at present on foreign service to the Govt. of Iraq, Baghdad as U.N. Consultant in Sampling under U.N.D.P., to the grade of the Deputy Director of Census Operations with effect from 26 June, 1978, the date on which Shri S.S.S. Jaiswal, his next junior in the grade of Assistant Director of Census Operations (Technical), was

promoted to the grade of Deputy Director of Census Operations.

No. 11/5/77 Ad.I.—In continuation of this office Notification of even number dated 9-6-1978 the President is pleased to extend the appointment of Shri S. Jayashankar, an Investigator in the office of the Director of Census Operations, Kerala at Trivandrum, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office with his headquarters continue to be at Trivandrum on a purely temporary and *ad-hoc* basis for a further period of three months w.e.f. 1-7-1978 upto 30-9-1978, or until further orders, whichever is earlier.

P. PADMANABHA
Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE
(DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS)
BANK NOTE PRESS : DEWAS (M.P.)

Dewas, the 10th September 1978

No. BNP/C/57/75.—Shri R. K. Mehrotra, Asstt. Shop Superintendent (Elect) Eastern Railway, Jamalpur who was on deputation to the Bank Note Press, Dewas as Assistant Engineer (Electrical) is relieved of his duties with effect from 10-9-1978 (A.N.).

P. S. SHIVARAM
General Manager

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi, the 14 September, 1978

No. 1201-CA-I/76-78—Additional Deputy Comptroller & Auditor General (Commercial) has been pleased to promote the following Section Officers (Comml.) and appoint them to officiate as Audit Officers (Commercial) and post them as such in the offices noted against each name in column 3 with effect from the dates mentioned in column 4 below, until further orders:—

Sl. No.	& Name of the A.O's (C)	Office where working before promotion	Office where posted on promotion as AO(C)	Date of posting as offg. A.O.(C)
1		2	3	4
	S/Shri			
1.	S. Subramanya Iyer	A.G., Kerala	MAB & Ex-officio DCA, Bombay	15-5-78 FN
2.	K. Srinivasa Desikan	AG., Karnataka	MAB & Ex-officio DCA (Coal) Calcutta	11-5-78 FN
3.	N. Bhaskaran	AG. II, Tamil Nadu	MAB & Ex-officio DCA, Ranchi	15-5-78 FN
4.	N. B. Dutta	AG. II, West Bengal	MAB & Ex-officio DCA, Calcutta	18-4-78 FN
5.	S. S. Vaidyanathan	MAB & Ex-officio DCA, Ranchi	MAB & Ex-officio DCA, Ranchi	7-4-78 AN
6.	S. K. Sarkar	Do.	MAB & Ex-officio DCA, Calcutta	11-4-78 FN
7.	N. K. Bose	AG. II, West Bengal	Do.	10-4-78 FN
8.	N. K. Chawla	AG., Punjab	MAB & Ex-officio DCA Ranchi	29-4-78 FN
9.	S. P. Bakshi	Do.	A.G., H. P. and Chandigarh	15-5-78 FN
10.	P. S. Saxena	AG. II, M.P., Gwalior,	AG. II, M. P., Gwalior	7-8-78 FN
11.	A. S. Sharma	CAG's office New Delhi	AG. II, UP, Lucknow	29-4-78 FN
12.	S. M. Mahajan	Do.	MAB & Ex-officio DCA, Ranchi.	29-5-78 FN

1	2	3	4
S/Shri			
13. S. K. Jain	MAB & Ex-officio DCA, Ranchi.	MAB & Ex-officio DCA, Ranchi.	14-4-78 FN
14. P. K. Mittal	CAG's office, New Delhi	AG. II, Bihar, Patna	31-5-78 FN
15. R. S. Chauhan	MAB & Ex-officio DCA, Ranchi	MAB & Ex-officio DCA, Ranchi	14-4-78 FN
16. K.A. Sharma	CAG's office, New Delhi	AG. Haryana Chandigarh	31-5-78 FN
17. R. C. Tomar	Do.	AG. J&K, Srinagar	31-5-78 FN
18. P. K. Kar	AG. West Bengal	MAB & Ex-officio DCA, Calcutta	10-4-78 FN
19. S. K. Dutta	Do.	AG. II, West Bengal	10-4-78 FN

S. D. BHATTACHARYA
Joint Director (Commercial)

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR, WESTERN
RAILWAY

Bombay-400020, the 18th September 1978

*Notice of termination of service issued under Rule
5(1) of the Central Civil Services
(Temporary Service) Rules 1965*

No. SA/HQ/Admn/PC/3964.—In pursuance of Sub-rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules 1965, notice is hereby given to Shri K. V. Samuel, temporary Auditor in this office, that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date of publication in the gazette.

GOPAL SINGH
Deputy Chief Auditor

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE C.G.D.A.

New Delhi-22, the 12th September 1978

No. 18149/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri F. C. Sud, IDAS (on deputation as Director of Finance and Accounts in the office of the Director General of Civil Aviation New Delhi) was transferred to the Pension Establishment and accordingly struck off strength of the Defence Accounts Department with effect from the afternoon of 31st August, 1978.

R. L. BAKSHI
Addl. Controller-General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES
Calcutta, the 12th September 1978

No. 38/78/L.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri S. Ramachandran, Offg. Assistant Manager (Subst. & Permt. Store-Holder) retired from service with effect from 30th April, 1978 (A/N).

No. 39/78/L.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri T. K. Kumar, Offg. Assistant Manager (Subst. & Permt. Foreman) retired from service with effect from 31-5-1978 (A/N).

The 15th September 1978

No. 40/78/G.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Asstt. Manager (prob) with effect from the dates shown against them :—

Shri Kamakshi Prasad Panda 30th Jan., 1976
,, Rajesh Kumar Jain 27th Feb., 1976.

Shri Sudhendu Das 13th Apl., 1976.
,, Subrahmanyam Vuppu 27th Oct., 1975.
,, Syed Mohammad Uqba 10th Sept., 1976.
,, V. Rajaraman 29th Oct., 1975.
,, Om Prakash Misra 30th Oct., 1975.
,, N. Kothandapani 15th Apl., 1976.
,, Ashis Kumar Dasgupta 27th Oct., 1975.
,, Vijay Kumar Chandrabhan Sanghi 1st Apl., 1976.
,, Rajendra Kumar Jain 30th Jan., 1976.
,, Raj Krishna Dikshit 1st July, 1976.
,, Malur Seshadri Krishnamurthy 21st Jan., 1976.
,, Bandarupalli Yesu 31st Oct., 1975.
,, Birendra Kumar Tewary 14th May, 1976.
,, Madan Gopal Awasthy 31st May, 1976.
,, Krishna Kumar Rastogi 13th May, 1976.
,, Har Mohinder Singh 1st June, 1976.
,, Sunil Kumar Dutta 14th May, 1976.
,, Prasanta Kumar Das 31st May, 1976.
,, Ram Sarup Puri 29th May, 1976.
,, Brij Kishore Kansal 10th June, 1976.
,, Mahesh Kumar 4th June, 1976.
,, Maharaj Krishan Kaul 7th June, 1976.
,, Amitabha Bandyopadhyay 21st May, 1976.
,, Rakesh Kumar Saxena 11th Nov., 1976.
,, Ramesh Kumar 11th Oct., 1976.
,, Nawal Kishore Singh 9th Dec., 1976.
,, Sikhar Mustafi 7th Jan., 1977.
,, Himansu Sekhar Chaudhury 6th Oct., 1976.
,, Harjit Singh Chadha 5th Oct., 1976.
,, Mriganka Mohan Chanda 24th Sept., 1976.
,, Umesh Chandra Singh 21st Sept., 1976.
,, Kanakku Narayanan
,, Narayanan Kartha 22nd Nov., 1976.
,, Sartaj Singh 12th Oct., 1976.
,, Hridaya Mohan Srivastava 6th Oct., 1976.
,, Arun Khanwalkar 28th Oct., 1976.
,, Mahesh Chandra Bansal 28th March, 1977.
,, Nayan Mukhopadhyay 4th Oct., 1976.
,, Jasbir Singh Sandhu 24th Dec., 1976.
,, Edgar Shatendra Marcus 8th Oct., 1976.
,, Sudhir Kumar Gupta 29th Nov., 1976.
,, Jayanta Roy 7th Sept. 1976.
,, Ram Prasad De 17th Sept., 1976.
,, Kiran Prakash 11th Oct., 1976.
,, Ravdesh Singh Sodhi 6th Jan., 1977.
,, Ashok Kumar Sinha 5th Nov., 1976.
,, Rajesh Kumar 11th Oct., 1976.

Shri Muthuramalingam Ravi	21st Feb., 1977.
„ Dilip Ranjan Ghosh	1st Nov., 1976.
„ Bhupendra Nath Singh	6th Oct., 1976.
„ Awadhesh Kumar Rai	18th Apl., 1977.
„ Packiaraj Rosiah Sudhakar	1st Nov., 1977.
„ Shree Ram Tewari	14th Nov., 1977.
„ Narendra Kumar	31st Oct., 1977.
„ A. Ramasubramanian	19th Sept., 1977.
„ Sunil Kumar	28th Oct., 1977.
„ Kamal Kumar Patkar	14th Dec., 1977.
„ Anil Kumar Sharma	19th Dec., 1977.
„ Suresh Prasad Yadav	6th Dec., 1977.
„ Jawahar Lal Mishra	19th Sept., 1977.
„ Priya Ranjan	31st Dec., 1977.
„ Sudhakar Asthana	22nd Jan., 1978.
„ P.V. Venkateswaran	7th Nov., 1977.
„ Govind Prasad Chouksey	3rd March, 1978.
„ Krishan Mohan Gupta	15th Oct., 1977.
„ Upendra Kumar Mishra	24th Oct., 1977.
„ Ashwani Kumar Prabhakar	20th Apl., 1978.
„ Nand Mohan Kalanec	19th Sept., 1977.
„ Ashok Kumar	31st Oct., 1977.
„ Mani Kumar Jain	26th Sept., 1977.
„ Ashim Kumar Debroy	17th Sept., 1977.
„ Manik Ghosh	31st Aug., 1977.
„ Janapala Seetharam	15th Dec., 1977.
„ Ramanand G. Mandgaonkar	26th Oct., 1977.
„ K.T. Mohanan	27th Oct., 1977.
„ Bimalendu Saha	19th Apl., 1978.
„ Ravinder Kumar Shandil	10th Oct., 1977.
„ Tipirani Panduranga Venkata Satyanarayana Somasekhara Rao	20th Dec., 1977.
„ Madhav V. Srinivasan	30th Nov., 1977.
„ Aditya Mishra	13th Sept., 1977.
„ Sanat Kumar Das	30th Dec., 1977.
„ Virendra Gandhi	10th Oct., 1977.
„ Ravindra Shankar Patil	8th Feb., 1978.
„ Purushottam Mangilal Meshram	11th Nov., 1977.

No. 41/78/G.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Asstt. Manager (prob) with effect from the dates shown against them :—

Shri Brij Bhushan Tyagi	15th Nov., 1976.
„ P. Prabakaran	19th Nov., 1976.
„ Vibhakar Narayan Awati	14th July, 1977.
„ Satish Kumar Dubey	26th Dec., 1977.
Kumari Sobha Ramanand	31st Dec., 1977.
Shri N. Sundarapandian	30th Dec., 1977.
„ B. Pugazhendhi	31st Jan., 1978.
„ Pabitra Mohan Ranavainshaw Prem Narayan	9th Feb., 1978.
	2nd May, 1978.

No. 42/78/C.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Asstt. Manager (prob.) with effect from the dates shown against them :—

Shri P. Gopalakrishnan Nair	30th July, 1975.
„ Sucha Singh	1st Sept., 1975.
„ Sekharipuram Krishnan Ramanathan	17th Oct., 1975.
„ Mihir Kumar Chakrabarty	31st July, 1976.
„ Biplob Kumar De	9th Aug., 1976.
„ Arun Kumar Ganguly	25th June, 1976.
„ Ravi Prakash Ahuja	17th June, 1976.
„ Yalandur Raghavendrarao Jayasimha	25th Sept., 1976.

No. 43/78/G.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Asstt. Manager (on prob)/(prob) with effect from the dates shown against them :—

Shri Harbhajan Singh	5th March, 1973.
„ Jadab Chandra Saha	30th March, 1973.
„ Bidhu Bhushan Singh	1st Feb., 1973.
„ Asish Kumar Sarkar	10th May, 1974.
„ Pratap Chandra Mitra	25th July, 1974.
„ Bimal Prasanna Mohapatra	21st Jan., 1975.
„ Sureshkumar Sitarampant Khot	30th Nov., 1974.
„ Santosh Kumar Pandey	29th Apl., 1975.
„ Vijay Kumar Pandita	30th May, 1975.
„ Umesh Chandra	9th July, 1975.
„ Raja Ram Yadava	23rd May, 1975.
„ Raj Kumar Sharma	14th Apl., 1975.
„ Ashok Kumar	31st July, 1975.
„ Kalkunte Sundarachar Mukunda	6th June, 1975.
„ Dharam Vir Singh	12th Aug., 1975.
„ Sudhangsu Kumar Sarkhel	25th June, 1975.
„ Amal Kumar Chattopadhyay	23rd Feb., 1976.
„ Priya Ranjan Sircar	4th Aug., 1975.
„ Donepudi Prabhakara Sharma	30th Dec., 1976.
„ Atluri Ranga Rao	1st June, 1977.
„ Balai Chandra Das	1st March, 1977.
„ Amarjit Singh Balgir	24th Feb., 1977.
„ Mutnuri Satyanarayana Rao	22nd Jan., 1977.
„ Ripu Raman Koshal	14th March, 1977.
„ Supriya Kumar Das	10th Dec., 1976.
„ Subrata Kumar Ghosh	9th Dec., 1976.
„ Om Prakash	27th Oct., 1977.
„ Vinay Narain Agarwal	14th Jan., 1977.
„ Suresh Chandra Majumder	7th Feb., 1977.
„ Subodh Kumar Dutta	21st Feb., 1977.
„ Pradip Pramanick	28th Dec., 1976.

V. K. MEHTA

Assistant Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE

CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION

(DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 12th September 1978

Import and Export Trade Control ESTABLISHMENT

No. 6/670/62-Admn.(G)/6724.—The President is pleased to appoint Shri A. T. Mukherjee, Deputy Chief Controller of Imports and Exports in this office to officiate as Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bangalore with effect from the forenoon of 7th June, 1978, until further orders.

K. V. SESHADRI

Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 21st August 1978

No. 12(80)/61-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri R. Poornam, Director (Gr. I) (Mech.) in Small Industry Development Organisation on his reversion from deputation with the Central Tool Room and Training Centre, Calcutta, as Industrial Adviser (Ancillary) in the Small Industry Development Organisation on *ad hoc* basis

for a period of six months with effect from the forenoon of 15th July, 1978.

2. Consequent upon his appointment, Shri Poornam has relinquished charge of the post of Director (Gr. I) (Mechanical) in the Office of the Development Commissioner (SSI) New Delhi with effect from the forenoon of 15th July, 1978 and assumed charge of the post of Industrial Adviser (Ancillary) in the Office of the Development Commissioner (SSI), New Delhi, with effect from the forenoon of 15th July, 1978.

The 16th August 1978

No. 12(87)/61-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Dr. J. D. Verma, a Grade II Officer of the Indian Economic Service and Secretary, Bureau of Industrial Costs & Prices, as Director (Gr. I) (GAD) in the Small Industry Development Organisation on deputation basis for a period of one year with effect from the forenoon of 15th July, 1978.

2. Consequent upon his appointment, Dr. Verma assumed charge of the post of Director (Gr. I) (GAD) in the Office of the Development Commissioner (SSI), New Delhi with effect from the forenoon of 15th July, 1978.

No. 12(323)/62-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri H. M. Som, Deputy Director (Mechanical) in the Office of the Development Commissioner (SSI), New Delhi to officiate as Director (Gr. II) (Mechanical) in Small Industry Development Organisation on *ad hoc* basis for a period of six months with effect from the forenoon of 1st July, 1978.

2. Consequent upon his appointment, Shri H. N. Som relinquished charge of the post of Deputy Director (Mech.) in the Office of the Development Commissioner (SSI), New Delhi with effect from the forenoon of 1st July, 1978 and assumed charge of the post of Director (Gr. II) (Mechanical) in the same office with effect from the forenoon of 1st July, 1978.

No. A-19018(343)/78-Admn.(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries is pleased to appoint Shri S. P. Sharma, Superintendent, Small Industries Service Institute, Indore to officiate as Assistant Director (Gr. II) (GAD) in the Small Industry Development Organisation with effect from the afternoon of 9th May, 1978, until further orders.

2. Consequent upon his appointment, Shri S. P. Sharma assumed charge of the post of Assistant Director (Gr. II) (GAD) in Small Industries Service Institute, Srinagar, with effect from the afternoon of 9th May, 1978.

No. A-19018(353)/78-Admn.(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries, is pleased to appoint Shri P. Thamu Nair, Superintendent, Production Centre, Ettumanur, to officiate as Assistant Director (Gr. II) (GAD) on *ad hoc* basis in the Small Industry Development Organisation with effect from 6th July, 1978 (FN) and until further orders.

2. Consequent upon his appointment, Shri Thamu Nair assumed charge as Assistant Director (Gr. II) (GAD) in the Small Industries Service Institute, Cuttack with effect from the forenoon of 6th July, 1978.

The 29th August 1978

No. 12(607)/69-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri G. D. Mehta, Asstt. Director (Gr. II) (Leather/Footwear), C.F.T.C., Agra as Assistant Director (Gr. I) (L/F) in the Small Industry Development Organisation w.e.f. the forenoon of 10-7-78 until further orders.

2. Consequent upon his appointment, Shri G. D. Mehta assumed charge as Assistant Director (Gr. I) (L/F) in the Small Industries Service Institute, Cuttack w.e.f. the forenoon of 10-7-78.

The 31st August 1978

No. A-19018/328/77-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri D. N. Keshava Murthy as Assistant Director (Gr. I) (G/C) in the Small Industry Development Organisation w.e.f. the forenoon of 27-5-78, until further orders.

2. Consequent upon his appointment, Shri D. N. Keshava Murthy has assumed charge as Assistant Director (Gr. I)

(G/C) in the Small Industries Service Institute, Cuttack, w.e.f. the forenoon of 27-5-78.

M. P. GUPTA
Deputy Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES
(DEPARTMENT OF MINES)
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 11th September 1978

No. 7148/D/2181(SRMR)19B.—Resignation tendered by Shri S. R. M. Rao, Assistant Chemist from the services in the Geological Survey of India has been accepted by the Director General, Geological Survey of India with effect from the afternoon of 18th April, 1978 on his absorption in the Bhabha Atomic Research Centre, Safety Research Laboratory, Kalpakkam.

No. 7173/D/7/77(MKP)/19A.—Shri Mukul Krishna Pal is appointed as an Assistant Cost Accounts Officer in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 860/- in the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 10th August, 1978, until further orders.

The 12th September 1978

No. 7205D/11/68/19C.—The following officers are confirmed in the grade of Assistant Cost Accounts Officer (Group 'B', Scale of pay-Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/-) in the Geological Survey of India with effect from the date as shown against each.

Sl. No.	Name of Officers.	Date of confirmation
1.	Shri R. K. Bapat	14-2-1975
2.	Shri P. K. Ghosh	14-2-1975.

No. 7220/D/13/74/19C.—The following officers are confirmed in the grade of Shift Boss (Group-'B', Scale of Pay—Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/-) in the Geological Survey of India with effect from the dates shown against each :

Sl. No.	Name of Officer	Date of confirmation
1.	Shri C.S. Jaiswal	16-8-75
2.	Shri P.R. Chaudhary	16-8-75
3.	Shri K.S. Subba Rao	16-8-75
4.	Shri A.K. Chakravarty	16-8-75
5.	A.S. Rao	16-8-75

The 13th September 1978

No. 7268/D/40/59/C/19A.—The *ad hoc* appointment of Shri S. R. Bhattacharjee to the post of Assistant Administrative Officer in the Geological Survey of India is regularised with effect from the forenoon of 1-1-1978.

Shri Bhattacharjee was holding *ad-hoc* appointment in the post of Assistant Administrative Officer with effect from 3-5-1975.

V. S. KRISHNASWAMY
Director General

SURVEY OF INDIA

SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 15th September 1978

CORRIGENDUM

Corrigendum to Notification No. El-4758/881-Officers dt. 17-11-73.

No. El-50468/881-Officers.—In term of Govt. of India, Ministry of Finance (Department of Expenditure) Notification No. G.S.R. 413(E) dated the 7th October, 1974 published in the Gazette of India, extraordinary, Part II Section 3 Sub-Section (i) No. 247 dated 7-10-1974 read with Govt. of India, Ministry of Finance Memo No. 67/11/4/73-Imp. dated the 15th February, 1974 the pay of Dr. (Smt.) S. G. Sethi appointed as Junior Lady Medical Officer, Survey of India Dispensary in the General Central Service Class II on *ad-hoc* basis against leave vacancy with effect from 2nd January, 1973 to 31st January, 1973 is fixed at Rs. 650/- per month in the revised scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

K. L. KHOSLA
Major General
Surveyor General of India

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 14th September 1978

No. 4(36)/77-SI.—The resignation of Dr. Adarsa Saxena from the post of Programme Executive, All India Radio, Bikaner is accepted with effect from the forenoon of 16th August, 1978.

A. K. BOSE,
Dy. Director of Admn.
for Director General.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 12th September 1978

No. A. 19020/2/76(SJH)Admn.I.—On attaining the age of superannuation, Shri Khub Chand, officiating Stores Officer, Safdarjang Hospital, New Delhi retired from Government service on the afternoon of the 31st August, 1978.

The 13th September 1978

No. A. 19019/5/76(HQ)—Admn.I.—The President is pleased to accept the resignation of Dr. N. Vijayakrishnan Nair, Adviser (Nutrition) in the Directorate General of Health Services from the Govt. service with effect from the afternoon of 18th August, 1978.

The 14th September 1978

No. A. 12026/15/77-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Shiva Govind Tripathi to the post of Hindi Officer at Dr. Ram Manohar Lohia Hospital, New Delhi, with effect from the forenoon of the 31st August, 1978, on an *ad-hoc* basis and until further orders.

S. L. KUTHIALA,
Dy. Director Admn. (O&M).

MINISTRY OF AGRICULTURAL AND IRRIGATION,
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT),
DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION,
FARIDABAD

Faridabad-IV, the 12th August 1978

No. F. 4-6(7)/74-A.III.—The term of foreign service of Shri R. P. Sachdeva, Assistant Marketing Officer of this Directorate, as Secretary, Agricultural Produce Market Committee, Azadpur, under the Delhi Agricultural Marketing Board has been extended for a period of one year with effect from 1-8-78 (F.N.).

13—276GI/78

2. The services of Shri Sachdeva were initially placed at the disposal of the Delhi Agricultural Marketing Board for a period of one year with effect from 1-8-1977 (F.N.).

The 15th August 1978

No. A. 19023/4/78-A.III.—The short term appointments of the following officers to the posts of Marketing Officer (Group I) have been extended upto 31st October, 1978 or until regular arrangements are made whichever is earlier :—

1. Shri K. Suryanarayana.
2. Shri S. P. Bhasin.
3. Shri A. C. Guin.
4. Shri R. Narasimhan.
5. Shri M. Chakraborty.

2. The short term appointment to the post of Marketing Officer (Group I) of Shri J. N. Rao, who expired on 10-8-1978, has been extended upto 10-8-1978.

B. L. MANIHAR,
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser.

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

(PERSONNEL DIVISION)

Trombay, the 23rd August 1978

No. R/1825/Med/Estt.I/3390.—Director, Bhabha Atomic Research Centre terminated the services of Dr. (Smt.) Dolly Ray, a temporary Resident Medical Officer in the same Research Centre with effect from the afternoon of December 15, 1976.

P. S. VENKATASUBRAMANIAN,
Dy. Establishment Officer.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, 15th September 1978

No. DPS/23(4)/77-Estt./22808.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints the following Purchase Assistants to officiate as Assistant Purchase Officers on an *ad hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate for the periods indicated against each :—

1. Shri V. G. Jobanputra—from 25-7-78 to 24-8-78.
2. Shri N. Prabhakaran—from 27-7-78 to 2-9-78.

B. G. KULKARNI,
Assistant Personnel Officer.

DEPARTMENT OF SPACE
INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION
SHAR CENTRE

Sriharikota, the 22nd August, 1978

No. SCF. P&GA. ESTT. 1.72.—The Director is pleased to appoint on promotion the following officials to the post of Engineer SB in the SHAR Centre, Sriharikota in an officiating capacity with effect from the dates indicated against each and until further orders :

S. No.	Name	Designation	Date of appointment
	S/Shri		
1.	C. P. Krishna Rao	Engineer-SB	1-4-78
2.	G. V. Subramanyam	Engineer-SB	1-4-78

The 24th August, 1978

No. SCF. P&GA. ESTT. 1-72.—The Director is pleased to appoint the following officials to the post of Engineer SB in the SHAR Centre, Sriharikota in an officiating capacity with effect from the dates indicated against each and until further orders :

S. No.	Name	Designation	Date of appointment
	S/Shri		
1.	G. Ram Dev	Engineer 'SB'	10-4-78
2.	S. Lakshminarasimhan	Engineer 'SB'	3-5-78
3.	M.V.L. Prasad	Engineer 'SB'	31-7-78
4.	Nihar Ranjan Mishra	Engineer 'SB'	16-8-78

R. GOPALARATNAM
Head, Personnel & General Admn.
for Director

ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore, the 18th August 1978

No. 020/3(061)/78.—Director, ISRO Satellite Centre is pleased to appoint Shri S. N. Rajendran to the post of Engineer 'SB' in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space in a temporary capacity with effect from the forenoon of 19-5-1978 until further orders :—

J. K. SAHA,
Under Secy.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 12th September 1978

No. A. 32013/2/77-EW.—In continuation of this office Notification No. A. 32013/2/77-EW, dated the 17th April, 1978 the President is pleased to extend the *ad-hoc* appointment of Shri H. C. Roy Chowdhury, in the grade of Deputy Director (Fire) for a further period of six months with effect from 29-6-1978, or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier and to post him at Headquarters.

No. A. 32013/13/77-EC.—The President is pleased to appoint the following two Communication Officers to the grade of Senior Communication Officer on regular basis with effect from the date and at the station indicated against each:—

S. No.	Name	Station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
	S/Shri			
1.	Arun Talwar	Aeronautical Communication Station, Calcutta	Central Radio, Stores Depot, New Delhi	12-6-78 (FN)
2.	M. Dheena Dayalan	Aeronautical Communication Station, Madras	Aeronautical Communication Station, Madras	12-6-78 (FN)

The 16th September 1978

No. A. 32013/10/76-EC.—The President is pleased to appoint Mrs. V. Ratnavati, Assistant Technical Officer in the Office of the Director, Radio Construction and Development Units, Safdarjung Airport, New Delhi, as Technical Officer in the same office on regular basis, with effect from the forenoon of the 13th July, 1978, and until further orders.

S. D. SHARMA,
Dy. Director of Administration.

New Delhi, the 13th September 1978

No. A. 32012/3/78-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri Sher Singh as Administrative Officer (Group 'B' post) on regular basis with effect from the 24th August, 1978 and until further orders in the office of the Aerodrome Officer, Safdarjung Airport, New Delhi.

S. L. KHANDPUR,
Asstt. Director of Administration.

VANA ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHAVIDYALAYA

Dehra Dun, the 12th September 1978

No. 16/231/74-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun is pleased to permit Shri Shashi Bhushan Sharma, Assistant Registrar, in the Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun to retire from Government Service with effect from 31-8-1978 (A.N.) on attaining the age of superannuation.

GURDIAL MOHAN,
Under Secy.

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Allahabad, the 12th September 1978

No. 30/1978.—Shri Lallu Singh, confirmed Inspector (S.G.) of Central Excise posted at Kanpur and appointed to officiate as Superintendent of Central Excise Group 'B' in the Scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 vide this office Establishment Order No. 118/1978 dated 26th June 1978 issued under endorsement C. No. II (39)28-ET/78/Pt. 13352 dated 27-6-78, took over charge of the Office of the Superintendent of Central Excise in the Integrated Divisional Office, Allahabad as Superintendent of Central Excise Group 'B' on 7-7-78 (F.N.).

SD/- ILLEGIBLE
Collector.

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 12th September 1978

No. A. 19012/737/78-Adm.V.—The Chairman Central Water Commission, hereby appoints on promotion Shri T. S. Godhwani, Research Assistant, to the grade of Assistant Research Officer (Physics) in the Central Water and Power Research Station, Pune in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on a purely temporary and *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 24th August, 1978 upto the end of February 1979 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

The 14th September 1978

No. A. 19012/736/78-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission, hereby appoints on promotion Shri H. S. N. Swamy, Research Assistant, to the grade of Assistant Research Officer (Physics) in the Central Water and Power Research Station, Pune in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on a purely temporary and *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 18th August, 1978 upto 30th September, 1978 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

J. K. SAHA
Under Secy
Central Water Commission

NORTH EASTERN COUNCIL

Shillong, the 5th August 1978

No. MEC.123/76.—In pursuance of the provisions of the North Eastern Council Secretariat, Shillong (Group 'A' & 'B' posts) Recruitment Rules, 1977 notified vide Government of India, Ministry of Home Affairs notification No. III-1-4029/B/74-NE dated 7th June, 1977, Shri Syed Aftab Ahmed, a permanent Grade III and officiating (*ad-hoc*) Grade I officer of the Central Information Service, working as Editor, Publications Division, Ministry of Information and Broadcasting, New Delhi, is hereby appointed to officiate as Public Relations Officer in the North Eastern Council Secretariat, Shillong, on deputation, in the scale of pay of Rs. 1500-60-1800/- plus allowances as may be admissible from time to time under the Central Government Rules for the period from 7-6-1977 to 12-7-1979 (A.N.).

2 This partially modifies the Council Secretariat notification No. NEC.123/76 dated 23-7-1976 and cancels the Council Secretariat notification of even number dated 13-2-1978.

K. M. MIRANI,
Secy.

SOUTH EASTERN RAILWAY

Calcutta-43, the 11th November 1978

No. P/G/14/300E.—The following officiating Class II Officers of the Personnel Branch of this Railway are confirmed in that appointment w.e.f. from the date noted against each. The Department to which each officer is allocated is also indicated.

Sr. No.	Name	Date of confirmation	Department to which allocated.
Shri			
1. N. Srinivasan.		1st May 1977	
2. S. G. Chari		1st September, 1977	M.E. & T (P).
3. Sri A. P. Roy		1st October 1977	M.E.&T (P).

M. S. GUJARAL
General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES,

In the matter of the Companies Act, 1956

And

In the matter of Apollo Filaments Pvt. Ltd.

(Pursuant to sec. 445(2) of the Companies, Act 1956)

Hyderabad, the 13th September 1978

No. 1493/Liq/78.—By an order dated the twentieth day of January, one thousand, nine hundred and seventy seven in

Company Petition No. 5 of 1976 of the High Court of Judicature at Andhra Pradesh, Hyderabad, it has been ordered to wound up Apollo Filaments Private Limited.

In the matter of the Companies Act, 1956

And

In the matter of Appollo Tapes Private Ltd.

(Pursuant to Sec. 445(2) of the Companies, 1956)

Hyderabad, the 13th September 1978

No. 1494/Liq/78.—By an order dated the twentieth day of January, one thousand, nine hundred and seventy seven in Company Petition No. 4 of 1976 of the High Court of Judicature at Andhra Pradesh Hyderabad, it has been ordered to wound up, Appollo Tapes Private Limited.

In the matter of the Companies Act, 1956

And

In the matter of Apollo Technocrafts Private Limited

(Pursuant to Sec. 445(2) of the Companies, 1956)

Hyderabad, the 13th September 1978

No. 1496/Liq/78.—By an order dated the twentieth day of January, one thousand, nine hundred and seventy seven in Company Petition No. 7 of 1976 of the High Court of Judicature at Andhra Pradesh, Hyderabad, it has been ordered to wound up Apollo Technocrafts Private Limited.

V. S. RAJU,
Registrar of Companies,
Andhra Pradesh : Hyderabad.

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, DHARWAR
CORRIGENDUM

Dharwar, the 22nd September 1978

Notice No. 202/77-78/Acq.—The name of the person in occupation of the property may be read as mentioned below, as the same was omitted to be published in the Gazette of India dated 11-2-1978 at page No. 746.

M/s. J. M. Nagathan & Co.,
Cotton, Grain, Oil Seeds Merchants and
Commission Agents,
Adat Bazar, Bijapur.

D. C. RAJAGOPALAN,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BHUBANESWAR
Bhubaneswar-9, the 18th September 1978

Ref. No. 77/78-79/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas I B. MISRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Khunti No. 164 situated at Jharsuguda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jharsuguda on 30-1-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Anima Devi.

(Transferor)

(2) Shrimati Bimal Devi Sakunia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed building situated at Mouza-Jharsuguda in Khunti No. 164 under the jurisdiction of Sub-Registrar, Jharsuguda and registered by sale document No. 164 dated 30th January 1978.

B. MISRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhubaneswar

Date : 18-9-78.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE

BHOPAL

Bhopal, the 8th September 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1119.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot (Part) situated at Bhopal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 2-1-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Vijay Dattatraya Bhale s/o Shri Dattatraya Bhale R/o Idgah Hills, Bhopal.

(Transferor)

(2) 1. Shri Narsingh Dass Grover s/o Late Shri Chandiram Grover Contractor.

2. Shrimati Usha Devi W/o Shri Narsinghdas Grover, 19, Ridge Road, Idgah Hills, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Eastern portion of plot No. 3, Khasra No. 105, situated at Idgah Hills, Bhopal.

D. C. GOEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 8-9-1978.

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shrimati Jayanti Sikdar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Anil Kumar Dutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE IV
CALCUTTA

Calcutta-16, the 26th August 1978

Ref. No. AC-28/Acq.R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Burnpore Road, Asansole,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Asansole on 20-1-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5 cottahs 2 chittaks together with building thereon situated at Burnpore Road, Asansole, P. S. Hirapur, Dist. Burdwan more particularly as per deed No. 275 dated 20-1-1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 26-8-1978.
Seal :

FORM (TNS—)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
JAIPUR

Jaipur, the 30th August 1978

Ref. No. Raj/AC(Acq).—Whereas, I, M. P. VASISHTHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Ladnu, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ladnu on 25-1-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Pushraj S/o Loonkaran Gangwal General Power of Attorney of Sukh Dev Charity Estate (Trust) Ladnu Distt. Nagour.

(Transferor)

- (2) Shri Hulashchander Arya S/o Shri Nathmal Mali C/o Smt. Hulasi Devi Bhutoria Mahila Mandal, 6th Patti, Ladnu Distt. Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land measuring 750 sq. yd. situated at Hospital Road, near Bus stand Ladnu and more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Ladnu vide regd. No. 72 dated 25-1-1978.

M. P. VASISHTHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 30-8-1978.

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Pushraj S/o Loonkaran Gangwal General Power of Attorney of Sukh Dev Charity Estate (Trust) Ladnu, Distt. Nagour.

(Transferor)

- (2) Shri Ram Kumar Jangid, S/o Shri Rugaram Near Raghugate, Station Road, Ladnu, Distt. Nagour.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
JAIPUR

Jaipur, the 30th August 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq).—Whereas, I, M. P. VASISHTHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Ladnu, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ladnu on 25-1-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land measuring 772 sq. yd. situated at Hospital Road, near Bus Stand & more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Ladnu vide regd. No. 73 dated 25-1-1978.

M. P. VASISHTHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 30-8-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
JAIPUR

Jaipur, the 11th September 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/443.—Whereas, I, M. P.
VASISHTHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Sheomapura,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Beawar on 21-1-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

14—276GI/78

- (1) Shri Unis S/o Dhan Masih, Richadevi widow Dhan Masih, Victoria Widow of Usuf, Benjamin S/o Usuf Indian Ishal Mission Compound, Beawar.

(Transferor)

- (2) Shrimati Keladevi wife of Ramgopal Mali Sankla Malioyon Surajpole, Beawar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Sheomapura, Tehsil Beawar including well and ½ share in Dhora and described in conveyance deed registered by S.R. Beawar vide Register No. 250 dated 21-1-1978.

M. P. VASISHTHA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 11-9-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
JAIPUR

Jaipur, the 11th September 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/444.—Whereas, I, M. P. VASISHTHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Nehrunagar Beawar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Beawar on 27-1-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chandkaran and Shri Radhakishan Sons of Praladh Dass and Shri Praladh Dass S/o Mathuralal Rathil of Nasirabad Distt. Ajmer.

(Transferor)

- (2) Shri Jangalram S/o Shri Jetharam, Nehrunagar, Beawar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One open plot of land measuring 2538 sq. yd. situated at Nehrunagar, Beawar and more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Beawar vide registration No. 196 dated 27-1-1978.

M. P. VASISHTHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 11-9-1978
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
JAIPUR

Jaipur, the 7th September 1978

Ref. No. Raj/IAC (Acq)/442.—Whereas, I, M. P. VASISHTHA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. F-41, situated at Jaipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

S.R. Jaipur on 16-3-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Sarla Tank Wife of Shri Nandlal Tank C/o English Wine and Provision Store, Station Road, Jaipur.

(Transferor)

- (2) Shrimati Paravatidevi wife of Shri Vasdeo Sajnan and Shri Pesuram S/o Shri Hemraj Sindhi, Plot No. 248 Sindhi Colony Bani Park, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Plot No. F-41, Bani Park Jaipur and more fully described in the conveyance deed registered by S. R. Jaipur vide registration No. 548 dated 16th March 1978.

M. P. VASISHTHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 7-9-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, DHARWAR**

Dharwar, the 16th August 1978

No. 223/78-79/Acq.—Whereas, I, D. C. RAJAGOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. Nos. 85/1; 29 AND 30/2, situated at Jagara Hobli, Chikmagalur Taluk,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikmagalur under Document No. 1772 on 19-1-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, as the following persons namely :—

(1) Shri S. Machado S/o I. Machado, Coffee Planter, Jail Road, Chikmagalur.
(Transferor)

(2) M/s. Comals Coffee Hills, Halase Estate, Mudigere Taluk, Chikmagalur District. represented by its partners :
1. Shri H. B. Jayaprasad.
2. Shri H. B. Rajagopal, and
3. Shri H. B. Shivanna.
All sons of Shri H. B. Bhyregowda, Halase Estate, Mudigere Taluka, Chikmagalur District.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Coffee Estate situated at Jagara Hobli, Chikmagalore Taluka, Bearing survey Nos. 85/1; 29 and 30/2. The total area 51 acres 30 Gunthas.

D. C. RAJAGOPALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar

Date : 16-8-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
DHARWAR

Dharwar-4, the 25th August 1978

No. 226/78-79/Acq.---Whereas, I, D. C. RAJA-GOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 52, 52/1 and 53, situated at Harihara Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Harihara, under document No. 1330/77 78 on 8-2-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sha A. Chunilalji Jain, Merchant, R/o Harihara Town.

(Transferor)

(2) Shri Champaklal S/o Poonamchand, Merchant, Narasara Peth, Davanagere City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property consists of two storied R.C.C. building situated at 'F' division of Harihara Town, bearing Municipal Nos. 52, 52/1 and 53 and present doors No. 55, 56 and 57. Area East to West 14'—8' and North to South 64'. Total site area is 960 Sqr. Feet.

D. C. RAJAGOPALAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar-4

Date : 25-8-1978

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, DHARWAR-580 004

Dharwar-580 004, the 12th September 1978

Notice No. 228/78-79/ACQ/IB.—Whereas, I, D. C. RAJA-GOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Dharwad, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Thalagod Village, Kalasa Hobli, Mudigere Taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mudigere Under Document No. 536/77-78 on 6-1-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Beepathumma W/o Haji T. M. Sairabba.
2. Smt. Haliamma W/o S. Mohd. R/o Padli, Mangalore Taluk.
3. Smt. Maimoona, W/o A. H. Khader R/o Magundi, N. R. Pur Taluk.
4. Smt. Mariyamma W/o Mohd. Haji R/o Pane Mangalore, Bantwal Taluk.
5. Smt. Nafissa W/o Mohd. Kunhi R/o Uppināngaddi, Puttur Taluka S. K.
6. Smt. Aisamma W/o Ismail R/o Bengre Mangalore Taluk.
7. Smt. Rahamatunnissa W/o Abdul Razak R/o Pane Mangalore Taluk.
8. Mr. Hammad Bava.
9. Mr. Khasim.
10. Mr. Abdul Rashid.
11. Master Ayub Minor represented by his guardian Shri Hammad Bava Civil Judge, Mangalore. Vendors 1 and 8 to 11 are residents of Thumbe, Bantwal Taluk of S.K.

(Transferees)

- (2) M/s Sangam Plantations and its partners.
1. Mr. S. R. Ibrahim Khan, S/o Rasool Khan, Auditor and Advocate R/o Nehru Road, Shimoga.
2. Mr. T. Abdul Rahiman S/o T. Mohideen, Coffee Planter, R/o Magundi N. R. Pur Taluk.
3. Mr. M. R. S. Sambantham S/o Sockalingam, Coffee Planter, R/o Magundi, N.R. Pur Taluk.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 536/77-78 dated 6-1-1978]

The Coffee Estate Commonly known as Nellikoppa Estate situated at Thalagoda Village, Kalasa Hobli, Mudigere Taluk, bearing Survey No. 24/P, C.R.C. No. 5086 measuring 78 Acres 20 Gunthas.

D. C. RAJAGOPALAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Dharwar-4.

Datt : 12-9-1978

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri Beniprasad Kanoria and Ors.

(Transferor)

(2) Shri Girdhar Gopal Sharma.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE
BOMBAY

Bombay, the 14th August 1978

Ref. No. AR-I/3017-2/Feb. 78.—Whereas, J. F. J. FERNANDEZ,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.S. No. 2 C1/699 (Pt.) situated at Malba and Cumballa Hill Dn.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 18-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in Registered Deed No. 2597/72/ Bom. and registered on 18-12-1978 with the sub-Registrar Bombay.

F. J. FERNANDEZ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I Bombay

Date : 14-8-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 31st August 1978

Ref. No. AR.II/2535/2/Feb. 78.—Whereas, I. A. C. CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Pt. of S. No. 53 C.S. No. 444 situated at S.V. Road, Malad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 15-2-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Pankaj Builders Private Limited. (Transferor)
- (2) Vivek Mandir Co-operative Housing Society Ltd. (Transferee)
- (3) 1. Shri Jasavantlal M. Mehta.
2. Shri P. L. Padhiar.
3. M/s Paragaon Plastics.
4. Shri J. B. Mehta.
5. Smt. Asri Chunilal Bhatia.
6. Smt. Savitaben S. Sangani.
7. Smt. Madhukanta H. Shah.
8. Smt. Lachmi B. Vasawani.
9. Shri Mukund Singh Gruwar.
10. Shri Pradhan Jethabhai.
11. Smt. D. M. Bhatia.
12. Smt. Rewaben P. Mayani.
13. Shri Mahesh M. Kabbur.
14. Shri Bhawgandas Chtrabhuji Shah.
15. Shri Koshore V. Ruparel.
16. Shri Natubhai N. Desai.
17. Smt. Kantaben Kantilal Viramgama.
18. Shri Ramesh H. Bajaj.

[Person(s) in occupation of the property]

(4) —Do—

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground admeasuring 1,200 sq. yds. equivalent to 1,003 sq. metres or thereabout, with the building thereon consisting of ground and two upper floors consisting of six flats on each floor, situate at Swami Vivekanand Road, Malad in Greater Bombay and bears part of Survey No. 53 of Village Malad and Part of City Survey No. 444 of Malad South in the Registration Sub District of Bandra, Bombay Suburban District and is bounded as follows : that is to say on or towards the East by Plot No. 3 of the sub Division, on or towards the West by Plot No. 4 and beyond by the 15% area of land kept open and unbuilt upon for a recreation ground, on or towards the North by 30 feet common access and beyond by Plot No. 2 of the said sub Division belonging to Majithia Nagar Co-operative Housing Society limited and on or towards the South by land bearing Survey No. 53 of Malad. The property is a portion of larger property assessed by the Bombay Municipal Corporation under 'R' Ward 219. 225, R. 221, R. 220 Street Nos. 26, 27A, 26C, D and E, and 26A, Swami Vivekanand Road.

A. C. CHANDRA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 31-8-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 1st September 1978

Ref. No. A.P. 356/KPR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Jahangirpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Kapurthala on January 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bela Singh s/o Shri Sobha Singh, R/o Jahangirpur, Teh. Kapurthala.

(Transferor)

(2) S/Shri Bahadur Singh, Mohinder Singh and Charan Singh ss/o Jagat Singh s/o Khadak Singh, Vill. Bhandal Bet, Distt. Kapurthala.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 81 Kanals and 2 marlas in village Jahangirpur as mentioned in sale deed No. 2583 of January 1978 registered with the S.R. Kapurthala.

P. N. MALIK

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 1-9-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 1st September 1978

Ref. No. A.P. 357/FDK/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Kot Kapura, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on January 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Narain s/o Shri Maghi Mal s/o Shri Ghuna Mal, R/o Kot Kapura.
(Transferor)
- (2) Shri Mahant Sohan Dass Chela Baba Tabsi Puran Dass Chela Baba Punjab Dass, R/o Vill. Dhangar, Teh. Phul now Kot Kapura.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 63 Kanals and 12 marlas in Kot Kapura as mentioned in sale deed No. 3027 of January 1978 registered with the S.R. Faridkot.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 1-9-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 1st September 1978

Ref. No. A.P. 358/FDK/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Kot Kapura, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on January 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Dhan Kaur d/o Shri Sant Ram, Harbans Lal, Ram Parkash ss/o Shri Tulsi Ram, R/o Kot Kapura.
(Transferors)
- (2) Jangir Singh s/o Shri Sucha Singh and Gurmail Singh s/o Shri Jangir Singh, R/o Kot Kapura.
(Transferees)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 40 Kanals in Kot Kapura as mentioned in sale deed No. 3185 of January 1978 registered with the S.R. Faridkot.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 1-9-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 1st September 1978

Ref. No. A.P. 359/FDK/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Kot kapura, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on January 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Smt. Ram Rakhi w/o Shri Ram Narain s/o Shri Maghi Mal, R/o Kot Kapura.
(Transferor)
- (2) Mahant Sohan Dass Chela Baba Tabai Puran Dass, Chela Baba Punjab Dass, Kot Kapura.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 33 Kanals and 6 marlas in Kot Kapura as mentioned in sale deed No. 3035 of January 1978 registered with the S.R. Faridkot.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 1-9-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 1st September 1978

Ref. No. A.P. 360/BTI/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at V. Har Rai Pur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Bhatinda on January 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Naginder Singh s/o Shri Dodha Singh s/o Shri Boota Singh, R/o Har Rai Pur, Teh. Bhatinda.
(Transferor)
- (2) Smt. Balbir Kaur w/o Shri Harnek Singh s/o Shri Jugraj Singh, R/o Vill. Har Rai Pur, Teh. Bhatinda.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 79 Kanals and 15 marlas in village Har Rai Pur as mentioned in sale deed No. 4937 of January 1978 registered with the S.R. Bhatinda.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 1-9-1978

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 2nd September 1978

Ref. No. A.P. 361/FDK/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Faridkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on January 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bhagat Singh s/o Shri Mehar Singh s/o Shri Hamir Singh, Village Pipli, Distt. Faridkot.

(Transferor)

- (2) S/Shri Pala Singh, Mohinder Singh, Wasakha Singh etc. ss/o Shri Mehar Singh, Vill. Pipli, Distt. Faridkot.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 56 Kanals and 19 marlas in Faridkot as mentioned in sale deed No. 3079 of January 1978 registered with the S.R. Faridkot.

P. N. MALIK

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 2-9-1978

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER****OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BHATINDA**

Bhatinda, the 2nd September 1978

Ref. No. A.P. 362/FDK/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Vill. Abul Khurana, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Malout on January 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Jai Kaur wd/o Shri Bhagwan Singh s/o Shri Gani Singh, R/o Vill. Abul Khurana, Teh. Muktsar.
(Transferor)
- (2) S/Shri Baldev Singh, Balvinder Singh ss/o Surjit Singh, s/o Kishan Singh, R/o Vill. Abul Khurana, Teh. Muktsar.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 120 Kanals and 8 mrlas in village Abul Khurana as mentioned in sale deed No. 2368 of January 1978 registered with the S.R. Malout.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 2-9-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA.

Bhatinda, the 12th September 1978

Ref. No. A.P. 363/PHG/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on Jan. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Sh. Pritam Singh s/o Sh. Amar Singh (2) Sh. Ranjit Singh through Sh. Roop Rai, Mechanical Works, Khera Road, Phagwara.

(Transferor)

- (2) (1) Sh. Sohan Singh s/o Sh. Gurdev Singh (2) Smt. Gurmit Kaur w/o Sh. Sohan Singh, R/o Chahal Kalan, Distt. Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in a house situated at Khera Road, Phagwara as mentioned in sale deed No. 1742 of Jan., 1978 registered with the S.R. Phagwara.

P. N. MALIK

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 12-9-1978.

Seal :

FORM TINS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA.

Bhatinda, the 12th September 1978

Ref. No. A.P. 364/PHG/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on Jan. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

16—276GI/78

- (1) (1) Sh. Pritam Singh s/o Sh. Amar Singh (2) Sh. Ranjit Singh s/o Sh. Amar Singh through Sh. Roop Rai, Mechanical Works, Khera Road, Phagwara, (Transferor)
- (2) (1) Sh. Sohan Singh s/o Sh. Gurdev Singh (2) Smt. Gurmit Kaur w/o Sh. Sohan Singh, R/o Chahal Kalan, Distt. Jullundur. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in a house situated at Khera Road, Phagwara as mentioned in sale deed No. 1743 of Jan., 1978 registered with the S.R. Phagwara.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 12-9-1978.
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA.

Bhatinda, the 13th September 1978

Ref. No. A.P. 365/FDK/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Kotkapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Faridkot on Jan., 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Shibu Ram s/o Sh. Ghamandi Lal s/o Sh. Govardhan Dass R/o Kotkapura.

(Transferor)

(2) Shri Dewan Chand s/o Gurditta Mal s/o Seth Sunder Dass R/O Kotkapura.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two storeyed building bearing No. B-VIII/703 situated in Grain Market, Kotkapura as mentioned in Regd. deed No. 2983 of January 1978 Registered with the Sub-Registrar, Faridkot.

P. N. MALIK

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 13-9-78.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, 60/61 ERANDAWANA,
KARVE ROAD, POONA : 411004.**

Poona-411004, the 19th August 1978

Ref. No. CA5/Nasik/March '78/367/78-79.—Whereas, I, SMT. P. LALWANI,

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 37 situated as 649-A/1-1 situated at Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nasik on 17-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Indumati Gajanan Gupte,
R/o Paramsukh Co-operative Housing Society,
Gavand Road, Naupada, Thane.

(Transferor)

- (2) Dr. Sudhakar Eknath Kotwal,
M. G. Road, Mundada Market, Nasik-1.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 37 situated as 649-A/1-1 at Nasik.
(Property as described in the sale deed registered under No. 384 dated 17-3-78 in the office of the Sub-Registrar, Nasik).

SMT. P. LALWANI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Poona.

Date : 19-8-1978.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, 60/61 ERANDAWANA,
KARVE ROAD, POONA : 411004.

Poona-411004, the 19th August 1978

Ref. No. CA5/Karveer/March '78/366/78-79.—Whereas, I,
SMT. P. LALWANI,being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a
fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.Plot No. 70, E-Ward, Pratibha Nagar Co-op. Housing
Society Ltd. Sagarmal, situated at Kolhapur(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Kolhapur on 13-3-1978for an apparent consideration which is less than the fair mar-
ket value of the aforesaid property, and I have reasons to be-
lieve that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri M. C. Joshi,
1383, 2nd land, Rajarampuri, Kolhapur.
(Transferor)

(2) Shri V. B. Bawaldar,
E-1292, Bagal Chowk, Kolhapur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 70, E-Ward, Pratibha Nagar Co-operative Housing
Society Ltd., Sagarmal, Kolhapur.

(Property as described in the sale deed registered under
No. 441 dated 13-3-1978 in the office of Sub-Registrar,
Kolhapur).

SMT. P. LALWANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 19-8-1978.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, 60/61 ERANDAWANA,
KARVE ROAD, POONA - 411004.

Poona 411004, the 19th August 1978

Ref. No. CA5/Nandgaon/March '78/368/78-79.—Whereas, I, SMT. P. LALWANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S No 76/1B+2A+2B 76-2A situated at Manmad, Tal Nandgaon, Dist Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nandgaon on 2-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Digambar Chunilal Gujrathi,
Manmad, Taluka Nandgaon, Dist Nasik.

(Transferor)

(2) Shri Shantlal Uttamchand Mutha & others,
Manmad, Tal. Nandgaon, Dist. Nasik.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands situated at S No 76/1B+2A+2B 76-2A at Manmad, Tal Nandgaon, Dist Nasik.

(Property as described in the sale deed registered under No. 27 dated 2-3-78 in the office of the Sub-Registrar, Nandgaon)

SMT. P. LALWANI

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 19-8-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, 60/61 ERANDAWANA,
KARVE ROAD, POONA : 411004.

Poona-411004, the 28th August 1978

Ref. No. CA5/Haveli-I/Feb '78-369.—Whereas, I,
SMT. P. LALWANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.T.S. No. 251, Narayan Peth situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-I, Pune on 18-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Y. S. Sane, 135/5, Erandawana, Pune-4.
(2) Shri M. R. Khandekar, 528, Narayan Peth, Pune.
(3) Shri D. D. Suryavanshi, 12, Stavely Road, Pune.
(Transferors)
- (2) Shri A. J. Jadhavrao, 1202/3/14, Apte Road, Pune-4.
(Transferee)
- (3) Nil
- (4) (1) Arvind Shrinivas Kirtane,
(2) Pankaj General Trading Co.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situated at C.T.S. No. 251, Narayan Peth, Pune, admeasuring 278.559 mets.

(Property as described in the sale deed registered under No. 335 dated 18-2-1978 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-I, Pune).

SMT. P. LAIWANI
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 28-8-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 14th June 1978

Ref. No. Acq. 23-I-1483(670)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F.P. No. 262, 263, T.P.S. 26, situated at Vasna, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 19-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Keshavlal Chababhai Kaita of H.U.F.
M/s. Girja Sut Corporation,
Vasna, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Chandra Prabha Coop. Housing Society;
Chairman : Shri Haribhai Shankerbhai Patel,
Near Virram Park Society, Vasna, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 5625 sq. yds. with foundation work done of 4 blocks bearing F.P. No. 262, 263 of T.P.S. 26, situated at Vasna, Ahmedabad and as fully described in sale deed No. 723/78 dated 19-1-1978 registered by Sub-Registrar, Ahmedabad.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 14th June, 1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 25th July 1978

Ref. No. Acq. 23-I-1540(686)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 335 Paiki Sub-Plot No. 1-A situated at Village Ghantlodia, Ahmedabad Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Devmurari Prabhudas Kalyandas Gandhi,
Village Navrangpura, Ahmedabad.
(Transferor)
- (2) Shri B. Thakker, Chairman of
Abhinandan Co-op. H. Sec. Ltd.,
C/o. Abhinandan & Company,
Opp : Jain Derasar, Usmanpura, Ahmedabad-14.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land situated at Ghantlodia Village, Dist. Ahmedabad bearing S. No. 335 Paiki Sub-Plot No. 1-A 2984-2/3 sq. yds. land—duly registered by Registering Officer of Ahmedabad as per Sale-deed No. 607/17-1-1978 in the month of January, 1978 and as fully described in the said Sale-Deed.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 25-7-1978
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Girishkumar Prabhudas Gandhi,
Village : Navrangpura,
Ahmedabad-9.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri B. Thakker, Chairman of
Abhinandan Co-op. H. Society Ltd.,
C/o. Abhinandan & Company,
Opp : Jain Derasar, Usmanpura, Ahmedabad-14.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 25th July 1978

Ref. No. Acq. 23-I-1540(687)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 335 Paiki—Sub-Plot No. 1-C situated at Village Ghantlodia, Ahmedabad Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land situated at Ghantlodia Village, Dist. Ahmedabad bearing S. No. 335 Paiki Sub-Plot No. 1-C-2984-2/3 sq. yds. land—duly registered by Registering Officer of Ahmedabad as per Sale-deed No. 608/17-1-1978 in the month of January, 1978 and as fully described in the said Sale-Deed.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—276GI/78

Date : 25-7-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 25th July 1978

Ref. No. P.R. No. Acq. 23-I-1540 (688)1-1/77-78.—

Whereas, I, S. C. PARIKH;

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 335 Paiki Sub-Plot No. 1-B situated at Ghantlodia Village, Ahmedabad Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Smt. Ramkunverben wife of Prabhudas Kalyandas Gandhi, Village Navrangpura, Ahmedabad-9.
- (2) Shri B. Thakker, Chairman of Abhinandan Co-op. H. Soc. Ltd., C/o. Abhinandan & Company, Opp : Jain Derasar, Usmanpura, Ahmedabad-14.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land situated at Ghantlodia Village, Dist. Ahmedabad bearing S. No. 335 Paiki Sub-Plot No. 1-B 2984-2/3 sq. yds. land—duly registered by Registering Officer of Ahmedabad as per Sale Deed No. 609/78 in the month of January, 1978 and as fully described in the said Sale-Deed.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 25-7-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 26th July 1978

Ref. No. P.R. No. Acq. 23-I-1647(689)/16-6/77-78.—
Whereas, I S. C. PARIKH;

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding No. Double storied building situated at Dhebar Road, Just Opposite to Laxmi Furniture

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 4-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Lalitaben Dhanjibhai Chaniara,
Dhebar Road, Opp. Mehta Petrol Pump,
Rajkot.

(Transferor)

- (2) Smt. Shobhnaben Janakray Mehta,
Kalawad Road,
Kiritnagar—Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two storied building standing on land admeasuring 143.258 sq. yds. situated, just Opposite to Laxmi Furniture, on Dhebar Road, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 28, Dt. 4-1-78.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 26-7-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Harishanker Vora (Properties) Pvt. Ltd. Power of Attorney Holder : Shri Jivram Shankerji Dave, 5-Kevadavadi, Rajkot.

(Transferor)

(2) Soni Bhagvanji Parsottam Public Charitable Trust, 1, Mehul Nagar Near Nilkanth Talkies, Rajkot.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 1st August 1978

No. Acq.23-I-1650(691)/16-6/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Panchnath Plot 11, situated at "Dhrol House" 11, Panchnath Plot, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 20-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One residential bldg. standing on land admeasuring 887-5-0 sq. yds. situated at 11, Panchnath Plot known as "Dhrol-House" Rajkot and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 236 dated 20-1-1978.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated : 1st August, 1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009**

Ahmedabad-380009, the 1st August 1978

No. Acq.23-I-1695(692)/16-6/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Bldg. known as "Modi-House" situated at Jawahar Road, Opp. Alfred High School, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 11-1-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hasmukhlal Savbhagyachand Modi, P. O. A. Holder : Shri Savbhagyachand Motichand Modi; Diwanpara, 6-Prabha Villa, Rajkot.

(Transferor)

- (2) Trustees of Dipakbhai Family Trust, (i) Shri Jawaharlal Prabhaskar Daftary, (ii) Shri Dipakbhai J. Daftary, 4th Floor, 419-A, Panchratna, Mama Parmanand Marg, Bombay-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed building known as "MOTI HOUSE" standing on land admeasuring 682 sq. yds. situated on Jawahar Road, Opp. Alfred High School, Rajkot and as fully described in 'sale-deed No. 105 registered with Sub-Registrar, Rajkot on 11-1-1978.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated : 1-8-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 8th August 1978

Ref. No. Acq.23-I-1726(693)/16-6/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 389 situated at Pradhumannagar, Panchnath Plot, Sheri No. 17, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on January 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Mangalagauri Narandasbhai, Panchnath Plot No. 17, Rajkot.

(Transferor)

- (2) Shri Rameshchandra Dhirajlal Shah, Panchnath Plot-9, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building on land (bearing S. No. 389) adm. 175 sq. yds. situated at Pradhumannagar, Panchnath Plot, Sheri No. 17, duly registered by Registering Officer, Rajkot as per Sale-deed No. 1289/January, 1978 and as fully described in the said sale-deed.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 8-8-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 8th August 1978

Ref. No. Acq. 23-I-1727(694)/16-6/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — situated at Near Saurashtra High School, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 16-1-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jaswantkunverba Gadarsinhji Jhala,
Kashi Vishvanath Plot, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Yogeshchandra Vallabhdas Shah,
C/o Maharanas Vallabhdas Shah,
Lakhejra Road, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building on land adm. 660.69 sq. metre situated near Saurashtra High School, Rajkot, duly registered by Registering Officer, Rajkot as per Sale-deed No. 170/16-1-78 and as fully described in the said sale-deed.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 8-8-1978
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Vinodkumar Dhansukhlal
Gale Mandi, Moti Sheri, Surat.

(Transferor)

(2) 1. Shri Abdulrezak Miya Ahmed Gajiwala.
2. Shri Mohmed Sharif Miya Ahmed Gajiwala;
3. Smt. Saherabibi Miya Ahmed Gajiwala;
Ambawadi, Indrapura, Surat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th August 1978

Ref. No. P.R. No. 601 Acq.23-1076/19-7/78-79.—

Whereas, I, S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

Ward No. 15 (Final Plot No. 69) City Survey No. 1560
S. No. 97 paiki situated at Umarwada, Surat
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Surat on 5-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reasons to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act, in res-
pect of any income arising from the transfer, and/
or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building bearing Ward No. 15 (Final Plot No.
69) City Survey No. 1560, Survey No. 97 paiki, situated at
Umarwada, Surat admeasuring 613 sq. yds. as described in
the sale deed registered under Registration No. 182 in the
month of January, 1978 by the Registering Officer, Surat.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-
sons, namely :—

Date : 9th August, 1978.
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.**

Ahmedabad-380 009, the 9th August 1978

Ref. No. P. R. No. 602 Acq. 23-1075/19-7/78-79.—

Whereas, I S. C. PARIKH;

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ward No. 9, Nondh No. 2496 situated at Bhukhandas Sheri, Balaji Road, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 2-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

18—276GI/78

- (1) 1. Shri Madhuker Manilal self and P.A. Holder of; (i) Sarju Madhuker, (ii) Sonia Madhuker, 11-12, Harish Bldg. Dixit Rd. Ville Parle, Bombay-57.
2. Shri Jitendra Hiralal Patel self and P.A. Holder of; (i) Rupali Jitendra Patel, (ii) Sahil Jitendra Patel, (iii) Hetal Jitendra Patel, Balaji Road, Surat.
3. Shri Chandrabas Manilal Patel self and P.A. Holder of; (i) Parul Chandrabas, (ii) Apurva Chandrabas Patel, Balaji Road, Surat.
4. Samirkumar Manilal Patel self and P.A. Holder; (i) Niraj Amirkumar Patel, Balaji Road, Surat.
(Transferor)

- (2) 1. Shri Babubhai Kashiram Tamakuwala; Chauta Bazar, Surat.
2. Urmilaben W/of Babubhai Kashiram;
3. Shri Rameshchandra Babubhai Tamakuwala;
4. Shri Dilipkumar Babubhai Tamakuwala;
5. Shri Ashokkumar Babubhai Tamakuwala;
6. Shri Navnitlal Babubhai Tamakuwala;
7. Shri Nareshkumar Babubhai Tamakuwala;
8. Minor Rajendrakumar Babubhai Tamakuwala;
9. Minor Pareshkumar Babubhai Tamakuwala;
P.A. Holder of 8 & 9 Shri Babubhai Kashiram Tamakuwala; All at Chauta Bazar, Surat.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Ward No. 9, Nondh No. 1496 situated at Bhukhandas Sheri, Balaji Road, Surat admeasuring 169 sq. yds. as described in the sale deed registered under registration No. 137 in the month of January, 1978 by registering Officer, Surat.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 9th August, 1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 10th August 1978

Ref. No. Acq. 23-I-1465(695)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 76 Paiki Sub-Plot No. 2 situated at Taltej, Tal. Daskroi, Dist. Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Ahmedabad on 4-1-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Rameshchandra Kantilal Patel & Other,
NILDHARA Ellisbridge,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Proposed Nirant Park House Owners Association through : Shri Vinodchandra Jethalal Patel & Others, Navrangpura, Swati Society, Ahmedabad.

2. Nirant Park House Owner's Association,
C/o. Shri Rasiklal R. Surti,
19, Sabarkunj Society, Ahmedabad-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 10466.50 sq. yds. bearing S. No. 76 Paiki Sub-Plot No. 2,—situated at Thaltej Tal. Daskroi, Dist. Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide Sale-deed No. 104/4-1-78 and as fully described in the said sale-deed.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 10-8-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 10th August 1978

Ref. No. P.R. No. Acq. 23-I-1465(696)/1-1/77-78.—

Whereas, I S. C. PARIKH;

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.S. No. 79/1 and 79/2 Paiki Sub-Plot No. A situated at
Thaltej, Tal. Daskroi, Dist. Ahmedabad(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ahmedabad on 4-1-1978for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reasons to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefore by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Maniben Kantilal Patel & Other,
'NILDHARA', Ellisbridge,
Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) 1. Proposed Nirant Park House Owners Association,
through : Shri Vinodchandra Jethalal Patel &
Others, Navrangpura, Swati Society, Ahmedabad.

2. Nirant Park House Owners Association,
C/o, Shri Rasiklal R. Surti,
19, Sabarkunj Society, Ahmedabad-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XVA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 17182 sq. yds. bearing S. No. 79/1 & 79/2
Paiki Sub-Plot No. A—situated at Thaltej Tal. Daskroi, Dist.,
Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad,
vide Sale-Deed No. 103/4-1-78 and as fully described in the
said sale-deed.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 10-8-1978

Seal :

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 10th August 1978

Ref. No. Acq. 23-I-1465(697)/1-1/77-78.—Whereas, I,
S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

S. No. 79/1 and 79/2, Paiki Sub-Plot No. B.
situated at Thaltej, Tal. Daskroi, Dist. Ahmedabad
and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Ahmedabad on 4-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reasons to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Kantilal Khushaldas Patel & Other,
"NILDHARA", Ellisbridge,
Ahmedabad.

(Transferors)

- (2) 1. Proposed Nirant Park House Owners Association,
through : Shri Vinodchandra Jethalal Patel &
Other, Navrangpura, Swati Society, Ahmedabad.
2. Nirant Park House Owners Association,
C/o Shri Rasikbhai R. Surti,
19, Sabarkunj Society, Ahmedabad-4.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 17004.23 sq. yds. bearing S. No. 79/1 and
79/2 Paiki Sub-Plot No. B, situated at Thaltej, Tal. Daskroi,
Dist. Ahmedabad, duly registered by Registering Officer,
Ahmedabad vide Sale Deed No. 102/4-1-1978 and as fully
described in the said sale-deed.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 10-8-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 10th August 1978

Ref. No. Acq. 23-I-1465(698)/1-1/77-78.—Whereas, I,
S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

S. No. 76 Paiki Sub-Plot No. 1 situated at
Thaltej, Tal. Daskroj, Dist. Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ahmedabad on 4-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid
property, and I have reasons to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hamendrakumar Kantilal Patel,
"NILDHARA", Ellisbridge,
Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) 1. Proposed Nirant Park House Owners Association,
through : Shri Vinodchandra Jethalal Patel &
Other, Navrangpura; Swati Society,
2. Nirant Park House Owners Association;
C/o Shri Rasikbhai R. Surti,
19, Sabarkunj Society, Ahmedabad-4.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 10466.50 sq. yds. bearing S. No. 76 paiki
Sub-Plot No. 1—situated at Thaltej, Tal. Daskroj, Dist.
Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmeda-
bad vide sale-deed No. 101/4-1-1978 and as fully described
in the said sale deed.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 10-8-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE;
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 10th August 1978

Ref. No. Acq. 23-I-1465(699)/I-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 77, Paiki Sub-Plot No. 2
Thaltej, Tal. Daskroj, Dist. Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 21-1-1978

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Rameshchandra Kantilal & Other,
"NILDHARA", Ellisbridge,
Ahmedabad.

(Transferors)

- (2) 1. Proposed Nirant Park House Owners Association, through : Promoter Shri Rameshbhai Nandlal Kothari & Others, Navrangpura, Minita Apartment, Ahmedabad.
2. Nirant Park House Owners Association, C/o Shri Narendra K. Patel, 10, Textile Technician Society, Ahmedabad-9.

(Transferees)

Objections, if any to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 11858 sq. yds. with building bearing S. No. 77 Paiki Sub-Plot No. 2 situated at Thaltej, Tal. Daskroi, Dist. Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide Sale-deed No. 873 dated 21-1-78 and as fully described in the said sale-deed.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 10-8-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE;
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 11th August 1978

Ref. No. Acq. 23-I-1465(700)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 75 Paiki Sub-Plot No. 1 Thaltej, Tal. Daskroi, Dist. Ahmedabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on December, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Kantilal Khushaldas Patel,
"NILDHARA", Ellisbridge,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Proposed Nirant Park House Owners Association, through : Promoter Shri Rameshbhai Nandlal Kothari & Others, Navrangpura, Minita Apartment, Ahmedabad.

2. Nirant Park House Owners Association,
C/o Shri Narendra K. Patel,
10, Textile Technician Society,
Ahmedabad-9.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 18876 sq. yds. with building bearing S. No. 75 Paiki Sub-Plot No. 1, situated at Thaltej, Tal. Daskroi, Dist. Ahmedabad duly registered by Registering Officer Ahmedabad vide sale-deed No. 871/21-1-78 and as fully described in the said sale-deed.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 11-8-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE;
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 11th August 1978

Ref. No. Acq. 23-I-1465(701)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 75—Paiki Sub-Plot No. 2 Thaltej, Tal. Daskroi, Dist. Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 21-1-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Maniben Kantilal Patel,
'Nildhara', Ellisbridge,
Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) 1. Proposed Nirant Park House Owners Association, through Shri Narendra K. Patel, Kothari & Others, Navrangpura, Minita Apartment, Ahmedabad.
2. Nirant Park House Owners Association, through : Shri Narendra K. Patel, 10, Textile Technician Society, Ahmedabad-9.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 18876 sq. yds. with building bearing S. No. 75 Paiki Sub-Plot No. 2 situated at Thaltej, Daskroi, Dist. Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide Sale-deed No. 869/21-1-1975 and as fully described in the said Sale-deed.

S. C. PARIKH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 11-8 1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Hamendrakumar Kantilal Patel,
'Nildhara', Ellisbridge,
Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE;
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 11th August 1978

Ref. No. Acq. 23-I-1465(702)/1-1/77-78.—Whereas, I,
S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
S. No. 77 Paiki Sub-Plot No. 1
Thaltej, Tal. Daskroi, Dist. Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ahmedabad on 7-1-1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reasons,
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed
to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
19—276GI/78

(2) 1. Proposed Nirant Park House Owners Association,
through : Promoter Shri Rameshbhai Nandlal
Kothari & Others, Navrangpura,
Minita Apartment, Ahmedabad.

2. Nirant Park House Owners Association,
C/o Shri Narendra K. Patel,
10, Textile Technician Society,
Ahmedabad-9.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective
persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 11858 sq. yds. with building bearing S. No. 77
Paiki Sub-Plot No. 1—situated at Thaltej, Tal. Daskroi, Dist.
Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmeda-
bad vide Sale-deed No. 2-1/7-1-1978 and as fully described
in the said sale deed.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 11-8-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.**

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE;
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 11th August 1978

Ref. No. Acq. 23-I-1488(703)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE F.P. No. 195, Part of Sub-Plot No. 1 and 2 of TPS 14 situated at Shahibaug, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-1-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Gautam Sarabhai } 'Retreat', Shahibaug,
2. Gira Sarabhai } Ahmedabad.
- 3. Smt. Leena M. Mangaldas, Mangalbaug,
Ellisbridge, Ahmedabad,
Surviving Executors & trustees of the Estate
of Ambalal Sarabhai.
(Transferors)
- (2) Sarabhai Management Corporation Ltd.,
Shantisadan, Mirzapur Road,
Ahmedabad.
(Transferors)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property (with structure) standing on land admeasuring 4738-37 sq. metres, bearing S. No. 169, 172 and 173 F.P. No. 195, part of Sub-Plot Nos. 1 & 2 of T.P.S. No. 14 and situated at Shahibaug, Ahmedabad.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 11-8-1978

Seal;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE;
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 11th August 1978

Ref. No. Acq. 23-I-598(704)/10-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R. S. No. 211, 212, 213, 214 and 215-1 situated at M.P. Shah Municipal Industrial Estate, Jamnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 16-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

(1) Jamnagar Mini Fertilizer Project Pvt. Ltd.
Managing Director : Shri Dalicha and Manekchand Dharwada, New Super Market, Jamnagar.

(Transferor)

- (2) M/s. Janak Oil Industries,
Through partners :
1. Shri Mahendrakumar Narottamdas, Patel Colony, Jamnagar.
 2. Shri Nitinkumar Narottamdas, 6, Patel Colony, Jamnagar.
 3. Shri Bharatkumar Manilal, 6, Patel Colony, Jamnagar.
 4. Shri Pravinkumar Narottamdas, 6, Patel Colony, Jamnagar.

5. Shri Manilal Ramji,
father and guardian of minors :

- | | |
|--------------------------------|-----------------------------|
| (i) Shri Rajnikant Manilal | } Kanyashala Road, Bhavnad. |
| (ii) Shri Bipinkumar Manilal | |
| (iii) Shri Sanjaykumar Manilal | |

6. Shri Narottamdas Ramji,
guardian and father of Dipakkumar Narottamdas, Bhavnad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Workshop building, office, store block, foundry shed etc. standing on land admeasuring 16420.2 sq. ft. bearing R.S. No. 211, 212, 213, 214 and 215-1, Plot No. B.31, situated in M. P. Shah Municipal Industrial Estate, Jamnagar and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 182 dated 16-1-1978.

S. C. PARIKH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 11-8-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE;
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 11th August 1978

Ref. No. Acq. 23-I-1728(705)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 211-1, 212-A-2 and 412 Hissa No. 4 of TPS.14, F.P. 275 sub-plot No. 2 situated at Dariapur Kazipur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-1-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Hariprasad D. Lashkari,
Power of Attorney holder of
Shri Anilkumar H. Lashkari,
Durgesh Bungalow, Shahibaug,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Kanubhai Punjalal Gajjar,
1185-1, New Asarwa,
Ahmedabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 493 sq. yds. bearing S. No. 211-1, 212-A-2, and 412, Hissa No. 4, of T.P.S. 14, F.P. No. 275, sub-plot No 2, situated at Dariapur Kasipur, Near Dafnala Bus Stand, Shahibaug, Ahmedabad.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 11-8-1978

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE;
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Hyderabad, the 18th August 1978

Ref. No. Acq. 23-I-1631(706)/10-1/77-78.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. City Survey No. 1-G-4, Plan No. 11, Sub-Plot Nos. 32, 33, 34 and 78 situated at Bedi Bunder Road, Jampuri Estate, Jamnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 13-1-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Amba Vijaya Private Ltd.,
Sussex Lodge, Jamnagar.
(2) Shri Devubha Panchanji,
Sadodar.

(Transferor)

- (2) M/s. D. Girdharilal & Co.,
Through partners :
(1) Shri Dolarrai P. Premani,
(2) Shri Dilipbhai P. Premani,
(3) Shri Anilbhai P. Premani,
(4) Shri Jayeshkumar D. Premani,
(5) Shri Girdharilal Vrajlal Pobare,
(6) Shri Manharilal Vrajlal Pobare,
Grain Market, Jamnagar.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the date of the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 19165-00 sq. ft. bearing City Survey No. 1-G-4; Plan No. 11; Sub-Plot Nos. 32, 33, 34 and 78 situated at Bedi Bunder Road, Jampuri Estate, Jamnagar and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 106 dated 13-1-1978.

J. KATHURIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 18-8-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE;
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th September 1978

Ref. No. P.R. No. 611 Acq.23-1069/19-8/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ward No. 13/4/4 paiki situated at
Athwa Lines, Near Diwali Baug, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on January 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Rajan Prakashchandra Shah;
P.A. Holder :
Shri Prakashchandra Amichand Shah;
Rampura, Tunki, Surat.

(Transferor)

- (2) Vaibhav Apartments Coop. Housing Society Ltd.,
President : Pramodkumar Chagganlal Choksi;
Secretary : Jashwantlal Mohanlal Mandalewala;
Athwa Lines, Near Diwali Baug,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Ward No. 13/4/4 paiki situated at Athwa Lines, near Diwali Baug, Surat admeasuring 737.6 sq. yds. as described in the sale-deed registered under registration No. 596 in the month of January, 1978 by the registering Officer, Surat.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 11th Sep 1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Haji Md. Abdul Hamid Choudhury,
Banamali, Karimganj,
Cachar (Assam).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sampat Lal Jain,
S/o Mohan Lal Jain,
Station Road, Karimganj,
Cachar (Assam).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
SHILLONG

Shillong, the 6th June 1978

Ref. No. A-182/KRJ/78-79/1961-62.—Whereas, I,
EGBERT SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immova-
ble property having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing No.

Taluk 15025/338 Taluk Kajil situated at
Ward No. 18 holding No. 176 of Karimganj
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Karimganj on 31-1-78

for an apparent consideration which is less than the fair mar-
ket value of the aforesaid property and I have reasons to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act', in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-
sons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2½ Jasti (2 katta approximately) situated
at Old Station Road, Karimganj alongwith a house under
Taluk No. 15025/338 in the district of Cachar, Assam (Half
portion).

EGBERT SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Date : 6-6-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
SHILLONG

Shillong, the 9th June 1978

Ref. No. A-184/KRJ/78-79/1983-87.—Whereas, I, EGBERT SINGH

being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Taluk No. 14780/91, 14800/114, 14865/176, 14883/156, 11610, situated at Pargana Khushiarkul, mouza Khalacharra, Karimganj (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Karimganj on 31-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Monorama Das
W/o Late Sarada Charan Das
2. Shri Saraj Kumar Das
3. Shri Pravath Chandra Das
4. Shri Sitangahu Sakhar Das
S/o Late Sarada Charan Das (2 to 4)
Ward No. 5, Karimganj, Cachar.

(Transferor)

- (2) Shri Samareesh Roy Choudhury
S/o Shri Subodh Ranjan Roy Choudhury
Nilmani Road, Karimganj.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 15 Katha (Bengali) along with a house of Assam type measuring 700 Sq. ft. situated at Nilmani Road, Karimganj, District Cachar, Assam.

EGBERT SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Date : 9-6-1978

Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
SHILLONG

Shillong, the 8th September 1978

Ref. No. A-190/Gan/78-79/2334-36—Whereas, I,
EGBERT SINGH

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dag No. 380, K.P. Patta No. 252

situated at Mouza Ulubari, N.T. Ulubari, Gauhati, Assam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gauhati on 9-1-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
20—276GI/78

- (1) Shri Mukh Ram Kumar,
Ulubari, Gauhati.

(Transferor)

- (2) 1. Ladu Gopal Agarwalla,
Fancy Bazar, Gauhati.
2. Sri Ghisalal Agarwalla,
Barpeta Road, District Kamrup.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 (One) Bigha of Dag No. 388, K.P. Patta No. 252 of mouza Ulubari, new town Ulubari, Gauhati, in the District of Kamrup, Assam situated at Ulubari, G.S. Road, Gauhati, Assam.

EGBERT SINGH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Date : 8-9-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 6th September 1978

Ref. No. R-126/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One House including Land situated at Udaipur Khas Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bareilly on 27-1-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Smt. Ganga Devi w/o Shiv Prasad (& others).
(Transferor)
- (2) Shri Raj Kumar s/o Ghanshyam Dass.
(Transferee)
- (3) Smt. Ganga Devi.
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning of given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house including Land situate at Udaipur khas/Bareilly measuring 364.17 Sqr. meter and all that description at the property which is mentioned in the sale deed and form 37-G No. 735/78 duly registered at the office of the Sub-Registrar Bareilly on 27-1-1978.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Dated : 6-9-1978
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Dev Bhandari, (Transferor)
 (2) Dr. Krishan Kant Pandey, (Transferee)
 (3) Dr. Krishan Kant Pandey, (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 6th September 1978

Ref. No. 83-K/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

9-A situated at Krishan Nagar, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 2nd Jan. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house bearing No. 9-A Krishan Nagar Lucknow and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37-G No. 1 of 78 duly registered at the office of the Chief Sub-Registrar Lucknow on 2-1-78.

AMAR SINGH BISEN,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range Lucknow.

Dated : 6-9-1978

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.

COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, 57, RAMTIRTH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 6th September 1978

Ref. No. M-102/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-I, Block, 38, Civil Lines, Bareilly situated at (35/I-B, Block, Rampur Garden), Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 18-1-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. The Ideal Cooperative Housing Society Ltd., Bareilly.
(Transferor)
- (2) Shri Mahesh Chandra Gupta s/o late Sahu Beni Ram.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property Kothi No. B-I, Block, 38-Civil Lines, Bareilly (35/I-B, B-Block, Rampur Garden), 38-Civil Lines Bareilly and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 356 duly registered at the office of Sub Registrar, Bareilly on 18-1-1978.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Dated : 6-9-1978
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1962)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, LUCKNOW**

Lucknow, the 20th September 1978

Ref. No. P-66/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24, situated at Bisheshwar Nath Road, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Lucknow on 25-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Rameshwari Garg.

(Transferor)

(2) Smt. Preetam Kumari Arora.

(Transferee)

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house bearing No. 24 measuring 4088 Sft. situate at Bisheshwar Nath Road, Lucknow and all that description of the property which is mentioned in the Sale Deed and Form 37G No. 378 which have duly been registered on 25-1-78 by the Sub Registrar, Lucknow.

A. S. BISEN,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Lucknow.

Dated : 20-9-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) S/Shri Siaram, Gopal Krishan & Ravindra Nath.
(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri Shiv Mohan Prasad, Shakti Kumar and Pawan Kumar All Sons of Shri Satya Narain Prasad.
(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 21st September 1978

Ref. No. S-170/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 532, 532/1 including land situated at Bharauli Bazar, Distt. Deoria

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Deoria on 10-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 532-532/1 including land situate at Bharauli Bazar Distt. Deoria and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and form 37-G No. 154 duly registered at the office of the Sub-Registrar, Deoria.

AMAR SINGH BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Lucknow.

Dated : 21-9-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 16th September 1978

Ref. No. I.A.C. Acq.I/SR-III/263/Jan.8/77-78/2947.—

Whereas, I, J. S. GILL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

D-89 situated at Kalkaji, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 6-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. L. S. Shahani (Smt. Lachmi Bai S. Sabni) w/o late Shri Sirumal Shahani c/o Shri G. P. Shahani, R/o R-115, Greater Kailash-I, New Delhi-48.

(Transferor)

- (2) Shri M. L. Mukhi s/o late Mukhi Mahesh Chand and Mrs. Nirmal Kumari w/o Mr. M. L. Mukhi R/o E-593, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of land bearing No. 89, Block No. D measuring 453 sq. yds. situated at Kalkaji, New Delhi.

J. S. GILL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Dated : 16-9-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001.

New Delhi, the 16th September 1978

Ref. No. I.A.C. Acq. I/SR-III/264/Jan.9/77-78/2947.—
Whereas, I, J. S. GILL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

244 situated at C-Block, Defence Colony, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 6-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reasons,
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely—

- (1) Shri Bal Kishan Kapoor (HUF) through Mr. Bal
Kishan Kapoor for self and as a Karta of the said
HUF (2) Dewan Ranjit Rai Kapoor s/o Shri Dewan
Daulat Rai Kapoor R/O C-96, Defence Colony,
New Delhi.

(Transferors)

- (2) Smt. Asha Nath w/o Mr. Achal Nath R/O D-885,
New Friends Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

A 2½ storeyed building constructed on a plot of land bearing
No. C-244, measuring 325 sq. yds. situated at Defence Colony,
New Delhi and bounded as under :

North : Service Lane.
South : Road.
East : Property No. 245.
West : Property No. 243.

J. S. GILL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Dated : 16-9-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 16th September 1978

Ref. No. I.A.O. Acq.I/SR-III/376/March/78-79/2947.—

Whereas, I, J. S. GILL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

54, Golf Links situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi, on 21-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
21—276GI/78

- (1) M/s. United Hotel Pvt. Ltd. Hotel Ambassador, Surjan Singh Park through their Managing Director Shri Ram Pershad s/o late Shri Beni Pd. R/o J-14, Hauz Khas, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Spiritual Regeneration Movement Foundation, Shankaracharya Nagar, Rishikesh (UP) through their Secretary 1. Shri Profulla Shrivastava s/o Shri IBL Shrivastava & Sh. SP Gupta s/o Sh. Ramphal Gupta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A 2½ storeyed bungalow with two garages and servant quarters built on a lease-hold residential plot of land bearing No. 54, measuring 1,524.7 sq. yds. situated in Block No. 10 in the residential colony known as Golf Links, New Delhi.

J. S. GILL,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Dated : 16-9-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 16th September 1978

Ref. No. I.A.C. Acq.I/SR-III/377/March/78-79/2947/2947
Whereas, I, J. S. GILL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 55, Golf Links, situated at New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi, on 19-3-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Bimla Devi w/o Sh. Ram Pd. R/O J-14, Hauz Khas, N. Delhi, Sh. Rajinder Kumar s/o Ram Pd. R/O J-14, Hauz Khas, N. Delhi, Sh. Pawan Pd. s/o Sh. Ram Pd. R/O of J-14, Haus Khas, N. Delhi, Smt. Veena Khanna, w/o Sh. Anil Kumar Khanna R/O 873, Soami Nagar, N. Delhi.

(Transferors)

- (2) The Mahila Dhyani Vidya Peeth (D-124 Defence Colony, N. Delhi) through its Vice-President (Miss Kirti Srivastava R/O Sh. I. B. L. Srivastava) General Secretary (Miss Anjali Narundker, daughter of Sh. R. P. Nargunskar).

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A 2½ storeyed bungalow with two garages and servant quarter built on a lease-hold residential plot of land bearing No. 55 and measuring 1514 sq. yds. situated in Block No. 10 in the residential colony known as Golf Links, New Delhi.

J. S. GILL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi,

Dated : 16-9-1978
Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 14th September 1978

Ref. No. I.A.C. Acq. II/Jan. 55/3551/7879/2934.—Whereas, I, KANWARJIT SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

WZ-8 situated at Kirti Nagar Industrial Area, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 16-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Rajinder Singh & Surinder Singh sons of Shri Sohan Singh r/o WZ-8/6&7 Akal Bldg., Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferors)

(2) Shri Harbans Singh Juneja s/o S. Tirath Singh Juneja r/o c/o K-III, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

(3) M/s. R. K. Sons Lable Co.

[Person(s) occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. WZ-8 which is commercial also area 65 sq. yds. having one Shed situated at Industrial Area, Kirti, Nagar, Akal Bldg., vill. Basai Darapura, Delhi State is as under :—

East : 15 ft. Road.
West : 3 ft. Lane.
North : Property of Shri Kalra.
South : 6 ft. Road.

KANWARJIT SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, New Delhi

Dated : 14-9-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 23rd September 1978

Ref. No. I.A.C. Acq.II/Jan.9/3514A.—Whereas, I, KANWARJIT SINGH, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 43/22, situated at East Patel Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the New Delhi, on 28-12-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (28 of 1957);

Nok therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Pushpa Vati w/o Sh. Mela Ram R/o 43/22, East Patel Nagar, New Delhi-8.

(Transferor)

(2) Smt. Shobha Marwah w/o Shri D. B. Marwah R/o 33/21, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Govt. built house bearing No. 43/22 situated at East Patel Nagar, New Delhi measuring 200 sq. yds. is bounded as under :

East : Govt. Built Qr. No. 43/22.
West : Road.
North : Road.
South : Lane.

KANWARJIT SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated : 23-9-1978
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 22nd September 1978

Ref. No. I.A.C. Acq.II/3522/78-79.—Whereas, I,
KANWARJIT SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

G-9 situated at Mansrover Garden, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 4-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sbri Som Nath (2) Pran Nath (3) Krishan Lal & (4) Madan Lal s/o L. Kirpa Ram r/o B-165 Subhadra Colony, Old Rohtak Road, Delhi.
(Transferor)

- (2) Shri Balvinder Singh s/o S. Gopal Singh and Smt. Jasbir Kaur w/o S. Gopal Singh r/o J-62 Kirti Nagar, N. Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. G-9 area 403 sq. yds. Mansrover Garden, Basai Dara Pur Vill falling within limit of Municipal Corp. of Delhi, Delhi State is situated as under :

East : Plot No. G-10.
West : Plot No. G-8.
North : Lane.
South : Road.

KANWARJIT SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated : 22-9-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 23rd September 1978

Ref. No. I.A.C. Acq.II/Jan.24/D-1/3526.—Whereas, I, **KANWARJIT SINGH**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 7-A, situated at Azad Market, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi, on 4-11-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) Parmeshwari widow of Sh. Daulat Ram for self and on behalf of minor daughter Miss Daya R/O 3/50, old Double Storey, Lajpat Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Sudesh Kumar and Vinod Kumar sons of Shri Jagdish Raj R/o 11/42, Punjabi Bagh, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A shop No. 7-A, situated in Azzad Market, Delhi measuring 23.1 sq. yds. which is bounded as under :

East : Road.
West : Shop No. 7.
North : Library Road.
South : Road.

KANWARJIT SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated : 23-9-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 19th September 1978

Ref. No. I.A.C. Acq.II/D-I/Jan 80/3569.—Whereas, I, KANWARJIT SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2670 situated at Main Bazar, Shadipur, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfereed under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi, on 24-1-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bhim Singh s/o Shri Kuria R/o 2668, Shadipur, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmala Wanti d/o Sh. Nand Lal w/o Shri Mukandlal, R/o 2620, Shadipur, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The shops, stair case (G.F) and two rooms on the 1st floor and three shops and two rooms stair case (F.F.) and three rooms on the first floor measuring 150 sq. yds. situated at Shadipur, New Delhi bearing No. 2668 which is bounded as under :

East : Property No. 2672-73-74.
West : Main Bazar, Shadipur, New Delhi.
North : Remaining property of Vendor No. 2670.
South : Property No. 2669

KANWARJIT SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated : 19-9-1978

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 20th September 1978

Ref. No. I.A.C. Acq.II/D-I/Jan-81/3570.—Whereas, I, KANWARJIT SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2668, situated at Shadipur, New Delhi, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi, on 24-1-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bhim Singh s/o Shri Kuria R/o 2668, Shadipur, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmala Wanti d/o Sh. Nand Lal w/o Shri Mukand Lal, Resident of 2620, Shadipur, New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Five shops, courtyard with enclosure of the property bearing No. 2668, Shadipur New Delhi measuring 140 sq. yds. which is bounded as under :

East : Part of property No. 2668 of the Vendor.

West : Main Bazar.

North : Part property of the Vendor.

South : 2667/XVIII, Shadipur, New Delhi.

KANWARJIT SINGH,

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated : 20-9-78

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 22nd September 1978

Ref. No. IAC/Acq.II 3545/78-79/7979.—Whereas, I, KANWARJIT SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

41 and 42 situated at Chandni Chowk, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 13-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

22—276GI/78

(1) Shri Narender Kumar Jain s/o Sh. Rajjada Inder Sain Jain Svs. Mahipal Jain, Vijay Pal Jain s/o Sh. Narender Kumar Jain r/o 291 Topkhana Bazar, Meerut Cantt. (U.P.).

(Transferor)

(2) M/S Photo deals by 877 Lajpat Rai Market, Delhi by partner Shri Amrit Lal s/o Sh. Amin Chand r/o A-51, N. D. E., Part-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One four storeyed bldg. Municipal No. 4/41-42 area 35.1/2 Chandni Chowk is as under :—

East : Shop No. 40 of Shri K. S. Mathur etc.

West : Shop No. 42 on Ground Floor and adjacent thereto Lakhshmi Building property of Shri Chand Jain etc.

North : Chandni Chowk Bazar.

South : Property of Smt. Rukmani Devi w/o Shri Budh Ram.

KANWARJIT SINGH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated : 22-9-78

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 23rd September 1978

Ref. No. IAC. Acq.II/3549/78-79.—Whereas, I, KANWARJIT SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-175-176 situated at Subhadra Colony, Sarai Rohilla, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 16-1-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Mohan Lal s/o Pt Mehar Chand r/o B-175-176, Subhadra Colony, Sarai Rohilla, Delhi.
(Transferor)
- (2) Sh. Jugal Kishore Chhabra s/o Shri Diwan Chand r/o B-175-176 Subhadra Colony, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lease hold property No. B-175-176 area 124 sq. yds. Subhadra Colony, Sarai Rohilla, Delhi is situated as under:—

East : G.P.B. (Govt. built property).
West : Govt. built property.
North : Road.
South : Road and Park.

KANWARJIT SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated : 23-9-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 23rd September 1978

Ref. No. I.A.C. Acq.II/Jan.89/3574.—Whereas, I, KANWARJIT SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-A, situated at Flat Staff Road, Civil Lines, Delhi-110054 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi, on 11th Jan. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Ruth Prawar Jhabvala w/o Shri C.S.H. Jhabvala R/o 1-A, Flat Staff Road Civil Lines, Delhi.
(Transferor)
- (2) Dr. Satish K. Rohtagi s/o Sh. Moti Ram Dr. Ratan Rohtagi w/o Dr. Satish K. Rohtagi through their general attorney Sh. J. B. Kashyap, Sh. Chander Mohan Rohtagi s/o Sh. Moti Ram through his G.A. Sh. Moti Ram R/o 39, Rapur Road, Flat No. 2, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing municipal No. 1-A, situated at Flag Staff Road, Civil Lines, Delhi measuring 1423.60 sq. mtrs. which is bounded as under :
East : Property of Sh. Bhola Shankar No. 1-B, Flag Staff Road.
West : Property No. 1 Flag Staff Road.
North : Other's property.
South : Flag Staff Road.

KANWARJIT SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated : 23-9-78
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 22nd September 1978

Ref. No. IAC.Acq.II/669/78-79.—Whereas, I, KANWARJIT SINGH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-4/7 situated at Krishan Nagar, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 10-1-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Ramesh Kumar Gupta s/o Sh. Bhagat Ram r/o A-4/7 Krishan Nagar, Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Krishan Kumar Gupta s/o Sh. Gaya Smt. Saroj Gupta w/o Sh. Krishan Kumar Gupta r/o House No. 305 Old Post Office Street, Shahdara, Delhi-110032.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land No. A-4/7 area 133.33 sq. yds. (i.e. equal to 111.48 sq. meters) r/o Krishan Nagar Colony, Village Gondli, Shahdara falling within the limits of Municipal Corporation of Delhi is as under :—

East : Plot No. A-4/8 house,
West : Remaining part of Plot No. A-4/7.
North : House on Plot No. A-3/7.
South : Road.

KANWARJIT SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated : 22-9-78
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 22nd September 1977

Ref. No. IAC.Acq.II/670/78-79.—Whereas, I, KANWARJIT SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-4/7 situated at Krishan Nagar, Shahdara, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 9-1-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ramesh Kumar s/o Sh. Bhagat Ram r/o A-4/7 Krishan Nagar, Delhi-51.

(Transferor)

(2) Shri Bishan Kumar Gupta 2. Rajender Prasad Gupta 3. Suresh Kumar Gupta sons of Sh. Gaya Prasad Gupta r/o House No. 305 (old No. 287) Old Post Office Street, Shahdara, Delhi-32.

(Transferee)

(3) Smt. Suhagwanti Vidya.

[Persons(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot area 100 sq. yds. (Total area 233.33 sq. yds.) bearing No. A-4/7, Khasra No. 578/528 situated at Krishan Nagar, Shahdara, Delhi-51 is as under :—

East : Plot No. A-4/7 remaining part.
West : House on Plot No. A-4/6.
North : Plot No. A-3/7 House.
South : Road.

KANWARJIT SINGH,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated : 22-9-78

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 22nd September 1978

Ref. No. IAC.Acq.II/672/78-79.—Whereas, I, KANWARJIT SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 414, 417 and 418 situated at Jheel Kurenja, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on January 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Narain Khanna s/o Shri Narain Dass r/o 820 Nai Sarak, Delhi-6.

(Transferor)

(2) Shri Jitender Nath s/o Sh. Bakshi Sain Dass, r/o 418 Chiragah Janubi, Jheel Kurenja, Delhi.

(Transferee)

(3) Shri Sat Pal Chopra, Anand Prakash, Bodh Raj, M/S Manmohan Wool Shop, Roshan Lal Vohra, M/s Ashok Bond Co. Bishan Mohan, Guptaaji (Tea Shop), M/S Auto Part Shop, M/S Car Mating Shop.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A built house area 553 sq. yds. on lease hold plot bearing No. 414, 417 and 418 on D.D.A. land situated in Jheel Kurenja, Shahdara, Delhi-51 is as under :—

East : Road.
West : Property of others.
North : Road 10 ft. wide.
South : Main Road.

KANWARJIT SINGH,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated : 22-9-78

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 23rd September 1978

Ref. No. IAC. D.IV/Acq.II/Jan.14/676.—Whereas, I, KANWARJIT SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-9/18, Krishnan Nagar situated at Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi, on 20-1-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Iqbal Singh s/o S Balwant Singh & S. Balwant Singh s/o S. Thakur, Singh 167, Keventar Dairy Farm Jheel Kuranjha, Delhi-51.

(Transferor)

(2) Shri Gian Chand Arora s/o Sh. Ladha Ram R/o B-5/26, Krishan Nagar, Delhi-51.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A residential plot bearing No. C-9/18 measuring 466 sq. yds. situated in Abadi Krishan Nagar, village Ghondia, which is bounded as under:—

East : Plot No. C-10/13.

West : Road.

North : Plot No. C-9/19.

South : Remaining portion of plot No. C-9/18.

KANWARJIT SINGH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated : 23-9-78

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 22nd September 1978

Ref. No. IAC. Acq.II/3635/78-79.—Whereas, I, KANWARJIT SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 284, 285 & 287, situated at Fatehpuri, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 20-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri L. Gen. J. S. Deloon s/o Sh. S. B. Inder Singh r/o W-146 Greater Kailash, New Delhi, who is General Attorney of Sh. Patwant Singh s/o Shri Manohar Singh r/o 11, Retendon Rd., N. Delhi & Smt. Gurdip Kaur w/o Sh. Nonihal Singh r/o 57, Kaka Nagar, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Manohar Lal s/o Shri Diwan Chand, r/o 208 Katra Barian, Fatehpuri, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold property of which 1st & 2nd storey of House No. 288/1-2 and Shop No. 284, 285 & 286 area 190 sq. yds. situated in Ward No. 6, Fatehpuri, Delhi. is as under :—

East : Mercantile Bank of India & way of property of Shrimati Ganga Devi and Shri Har Dayal.

West : Fatehpur Road.

North : Shop No. 287 and property of Successors of Mehboob Illahi.

South : Passage.

KANWARJIT SINGH,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated : 22-9-78

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE

SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 8th September 1978

Ref. No. JDR/40/77-78.—Whereas I, E. K. KOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/2 share of factory known as Milap Silicate Factory, E-33, Industrial Area, Yamunanagar situated at Yamunanagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in January 1978,

for an apparent Consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assts which have not been or which ought to be disclose by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Prem Nath s/o Shri Jyoti Parshad R/o Radaur, Teh. Jagadhari.
2. Shri Janardhan Dass s/o Shri Ram Parshad R/o Kunjpura, Teh. Karnal.
3. Shri Om Parkash s/o Shri Ram Gopal, R/o Ladwa, Teh. Thanesar.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Shanti Rani w/o Shri Chuni Lal.
2. Shri Chuni Lal w/o Shri Gurditta Mal.
3. Shri Rohtas Kumar s/o Shri Behari Lal c/o M/s. Milap Silicate Factory, E-33, Industrial Area, Yamunanagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of factory known as Milap Silicate Factory, E-33, Industrial Area, Yamunanagar.

(Property as mentioned in the sale deed registered at sl. No. 3752 in January 1978 with the Sub-Registrar, Jagadhari).

E. K. KOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 8-9-1978.

Seal :

